- विदेशी मेट्रो परियोजनाओं के लिए डीएमआरसी ने बनाई नई कंपनी - 10

- कच्चे तेल में उबाल से फिसला सेंसेक्स, 1097 अंक टूटा - 10

- बालेंद्र शाह बन सकते हैं नेपाल के प्रधानमंत्री, भारी जीत की ओर पार्टी - 11

- मानसिक रूप से मजबूत संजू सैमसन अब हो चुका परिपक्व : रवि शास्त्री - 12

आज का मौसम | 32.0° अधिकतम तापमान | 18.0° न्यूनतम तापमान | सूर्योदय 06.31 | सूर्यास्त 06.16

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्थी 07:17 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2083

शनिवार, 7 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 101, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

असम में सुखोई-30 क्रैश दो पायलट की गई जान

नई दिल्ली, एजेंसी

- स्क्वाड्रन लीडर अनुज व फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश उड़ा रहे थे विमान

असम के कार्बी आंगलोंग जिले में सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से भारतीय वायुसेना के दो पायलट की मौत हो गई। भारतीय वायु सेना ने रूस द्वारा निर्मित विमान के लापता होने के एक दिन बाद शुक्रवार को स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश दुरागकर की मौत की पुष्टि की।

इस लड़ाकू विमान ने गुरुवार को प्रशिक्षण उड़ान के लिए जोरहाट एयरबेस से उड़ान भरी थी और कुछ ही समय बाद यह रडार से गायब हो गया था। भारतीय वायु सेना मुख्यालय ने दुर्घटना की जांच के लिए एक जांच समिति गठित करने का आदेश दिया। भारतीय वायु सेना ने कहा कि दोनों पायलटों की मृत्यु पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। अधिकारियों ने बताया था कि गुरुवार शाम सात बजकर 42 मिनट पर विमान से संपर्क टूट गया था।

यूपीएससी में 958 उम्मीदवार सफल, अनुज अग्निहोत्री टॉपर

नई दिल्ली, एजेंसी

अनुज अग्निहोत्री

- सिविल सर्विस 2025 का परिणाम जारी
- दूसरे नंबर पर राजेश्वरी का कब्जा
- शीर्ष 25 में 11 महिलाएं और 14 पुरुष शामिल

यूपीएससी द्वारा शुक्रवार को घोषित सिविल सेवा परीक्षा 2025 के परिणाम में एम्स से स्नातक अनुज अग्निहोत्री ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। राजेश्वरी सुवे एम और अकांश ढुल ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया है। अग्निहोत्री ने चिकित्सा विज्ञान को वैकल्पिक विषय के रूप में चुनकर परीक्षा में सफलता हासिल की।

उन्होंने राजस्थान के जोधपुर स्थित एम्स से एमबीबीएस की उपाधि प्राप्त की है। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के रहने वाले अनुज ने कहा कि वह इस उपलब्धि से बेहद खुश हैं। यह एक अविश्वसनीय एहसास है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय परिवार को देते हुए कहा कि वे ही उनकी प्रेरणा के सबसे बड़े स्रोत रहे हैं। मैं यह उपलब्धि अपने परिवार को समर्पित करता हूं। चेन्नई के अन्ना विवि से इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बीई की डिग्री प्राप्त करने वाली राजेश्वरी ने समाजशास्त्र को अपने वैकल्पिक विषय के रूप में चुनकर दूसरा स्थान हासिल किया। डीयू से बीकॉम की उपाधि प्राप्त करने वाले अकांश ने वाणिज्य और लेखाशास्त्र को अपने वैकल्पिक विषय के रूप में चुनकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। राघव झुनझुनवाला और ईशान भटनागर ने क्रमशः चौथा और पांचवां स्थान प्राप्त किया है। सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा, 2025 पिछले वर्ष 25 मई को आयोजित की गई थी। इस परीक्षा के लिए कुल 9,37,876 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से 5,76,793 उम्मीदवार वास्तव में परीक्षा में शामिल हुए थे। मुख्य परीक्षा में कुल 14,161 उम्मीदवार सफल हुए। इनमें से 2,736 उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए चुने गए।

बरेली की सुरभि यादव की 14वीं रैंक

बरेली। सिविल सेवा परीक्षा में बरेली की सुरभि यादव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 14वीं रैंक हासिल की। उनकी इस उपलब्धि से न सिर्फ उनके परिवार बल्कि पूरे बरेली जिले में खुशी की लहर है। सुरभि बरेली के ग्रीन पार्क के पास बजरंग इन्क्लेव की रहने वाली हैं। सुरभि ने अपनी 10वीं की पढ़ाई एसआर इंटरनेशनल स्कूल से और 12वीं की शिक्षा आर्मी पब्लिक स्कूल बरेली से पूरी की। इसके बाद वह उच्च शिक्षा के लिए दिल्ली चली गईं, जहां उन्होंने लेडी श्रीराम कॉलेज से इतिहास में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। जामिया मिलिया से परास्नातक किया। सुरभि अपनी सफलता का श्रेय पिता राकेश सिंह को देती हैं। पिता पुलिस सेवा से जुड़े हैं, पिता को लोगों के लिए काम करते हुए देखकर ही सुरभि के मन में भी समाज और देश के लिए कुछ करने का जज्बा पैदा हुआ। इसी प्रेरणा ने उन्हें सिविल सेवा की राह चुनने के लिए प्रेरित किया। वहीं, शामली की आस्था जैन ने देश में नौवां स्थान हासिल किया।

ब्रीफ न्यूज

धोखाधड़ी पर रियल एस्टेट कंपनी की 200 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने घर खरीदारों से कथित धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन जांच के तहत दिल्ली स्थित रियल एस्टेट कंपनी टीडीआई इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की 200 करोड़ रुपये से अधिक की नई अचल संपत्तियां कुर्क की है। अस्थायी रूप से कुर्क की गई संपत्तियों में हरियाणा के सोनीपत जिले के कामासपुर में स्थित 8 .3 एकड़ जमीन और व्यावसायिक इकाइयां शामिल हैं। उसने कहा कि ये संपत्तियां टीडीआई इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (पूर्व में इंटाइम प्रमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड) और उसकी सहयोगी कंपनियों के स्वामित्व में हैं। उसने कहा कि कुर्क की गई संपत्तियों का मूल्य 206 .4 करोड़ रुपये आंका गया है।

गाजियाबाद सबसे प्रदूषित, नोएडा-दिल्ली दूसरे-तीसरे नंबर पर

नई दिल्ली। वर्ष 2025-26 की सर्दियों के दौरान गाजियाबाद भारत का सबसे प्रदूषित शहर रहा, जिसके बाद नोएडा और दिल्ली का स्थान था। यह बात 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' (सीआरईए) द्वारा किए गए वायु गुणवत्ता विश्लेषण में कही गई है। पर्याप्त निगरानी डेटा वाले 238 भारतीय शहरों में से 204 शहरों में सर्दियों में पीएम2 .5 की औसत सांद्रता भारत के राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों (एनएएक्यूएस) से ऊपर दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष के 173 शहरों से अधिक है।

रूस से तेल खरीद के लिए भारत को मिली छूट, जल्द पहुंचेंगे टैंकर

जंग के बीच अमेरिका ने कहा- सोच-समझकर दी गई अल्पकालिक मंजूरी

वाशिंगटन/ नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच अमेरिका ने भारतीय रिफाइनरी कंपनियों को रूसी तेल खरीदने के लिए अस्थायी रूप से 30 दिनों की छूट दी है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के ऊर्जा एजेंडे के कारण तेल व गैस का उत्पादन अब तक के सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गया है। वहीं भारतीय तेल कंपनियों ने दो करोड़ बैरल रूसी तेल का ऑर्डर दे दिया है।

बेसेंट ने कहा कि वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति जारी रखने के लिए वित्त मंत्रालय भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने की अनुमति देने के लिए अस्थायी रूप से छूट दे रहा है। यह सोच-समझकर उठाया गया अल्पकालिक कदम है और इससे रूसी सरकार को कोई बड़ा वित्तीय लाभ नहीं मिलेगा, क्योंकि यह केवल तेल के उन लेनदेन को अधिकृत करता है जो पहले से समुद्र में फंसे हुए तेल से जुड़े हैं। बेसेंट ने कहा, भारत-अमेरिका का एक महत्वपूर्ण साझेदार है और हमें पूरी उम्मीद है कि नई दिल्ली अमेरिकी तेल की खरीद बढ़ाएगा।

यह अस्थायी कदम ईरान द्वारा वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को अवरुद्ध करने की कोशिश से पैदा हुए दबाव को कम करेगा। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर 25% टैरिफ लगाया था। अमेरिकी प्रशासन का कहना था कि नई दिल्ली द्वारा तेल की खरीद यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध को बढ़ावा देने में मदद कर रही है। पिछले महीने अमेरिका और भारत ने घोषणा की थी कि दोनों देशों के बीच व्यापार पर एक अंतरिम समझौते के लिए एक रूपरेखा तय हो गई है। इसके बाद ट्रंप ने भारत पर लगाए गए 25% दंडात्मक शुल्क को हटा दिया था।

पश्चिम एशिया संकट से तेल आपूर्ति बाधित होने के बीच भारतीय रिफाइनरी कंपनियों ने अमेरिका से मिली 30 दिन की अस्थायी छूट का फायदा उठाते हुए समुद्र में फंसे रूसी कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी। सूत्रों ने कहा कि भारतीय रिफाइनरों ने लगभग दो करोड़ बैरल रूसी तेल खरीद लिया है, जो अधिकतर गैर-प्रतिबंधित इकाइयों से लिया गया है। रिफाइनिंग कंपनियां इस बारे में कानूनी राय भी ले रही हैं कि क्या अमेरिकी छूट के तहत प्रतिबंधित संस्थाओं से भी खरीद की अनुमति है या नहीं। होर्मुज जलडमरूमध्य से आने वाली आपूर्ति में थोड़ी बाधा के कारण तेल की कीमतें बढ़ रही हैं।

रूस ने कहा- भारत को तेल निर्यात का आंकड़ा नहीं करेंगे सार्वजनिक, बुरा चाहने वालों से छिपाकर रखेंगे

मॉस्को। रूस ने शुक्रवार को कहा कि वह भारत को किए जाने वाले कच्चे तेल निर्यात के आंकड़े सार्वजनिक नहीं करेगा और इसे बहुत से बुरा चाहने वालों से छिपाकर रखेगा। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने यह टिप्पणी अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के उस बयान के बाद की जिसमें पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिनों की अस्थायी छूट देने की बात कही गई है। इससे पहले रूस के सरकारी टेलीविजन ने एक मानचित्र जारी किया था, जिसमें अरब सागर से बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ते कई टैंकर दिखाए गए थे। ये टैंकर भारत के पूर्वी तट पर स्थित रिफाइनरी की ओर जा रहे थे। रूस के उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने कहा कि उनका देश भारत और चीन को कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ाने के लिए तैयार है, क्योंकि अमेरिका-इजराइल हमलों और ईरान की जवाबी कार्रवाई के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल परिवहन लगभग बाधित हो गया है।

ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण करने तक समझौता नहीं : ट्रंप

वॉशिंगटन/तेहरान, एजेंसी

- पश्चिम एशिया में जंग तेज...ईरान ने इजराइल पर मिसाइलों की 22वीं खेप दागी
- इजराइल और अमेरिका ने ईरान के शिराज शहर पर किए हमले

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया में संघर्ष को समाप्त करने के लिए ईरान के साथ बातचीत की संभावना को खारिज कर दिया हैं। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि ईरान के बिना शर्त आत्मसमर्पण करने तक उसके साथ कोई समझौता नहीं होगा। ट्रंप ने कहा, उसके बाद, और एक महान एवं स्वीकार्य नेता के चयन के बाद, हम तथा हमारे कई अद्भुत और बहादुर सहयोगी एवं साझेदार ईरान को विनाश के कगार से वापस लाने के लिए अथक प्रयास करेंगे और इसे आर्थिक रूप से पहले से कहीं अधिक बड़ा, बेहतर एवं मजबूत बनाएंगे।

वहीं, अमेरिका-इजराइल के साझा सैन्य अभियान के सातवें दिन तेहरान सहित ईरान के कई अन्य शहरों पर भीषण हवाई हमले जारी रहे। ईरान ने भी इजराइल पर मिसाइलों की 22वीं खेप दागी। ईरान ने कुवैत में भी अमेरिकी मिलिट्री बेस पर हमला बोला और सुसाइड ड्रोन से निशाना बनाया। इस बीच, अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने चेतावनी दी है कि बमबारी और तेज की जाएगी। ईरान ने भी इजराइल पर बड़ा जवाबी हमला किया है। ईरान ने तेल अवीव के ठिकानों को निशाना बनाते हुए बड़ी संख्या में यूएवी (ड्रोन) और खैबर मिसाइलें दागी हैं। अमेरिका ने ईरान के शिराज शहर पर मिसाइल हमले किए जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई। ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4 के तहत नए हमले शुरू हो गए हैं। दूसरी ओर, इजराइली सेना ने तेहरान पर नए सिरे से बडे पैमाने पर हमलों की घोषणा की है। अमेरिका ने पुष्टि की है कि उसके बी-2 स्टील्थ बॉम्बर विमानों ने दर्जनों शक्तिशाली 'पेनेट्रेटर' बमों का उपयोग कर जमीन के काफी नीचे छिपे बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चरों को तबाह कर दिया है। रात भर तेहरान में हुए शक्तिशाली धमाकों ने रिहायशी इलाकों और तेहरान विश्वविद्यालय के पास के क्षेत्रों को दहला दिया।

महायुद्ध का सातवां दिन : पल-पल अपडेट

- इजराइल ने तेहरान और लेबनान के रिहायशी इलाकों में दोबारा बड़े हमले शुरू किए हैं, तो ईरान ने भी तेल अवीव को निशाना बनाकर ड्रोन दागे
- राष्ट्रपति ट्रंप ने हथियार बनाने वाली कंपनियों के साथ मीटिंग की और ईरान को खुली चेतावनी दे दी। ईरान की अर्थव्यवस्था को सुधार देंगे, लेकिन पहले घुटने टेकने होंगे
- रूस ने ईरान को ऐसी जानकारी प्रदान की है जिससे उसे क्षेत्र में अमेरिकी युद्धपोतों, विमानों और अन्य संपत्तियों पर हमला करने में मदद मिल सकती है
- ईरान के उप विदेश मंत्री सईद खतीबजादेह ने कहा- अमेरिका-इजराइल के साथ ईरान का टकराव 'अस्तित्व का युद्ध' बन गया, दंड से नहीं बचेगा अमेरिका
- ईरानी युद्धपोत को डुबाने से कुछ दिन पहले, भारत ने कोच्चि में एक अन्य ईरानी जहाज 'आइरिस लावन' को आपातकालीन स्थिति में खड़े होने की अनुमति दी थी
- इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने कहा- ईरान पर हमले का फैसला प्रधानमंत्री मोदी के इजराइल छोड़ने के बाद किया गया

भारत ने ईरानी युद्धपोत की खुफिया जानकारी देने संबंधी दावे निराधार बताए

नई दिल्ली। सरकार के शीर्ष सूत्रों ने उन दावों को निराधार और हास्यास्पद बताया कि भारतीय नौसेना ने दो दिन पहले अमेरिकी सैन्य पनडुब्बी द्वारा डुबोए गए ईरानी युद्धपोत के बारे में अमेरिका को खुफिया जानकारी प्रदान की थी। सूत्रों ने बताया कि इस मामले में अमेरिका को कोई भी जानकारी देने का सवाल ही नहीं उठता और ये दावे पूरी तरह निराधार हैं। अमेरिका ने बुधवार को श्रीलंका के तट पर ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया, जिससे ईरान की ओर से तीखी प्रतिक्रिया हुई। ईरान का फ्रिगेट आईरिस देना भारत द्वारा आयोजित बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास मिलन में भाग लेने के बाद स्वदेश लौट रहा था। इस हमले में 87 ईरानी नाविकों की मौत हो गई।

ईरान ने निहत्थे जहाज पर अमेरिकी हमले की निंदा की

नई दिल्ली। अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा श्रीलंका के तट के पास एक ईरानी युद्धपोत को डुबोए जाने के दो दिन बाद ईरान ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि निहत्थे जहाज पर हमले की सजा जरूर दी जाएगी। ईरान का फ्रिगेट आईआरआईएस देना भारत द्वारा आयोजित बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास मिलन में भाग लेने के बाद स्वदेश लौट रहा था। भारत यात्रा पर आए ईरान के उप विदेश मंत्री सईद खतीबजादेह ने कहा कि आईआरआईएस देना युद्ध की स्थिति में नहीं था और मिलन नौसैनिक अभ्यास से लौट रहा था। उन्होंने कहा कि अमेरिका की यह कार्रवाई अंतर्राष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन है।

भारतीय कृषि को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की जरूरत : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री बोले- किसान भारत की विविध जलवायु परिस्थितियों का लाभ उठाएं
- वेब गोष्ठी के जरिए प्रधानमंत्री ने देश के किसानों को किया संबोधित

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को किसानों से भारत की विविध जलवायु परिस्थितियों का लाभ उठाने और उच्च मूल्य वाली फसलों की पैदावार बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसा करने पर देश के कृषि उत्पाद वैश्विक बाजारों में प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। कृषि और ग्रामीण परिवर्तन पर बजट के बाद आयोजित एक वेब गोष्ठी को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारतीय कृषि उत्पादों की गुणवत्ता, ब्रांडिंग और मानकों के सभी पहलुओं पर काम करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कृषि विशेषज्ञों, उद्योग और किसानों को एक साथ आना होगा। प्रधानमंत्री ने बजट के बाद अपनी तीसरी वेब गोष्ठी में कहा, आज दुनिया के बाजार खुल रहे हैं और वैश्विक मांग बदल रही है। कृषि को निर्यातोन्मुख बनाने पर अधिक चर्चा करना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि हमारे पास विविध जलवायु है और हमें इसका पूरा लाभ उठाना चाहिए। हम कृषि-जलवायु क्षेत्रों के मामले में समृद्ध हैं। मोदी ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में काजू, कोको और चंदन सहित उच्च मूल्य वाली कृषि पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि खाद्य तेल और दलहन पर राष्ट्रीय मिशन और प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन सभी कृषि क्षेत्र को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, यदि हम उच्च मूल्य वाले कृषि क्षेत्र को बड़े पैमाने पर बढ़ाते हैं, तभी हम अपनी खेती को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में बदल सकते हैं। मोदी ने कहा, अगर हम उच्च मूल्य वाली खेती को मिलकर आगे बढ़ाते हैं, तो यह कृषि को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में बदल देगा। मत्स्य पालन क्षेत्र पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक है, जहां हमारे विभिन्न जलाशयों और तालाबों में लगभग 4.5 लाख टन मछली का उत्पादन हो रहा है।

रसायन मुक्त और प्राकृतिक खेती पर जोर देने की जरूरत

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक हो रही है और समग्र स्वास्थ्य सेवा तथा जैविक भोजन पर उनका विशेष ध्यान है। उन्होंने कहा, हमें रसायन मुक्त और प्राकृतिक खेती पर अधिक जोर देना चाहिए। प्राकृतिक खेती दुनिया भर के बाजारों तक पहुंचने का रास्ता बनाती है। मोदी ने कहा कि कृषि भारत की दीर्घकालिक विकास यात्रा का एक रणनीतिक स्तंभ है, और सरकार ने कृषि क्षेत्र को लगातार मजबूत किया है। उन्होंने कहा, लगभग 10 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से चार लाख करोड़ रुपये से अधिक मिले हैं। उन्होंने पूर्वोत्तर में अगरवुड और हिमालयी राज्यों में शीतोष्ण फलों को बढ़ावा देने के बजट प्रस्ताव पर भी प्रकाश डाला।

अनिल अंबानी के प्रतिष्ठानों पर ईडी के छापे

- ईडी ने कहा- मुंबई व हैदराबाद में रिलायंस पॉवर लिमिटेड के करीब 12 ठिकानों पर की गई छापेमारी

नई दिल्ली। ईडी ने उद्योगपति अनिल अंबानी के समूह की कंपनी 'रिलायंस पावर लिमिटेड' से जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ जांच के तहत मुंबई और हैदराबाद में कई स्थानों पर शुक्रवार को छापेमारी की। रिलायंस पावर ने अपने परिसर या कार्यालय में संघीय जांच एजेंसी द्वारा छापेमारी किए जाने की बात को पूरी तरह नकार दिया।

ईडी ने बताया कि इस कंपनी और उसके अधिकारियों से जुड़े लगभग 10-12 ठिकानों पर दोनों शहरों में छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि एजेंसी की करीब 15 टीम छापेमारी की कार्रवाई कर रही हैं। रिलायंस पावर ने 'स्टॉक एक्सचेंज' को दिए गए एक बयान में कहा कि हमारी जानकारी के अनुसार, कंपनी के किसी भी कार्यालय या परिसर में ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ईडी, कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन के मामले के तहत अनिल अंबानी से जुड़ी कई कंपनियों की जांच कर रही है।

कार्यक्रम | लखनऊ में 50 क्यूआरटी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया रवाना

विकास की पहली शर्त मजबूत कानून सुरक्षा : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश पुलिस को मिली 50 क्यूआरटी (क्विक रिस्पॉन्स टीम) दोपहिया वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन होंडा इंडिया फाउंडेशन की ओर से पुलिस विभाग को जन-सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से उपलब्ध कराए गए हैं।

शुक्रवार को लोकभवन में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि शासन, प्रशासन और उद्योग जगत मिलकर प्रदेश के विकास और सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास की पहली शर्त सुरक्षा है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने वर्ष 2017 के बाद कानून व्यवस्था में बड़ा परिवर्तन कर राज्य को सुरक्षित प्रदेश के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बताई गई मॉडल पुलिसिंग की अवधारणा- इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी और मोबिलिटी को ध्यान में रखते हुए राज्य में पुलिस व्यवस्था को मजबूत किया गया है।

वर्ष 2017 से पहले पुलिसकर्मियों को पर्याप्त संसाधन और आवासीय सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं थीं, लेकिन अब प्रदेश के 55 जिलों में आधुनिक बैरक और बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

लखनऊ में क्यूआरटी बाइक्स के फ्लैग ऑफ कार्यक्रम में झंडी दिखा पुलिसकर्मियों को रवाना करते मुख्यमंत्री योगी। ● अमृत विचार

वाहन बढ़ने से रिस्पांस टाइम हुआ कम

मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि वर्ष 2017 में प्रदेश में पुलिस रिस्पांस व्हीकल (पीआरवी) की संख्या करीब 9,500 थी, जो अब बढ़कर 15,500 से अधिक हो चुकी है। इसी तरह वर्ष 2017 में पुलिस विभाग के पास केवल 3,000 दोपहिया वाहन थे, जबकि आज इनकी संख्या 9,200 से ज्यादा हो गई है। इससे पुलिस का रिस्पांस टाइम कम हुआ है और आपात स्थितियों में त्वरित सहायता पहुंचाना संभव हुआ है।

पुलिस प्रशिक्षण क्षमता अब 30 हजार

योगी ने बताया कि वर्ष 2017 में पुलिस प्रशिक्षण की क्षमता केवल तीन हजार थी, जिसे बढ़ाकर अब करीब 30 हजार तक किया गया है। वर्तमान में 60,244 पुलिस कांस्टेबलों को प्रदेश के प्रशिक्षण केंद्रों में ही प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में फॉरेंसिक जांच व्यवस्था को भी मजबूत किया गया है। पहले राज्य में केवल दो फॉरेंसिक लैब थीं, जबकि अब उनकी संख्या बढ़कर 12 हो गई है।

न्यूज ब्रीफ

पांच लाख रुपये समेत बैग लौटाने पर बस कर्मी हुए सम्मानित

अमृत विचार, लखनऊ/आजमगढ़ : उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने एक यात्री का खोया हुआ बैग सुरक्षित लौटाने पर परिवहन निगम के चालक और परिचालक की सराहना की है। उस बैग में करीब 5 लाख रुपये और अन्य जरूरी दस्तावेज थे। जानकारी के अनुसार, आजमगढ़ डिपो की बस संख्या यूपी 78 केटी 2112 (आजमगढ़–सुल्तानपुर–लखनऊ सेवा) में यात्रा के दौरान एक यात्री का बैग बस में ही छूट गया था। बस के चालक संदीप पाण्डेय (संविदा) और परिचालक रमेश चंद्र यादव (संविदा) ने बैग को सुरक्षित रख लिया। बताया गया कि जगदीशपुर से चार यात्री बस में सवार हुए थे और आलमबाग बस स्टेशन पर उतर गए थे। उतरते समय उनका एक बैग बस में ही छूट गया। बाद में जब यात्री बैग लेने पहुंचे तो चालक और परिचालक ने उन्हें सुरक्षित बैग लौटा दिया। इधर, परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु एन सिंह के निर्देश पर संबंधित चालक और परिचालक को क्षेत्रीय प्रबंधक कक्ष में बुलाकर आजमगढ़ के क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा सम्मानित किया गया। उन्हें उपहार देकर उनकी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की गई।

गाजियाबाद में रालोद व्यापार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बने प्रभात गर्ग

अमृत विचार, लखनऊ/ गाजियाबाद : गाजियाबाद में राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के व्यापार प्रकोष्ठ की संगठनात्मक बैठक में प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने वरिष्ठ उद्योगपति प्रभात गर्ग को रालोद व्यापार प्रकोष्ठ का गाजियाबाद जिलाध्यक्ष नियुक्त किया। साथ ही इस मौके आलोक गोयल, देवेंद्र गर्ग, आयुष गोयल, शिवमोहन अग्रवाल सहित कई प्रमुख व्यापारियों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में सदस्यता ग्रहण करने वालों में वरिष्ठ कांग्रेसी हरीश कंसल ने अपने कई साथियों के साथ पार्टी की सदस्यता ली। नए सदस्यों ने पार्टी की विचारधारा में आस्था व्यक्त की और सदस्यता ग्रहण कर पार्टी की नीतियों का प्रचार-प्रसार करने और जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। उन्होंने व्यापारियों को हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। अर्बन कमेटी उप्र. के संयोजक इन्द्रजीत सिंह टीटू ने नगर और महानगरों में पार्टी विस्तार पर चर्चा करते हुए निर्धारित समय में लक्ष्यों को पूरा करने का एजेंडा प्रस्तुत किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी, विशिष्ट अतिथियों में राष्ट्रीय सचिव प्रबुद्ध कुमार उपस्थित रहे। महानगर अध्यक्ष डॉ. रेखा चौधरी समेत जिले के पदाधिकारी शामिल रहे।

आदर्श और शताब्दी बनेंगे जर्जर पशु चिकित्सालय

राजकीय पशु चिकित्सालयों का प्राइमरी वेटरनरी हेल्थ केयर सेंटर रखा जाएगा नाम

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

- शताब्दी को जिला, आदर्श को ब्लॉक स्तरीय दिया जाएगा दर्जा

अमृत विचार : पशुपालन विभाग प्रदेश के सभी राजकीय पशु चिकित्सालयों को हाईटेक बनाकर ''प्राइमरी वेटरनरी हेल्थ केयर सेंटर'' नाम देगा। चिकित्सालयों का एक मानक बनेगा और उसी अनुसार विस्तार करेगा। स्ट्रैक्चर में बदलाव होगा, संसाधन और सेवाएं बढ़ाई जाएंगी। 100 वर्ष पुराने जर्जर चिकित्सालयों को शताब्दी बनाकर जिला स्तरीय दर्जा दिया जाएगा। जबकि 50 वर्ष पुराने चिकित्सालयों को आदर्श बनाकर ब्लॉक स्तरीय दर्जा दिया जाएगा।

केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुसार, पशुपालन विभाग चिकित्सालयों में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। हाईटेक संसाधनों के साथ चिकित्सक, पशुधन प्रसार अधिकारी, फार्मासिस्ट से लेकर फील्ड स्टॉफ तक तैनात किया जाएगा। इससे कि पहले से बेहतर और त्वरित पशुओं का उपचार किया जा सके। पशुपालन विभाग ने सभी जिलों से पुराने व जर्जर चिकित्सालयों की रिपोर्ट मांगी है।

पांच हजार यूनिट पर एक चिकित्सक

इसके अलावा पांच हजार यूनिट (पशु) पर एक चिकित्सक तैनात किया जाएगा। छोटे पशुओं में 10 भेड़ व 10 बकरी की एक यूनिट बनाई जाएगी। इसी तरह 100 मुर्गियां या पांच सूकर की एक यूनिट बनेगी। जबकि बड़े पशुओं में एक यूनिट में एक गाय या एक भैंस होगी। इन सभी का पशुपालकों के साथ पूरा ब्योरा डिजिटल करने के साथ चिकित्सालय से मैप किया जाएगा। पशुओं की गणना करके ऑनलाइन की जाएगी।

1962 का एकीकृत होगा कंट्रोल रूम

पशुपालन विभाग अप्रैल में नया टेंडर होने पर पारदर्शिता के लिए मोबाइल वेटरनरी यूनिट (1962 सेवा) का प्रदेश स्तरीय एकीकृत कंट्रोल रूम बनाएगा। संचालन करने के लिए अलग से कंपनी रखी जाएगी। निदेशालय स्तर से पूरी मॉनीटरिंग होगी। पुरानी व्यवस्था के तहत प्रदेश में पांच कंपनियां जोनवार मोबाइल वेटरनरी यूनिट का संचालन करती हैं। सभी कंपनियों के अलग-अलग खुद के कंट्रोल रूम हैं। कॉल करने पर त्वरित सेवा नहीं मिलती है। लापरवाही की तमाम शिकायतें आती हैं। फिर भी विभाग को मनमानी रिपोर्ट सौंपते हैं।

मैनपुरी-इटावा में बनेगा 'सारस सर्किट'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पर्यटकों के लिए विकसित होंगी सुविधाएं, इको टूरिज्म और पक्षी संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा

अमृत विचार : प्रदेश के राजकीय पक्षी सारस (क्रेन) के संरक्षण और इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार मैनपुरी और इटावा में 'सारस सर्किट' विकसित कर रही है। इस पहल के तहत दोनों जिलों के प्रमुख वेटलैंड क्षेत्रों को जोड़ते हुए पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण का नया मॉडल तैयार किया जाएगा।

सारस सर्किट के अंतर्गत मैनपुरी जिले के किर्थुआ, सहस, कुर्रा जरावां, सौज और समन के साथ इटावा जिले के सरसई नावर तथा परौली रामायण वेटलैंड क्षेत्र को विकसित किया जाएगा। इन स्थानों पर सारस पक्षी के प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखते हुए इको टूरिज्म की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इस परियोजना का क्रियान्वयन वन विभाग द्वारा यूपी इको टूरिज्म विकास बोर्ड के माध्यम से किया जा रहा है।

सारस सर्किट में प्रवेश द्वार, व्यू प्वाइंट, डेक, बोटिंग स्पॉट, बटरफ्लाई गार्डन और सोलर साइट लाइटिंग जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके अलावा इंटरप्रिटेशन सेंटर, सूचना केंद्र, ईको-टॉयलेट, पार्किंग, इंटरैक्टिव साइनेज, फूड कियोस्क और ओडीओपी व स्मृति चिन्ह की दुकानों की भी व्यवस्था की जाएगी। इन सुविधाओं के माध्यम से पर्यटक सारस पक्षी और उसके प्राकृतिक आवास को करीब से देख और समझ सकेंगे।

सारस पक्षी, जो दुनिया में अपनी लंबी उड़ान के लिए जाना जाता है, उत्तर प्रदेश का राजकीय पक्षी है। इसका प्रमुख आवास मैनपुरी, इटावा, एटा और अलीगढ़ के वेटलैंड क्षेत्रों में पाया जाता है। सरकार का प्रयास है कि इन प्राकृतिक आवासों को संरक्षित कर सारस के अनुकूल वातावरण बनाया जाए, जिससे उसकी संख्या और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

सहारा शहर में ईडी का छापा अहम दस्तावेज लगे हाथ

नगर निगम की अनुमति के बाद टीम ने किया सहारा शहर में प्रवेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पूरे देश में चल रही जांच की कड़ी में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई

अमृत विचार: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने गोमतीनगर स्थित सहारा शहर में शुक्रवार को छापा मारा। मौके से कई अहम दस्तावेज हाथ लगे। कुछ दस्तावेजों की जांच के बाद छोड़ दिया गया। जबकि कुछ ईडी की टीम साथ लेकर गई। यह कार्रवाई देश भर में चल रही सहारा समूह की संपत्तियों से जुड़े मामलों की जांच चल रही है। इसी कड़ी में यह कार्रवाई की गई है। कार्रवाई पूर्व ईडी टीम ने नगर निगम से शहर में दाखिल होने की अनुमति मांगी थी। नगर निगम के अधिकारी भी मौके पर थे।

सूत्रों के अनुसार, ईडी सहारा समूह के खिलाफ कई मामलों की जांच कर रही है। इसी कड़ी में सहारा शहर में छापेमारी हुई। नगर निगम ने सहारा शहर पिछले वर्ष सील कर दिया था। अंदर प्रवेश करने के लिए अधिकारियों को सील खोलना जरूरी था। इस कारण नगर निगम के अधिकारियों से संपर्क किया गया। उनको मौके पर बुलाया गया। औपचारिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद सील खुलवाई गई। फिर ईडी टीम अंदर दाखिल हुई। सूत्रों के मुताबिक, सहारा समूह से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग और संपत्तियों के लेन-देन के मामलों की जांच देशभर में चल रही है। इसी कड़ी में लखनऊ स्थित सहारा शहर परिसर में भी दस्तावेजों की पड़ताल की गई। ईडी अधिकारियों ने परिसर के भीतर कई फाइलें और कागजात खंगाले। जांच टीम कुछ जरूरी दस्तावेज अपने साथ भी ले गई है, जिनकी जांच की जाएगी। छापेमारी के दौरान नगर निगम या ईडी के अधिकारियों ने कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं दिया है। सूत्रों के मुताबिक जांच एजेंसी ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज एकत्र किए हैं। जिनसे आगे की कार्रवाई का रास्ता तय हो सकता है। ईडी की टीम सुबह से सहारा शहर के आसपास घेराबंदी कर ली थी।

लखनऊ स्थित सहारा शहर।

तीन दिन पहले तीन राज्यों में हुई थी छापेमारी

अमृत विचार : सहारा प्राइम सिटी जमीन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तीन दिन पहले ओडिशा, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में कंपनी और उसके अधिकारियों के कई ठिकानों पर छापेमारी कर इलेक्ट्रॉनिक सबूत जब्त किए थे। ईडी के कोलकाता जोनल ऑफिस ने दो फरवरी को अनंतपुर (आंध्र प्रदेश), बल्लारी (कर्नाटक), भुवनेश्वर और बेहरामपुर (ओडिशा) में सर्च ऑपरेशन किया। सर्च के दौरान व्हाट्सअप कम्युनिकेशन, कॉन्टैक्ट और कॉल रिकॉर्ड जैसे डिजिटल सबूत मिले थे। साथ ही कई आपत्तिजनक कागजातों को जांच के लिए जब्त किया गया था। सहारा समूह की अलग-अलग कंपनियों के खिलाफ 500 से ज्यादा एफआईआर दर्ज की गई हैं। सहारा समूह की कई जमीनों को अटैच करने के लिए आदेश जारी किए गए हैं। इनमें बेनामी जमीनें और दूसरे लोगों की संपत्तियां शामिल हैं।

महिला दिवस पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां सम्मानित

बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा को मजबूत बनाती हैं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां : लीना जौहरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को है। इसी परिप्रेक्ष्य में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान महिला एवं बाल विकास विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव लीना जौहरी ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दिया।

राजधानी के एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी आयोजित किया गया। साथ ही उनके द्वारा स्थानीय स्तर पर बच्चों के लिए तैयार किए गए लर्निंग मटेरियल का एक स्टॉल भी लगाया गया, जिसे कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने सराहा। कार्यक्रम का आयोजन स्वयंसेवी संस्था सेसमी वर्कशॉप इंडिया ट्रस्ट ने मैरिको लिमिटेड के सहयोग से किया। यह पहल निहार शांति पाठशाला फनवाला (मैरिको सीएसआर पहल) के अंतर्गत समर्थित है।

उत्कृष्ट कार्य के लिए आंगनबाड़ी कार्यकत्री को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करतीं लीना जौहरी। अमृत विचार

मुख्य अतिथि लीना जौहरी ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं। सेसमी वर्कशॉप इंडिया ट्रस्ट की सोनाली खान ने बताया कि बहराइच में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के साथ 100 आंगनबाड़ी केंद्रों में छोटे बच्चों के लिए फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी (एफएलएन) को मजबूत करने का कार्य किया जा रहा है। जिसमें बहराइच की 30 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्री-स्कूल शिक्षा को बढ़ावा देने, अभिभावकों की सहभागिता बढ़ाने और बच्चों के समग्र विकास में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कृषि योजनाओं के लिए 43.51 करोड़ मंजूर, मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

- किसानों को ऊर्जा और डिजिटल सेवाओं का मिलेगा लाभ

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने कृषि क्षेत्र को मजबूत करने और किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 43 करोड़ 51 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। विभिन्न योजनाओं के लिए स्वीकृति बजट से प्रदेश में उन्नत कृषि तकनीक, डिजिटल सेवाओं और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े कार्यों को गति मिलेगी।

योजनाओं में प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान (पीएम-कुसुम) योजना के तहत सब्सिडी के लिए सबसे अधिक 2897 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं।

इसके अलावा कृषोन्नति योजना के तहत यूपी-179 नेशनल ई-गवर्नेंस प्लान एग्रीकल्चर के अंतर्गत डिजिटल क्रॉप सर्वे के लिए 1082 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। फसलों से जुड़ा डेटा अधिक सटीक और पारदर्शी तरीके से तैयार किया जाएगा। सरकार ने बीज गुणवत्ता नियंत्रण सुदृढ़ीकरण योजना के लिए 231 लाख रुपये जारी किए हैं। वहीं पीएम-कुसुम योजना के अन्य कार्यों के लिए 57.50 लाख रुपये तथा इंटीग्रेटेड स्कीम ऑन एग्रीकल्चर सेंसस, इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स के तहत वेतन भुगतान के लिए 40 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

इसके साथ ही आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज (अयोध्या) में टिश्यू कल्चर लैब की स्थापना के लिए 37 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। वहीं नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल (ऑयलसीड) योजना के अंतर्गत 6.50 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही का कहना है कि सरकार का यह निर्णय कृषि क्षेत्र में तकनीकी विकास को बढ़ावा देगा और किसानों की आय बढ़ाने में सहायक साबित होगा। इन योजनाओं के माध्यम से प्रदेश की कृषि व्यवस्था को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और मजबूत बनाया जा रहा है।

प्रदेश के हर ब्लॉक में बनेंगे ग्रामीण स्टेडियम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मल्टीपरपज हॉल और एथलेटिक्स ट्रैक से लैस होंगे सभी विकास खंडों के स्टेडियम

अमृत विचार : राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए बड़ा कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के सभी विकास खंडों में ग्रामीण स्टेडियमों के निर्माण की योजना पर तेजी से काम चल रहा है। इन स्टेडियमों के बनने से गांवों के युवाओं को अपने ही क्षेत्र में आधुनिक खेल सुविधाएं और प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा।

सरकार की योजना के तहत हर विकास खंड में एक ग्रामीण स्टेडियम और ओपन जिम स्थापित किया जा रहा है। इन स्टेडियमों में मल्टीपरपज हॉल, कम से कम 200 मीटर का एथलेटिक्स ट्रैक और विभिन्न आउटडोर खेलों के लिए मैदान विकसित किए जा रहे हैं। वर्तमान में प्रदेश के अलग-अलग जिलों में करीब 30 परियोजनाओं पर निर्माण कार्य जारी है।

प्रदेश सरकार का उद्देश्य गांवों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और ग्रामीण प्रतिभाओं को जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का अवसर देना है। माना जा रहा है कि इससे उन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मंच मिलेगा, जिन्हें संसाधनों की कमी के कारण आगे बढ़ने का मौका नहीं मिल पाता था ।

मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उत्तर प्रदेश खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक जल्द आयोजित कर खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने की योजना तैयार की जाए। निर्माणाधीन ग्रामीण स्टेडियमों का काम निर्धारित मानकों और गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाएगा। साथ ही प्रत्येक स्टेडियम में आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से खेल प्रशिक्षकों की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी।

स्पोर्ट्स कॉलेज बनेंगे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

खेल प्रतिभाओं को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण देने के लिए प्रदेश के स्पोर्ट्स कॉलेजों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने की योजना भी तैयार की जा रही है। इसके लिए प्रस्ताव जल्द ही खेल विभाग को भेजे जाएंगे। साथ ही स्पोर्ट्स कॉलेजों को स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी से संबद्ध करने की भी तैयारी है, ताकि खिलाड़ियों को व्यवस्थित ढांचे में उन्नत प्रशिक्षण और आधुनिक सुविधाएं मिल सकें।

ग्रामीण युवाओं को मिलेंगे अवसर

ग्रामीण स्टेडियम बनने से गांवों के युवाओं को नियमित अभ्यास, स्थानीय प्रतियोगिताओं और प्रशिक्षण की सुविधा मिलेगी। इससे वे जिला और राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। साथ ही खेल गतिविधियों के विस्तार से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

लखनऊ स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित होली मिलन समारोह के दौरान फूलों की होली खेलते प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व अन्य।

प्रदेश में भाईचारे और सद्भाव का वातावरण बनाएं : अजय राय

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि होली का पर्व हमारे देश की गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है। हमें इस पर्व को मिल-जुलकर मनाते हुए समाज में प्रेम और भाईचारे को और अधिक सुदृढ़ करने का संकल्प लेना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष शुक्रवार को माल एवेन्यू स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित होली मिलन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे जनता के बीच जाकर कांग्रेस पार्टी की नीतियों और विचारधारा को मजबूत करें तथा प्रदेश में भाईचारे और सद्भाव का वातावरण बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाएं।

बढ़ते कदम | प्रदेश में स्किलिंग और स्टार्टअप से बढ़ रही इनोवेशन की रफ्तार

10 लाख युवाओं को एआई ट्रेनिंग देने का लक्ष्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 400 से अधिक एसटीपीआई यूनिट्स और 100 इन्क्यूबेटर विकसित करने का लक्ष्य

अमृत विचार : उप्र. में स्टार्टअप और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित स्किलिंग को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार लगातार नए कदम उठा रही है। सरकार का लक्ष्य एआई और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में करीब 10 लाख युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराना है। स्टार्टअप नीति और एआई प्रज्ञा प्रोग्राम के जरिए प्रदेश में नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में काम तेज हुआ है।

स्टार्टअप नीति, एआई स्किलिंग और तकनीकी निवेश के संयुक्त प्रयासों से कानपुर, लखनऊ, नोएडा और वाराणसी जैसे शहरों में स्टार्टअप गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। इससे एमएसएमई सेक्टर को नई दिशा मिल रही है और युवा उद्यमिता को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। युवाओं को भविष्य की तकनीकों से जोड़ने के लिए प्रदेश के 49 आईटीआई संस्थानों में एआई लैब स्थापित की जा रही हैं। इन प्रयोगशालाओं में छात्रों को एआई, डेटा एनालिटिक्स और उन्नत डिजिटल तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे उद्योग की जरूरतों के अनुरूप तैयार हो सकें। आईटी और तकनीकी क्षेत्र में बढ़ते निवेश का असर निर्यात पर भी दिख रहा है। प्रदेश से आईटी-आईटीईएस सेक्टर का निर्यात बढ़कर 44 हजार करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

प्रदेश में टेक्नोलॉजी आधारित स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) की करीब 400 यूनिट्स सक्रिय हैं। इसके साथ ही राज्य में 100 से अधिक स्टार्टअप इन्क्यूबेटर विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इन इन्क्यूबेटरों के जरिए युवाओं को अपने नवाचार और तकनीकी विचारों को व्यवसाय में बदलने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी वैश्विक कंपनियों के साथ साझेदारी के माध्यम से युवाओं को आधुनिक डिजिटल स्किल्स और एआई तकनीक की ट्रेनिंग भी दी जा रही है।

मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में 65 प्रतिशत हिस्सेदारी

इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश में मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में करीब 65 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ प्रदेश एक बड़े विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है। इससे स्टार्टअप और एमएसएमई सेक्टर को भी नई ऊर्जा मिल रही है। मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण से जुड़ी सप्लाई चेन में छोटे और मध्यम उद्योगों को नए अवसर मिल रहे हैं, जिससे रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों को मजबूती मिल रही है।

गो संरक्षण मिशन में 2100 करोड़ रुपये खर्च करेगी प्रदेश सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ग्रामीण महिलाएं और एफपीओ भी बनेंगे मिशन के भागीदार

अमृत विचार : प्रदेश में गो संरक्षण को ग्रामीण समृद्धि से जोड़ने की दिशा में योगी सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। अब इस मिशन में ग्रामीण महिलाओं के स्वयं सहायता समूह और किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) भी सीधे तौर पर शामिल किए जाएंगे। सरकार का उद्देश्य गो संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के साथ-साथ इसे गांवों में रोजगार और आय का नया माध्यम बनाना है।

उप्र. गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गोवंश संरक्षण के लिए अब तक का सबसे बड़ा बजट स्वीकृत किया गया है। सरकार ने इस उद्देश्य के लिए कुल 2100 करोड़ रुपये खर्च करने का फैसला किया है। इसमें से 2000 करोड़ रुपये गो संरक्षण की विभिन्न योजनाओं पर खर्च किए जाएंगे, जबकि 100 करोड़ रुपये वृहद गो संरक्षण केंद्रों की स्थापना के लिए अलग से रखे गए हैं।

सरकार का मानना है कि गो संरक्षण केवल सांस्कृतिक या धार्मिक परंपरा का विषय नहीं है, बल्कि गोवंश आधारित प्राकृतिक खेती, जैविक खाद, गोमूत्र से बने कीट नियंत्रक और गोबर से तैयार होने वाले उत्पादों को बढ़ावा देने की योजना है, ताकि गो आश्रय केंद्र आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। आयोग के अध्यक्ष ने बताया कि आगे चलकर हर जिले में चयनित महिला समूहों को प्रशिक्षण देकर गोवंश की देखभाल, पोषण और उससे जुड़े उत्पादों के प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इससे गांवों में आय के नए स्रोत विकसित होंगे और महिलाओं को भी आर्थिक रूप से सशक्त होने का अवसर मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

जमीन बेचने पर बेटों ने पिता को पीटा, दी तहरीर

हसनपुर, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव में बेटों द्वारा अपने बुजुर्ग पिता के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पिता ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्र गांव अगरौला कला निवासी पीड़ित खेमचंद्र पुत्र बदलू सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि पत्नी की लंबी बीमारी और इलाज के चलते उन पर करीब 3 लाख रुपये का कर्ज हो गया है। जब उन्होंने अपने बेटों से कर्ज चुकाने में मदद मांगी, तो बड़े बेटों ने इनकार कर दिया। मजबूरन पीड़ित ने अपने हिस्से की एक बीघा जमीन बेचकर कर्ज उतारने का निर्णय लिया। आरोप है कि इस बात से नाराज होकर दोनों बेटों ने पिता को गाली-गलौज दी और एक बेटा ने उन्हें बुरी तरह पीटा।

250 किलो गौ मांस के साथ पांच आरोपी धरे

जसपुर, अमृत विचार : क्षेत्र में अवैध गौवंश कटान और मांस बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में गौवंश स्क्वायड टीम को शुक्रवार सुबह बड़ी सफलता हाथ लगी है। टीम ने ग्राम राजपुर में योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी कर पांच आरोपियों को रंगे हाथों दबोचा, जिनके कब्जे से करीब 250 किलो (ढाई कुंतल) गौवंश का मांस बरामद हुआ है। स्क्वायड प्रभारी पंकज बेलवाल को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि क्षेत्र में आवारा गौवंशों का कटान कर उनका मांस औने-पौने दामों पर बेचा जा रहा है। शुक्रवार सुबह ठीक 7:00 बजे, मुखबिर की सटीक सूचना पर टीम ने राजपुर स्थित एक संदिग्ध दुकान की घेराबंदी की।

बस की टक्कर से घायल युवक की मौत

मुरादाबाद अमृत विचार : गुलाब बड़ी चुंगी पर मुरादाबाद से रामपुर की ओर जा रही सोहराब गेट डिपो की बस ने बाइक सवार युवक शिवम को टक्कर मार दी। शिवम गंभीर रूप से घायल हो गया। वह बाइक सहित रोडवेज बस के नीचे फंस गया था। मौके पर पर जमा लोगों ने रोडवेज की बस को रोक कर बस चालक की पिटाई कर दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस घायल बाइक सवार को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी उपचार के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। बस चालक के खिलाफ मृतक के चाचा अशोक की तहरीर पर बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बस को कब्जे में लेकर चालक को पकड़ लिया गया है।

ट्रक में घुसी कार, दो दोस्तों की मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- हरिद्वार गंगा स्नान को जा रहे थे मीरानपुर कटरा में हुआ हादसा

अमृत विचार: मीरानपुर कटरा में राष्ट्रीय राजमार्ग पर कार खड़े ट्रक से टकरा गई, जिससे कार में सवार चार लोग घायल हो गए। कटरा पुलिस मौके पर पहुंची और चारों को कार का दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला। पुलिस ने चारों को कटरा सीएचसी पर भेजा। डॉक्टर ने चारों घायलों को बरेली रेफर कर दिया। जहां दो युवकों की अस्पताल में मौत हो गई। दोनों मृतक लखनऊ के रहने वाले थे।

लखनऊ के थाना हसनगंज के मोहल्ला डालीगंज निवासी चार दोस्त 28 वर्षीय अमित वर्मा, 27 वर्षीय मान सिंह, 28 वर्षीय राहुल और 27 वर्षीय विशाल ने हरिद्वार जाने का का प्लान बनाया। गुरुवार की रात तीन बजे चारों दोस्त कार से लखनऊ से हरिद्वार जा रहे थे। कटरा क्षेत्र में लखनऊ-दिल्ली मार्ग पर चौधरी ढाबे के सामने अज्ञात बस से टकराकर कार अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक में पीछे से जाकर घुस गई, जिससे कार में सवार चारों दोस्त घायल हो गए। सूचना पर कटरा थाना प्रभारी फोर्स के साथ मौके पर रात ही में पहुंच गए। पुलिस ने चारों घायलों को बरेली के एक अस्पताल में भेज दिया। गंभीर रूप से घायल अमित वर्मा और मानसिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि घायल राहुल और विशाल का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

अयोध्या में महाराष्ट्र के आचार्यों द्वारा 90 दिनों तक चलेगा अनुष्ठान

राममंदिर पूर्ण होने पर वेद मंत्रों का महा अनुष्ठान

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का कार्य संपन्न होने के बाद महाराष्ट्र के वैदिक आचार्यो के द्वारा परिसर स्थित यज्ञशाला में वेद मंत्रों की ऋचाओं के परायण के साथ अनुष्ठान किया जा रहा है। 90 दिनों तक चलने वाले इस महायज्ञ में शामिल होने के लिए 24 से अधिक आचार्यों का दल अयोध्या पहुंच गया है।

राम मंदिर निर्माण के विघ्न बाधा को रोकने के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के संरक्षण में श्री सतगुरु ग्रुप के माध्यम से महाराष्ट्र के वैदिक विद्वान के द्वारा चारों वेदों के मंत्रों का पाठ और हवन पूजन का आयोजन परिसर निकट गणपति भवन किया गया था। यह अनुष्ठान चार महीने तक चला। जिसमें महाराष्ट्र के प्रत्येक जिले से वैदिक आचार्य यहां पहुंचकर इस अनुष्ठान में शामिल हुए। जिसके बाद महाराष्ट्र के आचार्यों ने अन्य तीर्थ स्थानों पर भी इसी तरह के अनुष्ठान किया है। अब मंदिर निर्माण का कार्य सम्पन्न होने पर दूसरी बार इस प्रकार का आयोजन मंदिर परिसर स्थित यज्ञ शाला में किया जा रहा है। महाराष्ट्र से आए 24 से अधिक वैदिक विद्वानों ने विधि-विधान पूर्वक वैदिक मंत्रोचार के बीच अनुष्ठान प्रारंभ किया है। धार्मिक मान्यता है कि वेदों के उच्चारण पूजा पद्धति से ग्रह और नक्षत्र अनुकूल बनते हैं।

यज्ञशाला में स्थापित किया गया राम दरबार की अस्थाई प्रतिमा और कलश।

यज्ञशाला में अनुष्ठान करते हुए महाराष्ट्र से आए आचार्य।

आचार्यों ने बताया कि चारों वेदों का अनुष्ठान यहां किया जा रहा है। जिसमें चंडी पाठ, वरुण सूक्त और रुद्र सूक्त का पाठ किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वेदों के प्रकांड विद्वान अलग-अलग वेदों का परायण संपन्न करेंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय के मुताबिक चार वेद दुनिया की प्राचीनतम धरोहर हैं। ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद की 11 शाखाएं हैं। सभी वेद की शाखाओं के विद्वान भारत में मिलते हैं। महाराष्ट्र के वैदिक ब्राह्मणों की एक टोली वेद मंत्रों की ऋचाओं का परायण कर रामलला को वेद मंत्र सुना रहे है।

मुरादाबाद में चाकू से हमला कर भाई ने की बहन की हत्या

होली पर घर आए थे जुड़वा भाई-बहन, मां पर भी किए वार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : बुद्धि विहार में शुक्रवार को पारिवारिक विवाद में भाई ने बहन पर चाकू से हमला कर दिया। बीच-बचाव पर मां को भी नहीं छोड़ा। गंभीर रूप से घायल बहन की मौत हो गई, जबकि मां का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। आरोपी को पुलिस तलाश कर रही है।

मझोला क्षेत्र के बुद्धि विहार के सेक्टर-दो में आर्यंस इंटरनेशनल स्कूल के नजदीक रहने वाली नीलिमा शर्मा के बच्चे हार्दिक शर्मा और हिमशिखा जुड़वा हैं। दोनों ही बीटेक के बाद गुरुग्राम में अलग-अलग मल्टीनेशनल कंपनियों में साफ्टवेयर इंजीनियर थे। नीलिमा दिल्ली रोड स्थित एक इंश्योरेंस कंपनी में काम करती है। पिछले कुछ समय से हार्दिक स्थायी नौकरी पर नहीं था, जिसके कारण वह तनाव में था। होली पर बहन-भाई घर आए हुए थे। शुक्रवार दोपहर दोनों में किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। घर के बाहर तक चीखने की आवाज सुनाई देने लगी। हार्दिक ने चाकू से बहन पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए, जिससे हिमशिखा लहूलुहान होकर फर्श पर गिर गई। इसके बाद आरोपी मां के पास पहुंचा और घटना की जानकारी दी। नीलिमा शर्मा पर रोती बिलखती घर पहुंची तो बेटी लहुलुहान हालत में मिली। मां के चीखने पर आरोपी ने उनपर भी चाकू से वार किया। जिसमें वह घायल हो गईं। इसके बाद हार्दिक कार लेकर फरार हो गया। घायल नीलिमा ने शोर मचाया तो पड़ोसी भी एकत्रित हो गए और पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद हिमशिखा और नीलिमा शर्मा को अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने हिमशिखा को मृत घोषित कर दिया, जबकि नीलिमा की हालत गंभीर है। एसपी सिटी रणविजय सिंह ने घायल से बात की। अभी तक झगड़े का कारण सामने नहीं आया है।

घायल नीलिमा शर्मा से जानकारी लेते एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह।

- शुक्रवार दोपहर दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया
- गुरुग्राम में मल्टीनेशनल कंपनियों में साफ्टवेयर इंजीनियर थे दोनों

चलती रोडवेज बस में आग लगी, चालक ने कूदकर बचाई जान

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी: गर्मियां शुरू होते ही आग लगने की घटनाएं सामने आने लगी हैं। गौतमबुद्धनगर जिला परिक्षेत्र के ग्रेटर नोएडा में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब बीच सड़क पर चलती रोडवेज बस अचानक आग के गोले में तब्दील हो गयी। घटना के बाद सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। बस में आग लगने की सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी से आग बुझायी गयी।

बीटा दो थाना क्षेत्र के अंतर्गत होंडा चौक के पास रोडवेज बस में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और बस के इंजन के अगले हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के समय बस में चालक के अलावा कोई यात्री मौजूद नहीं था। आग लगते ही चालक ने तुरंत बस रोककर बाहर कूदकर अपनी जान बचाई। मौके पर मौजूद लोगों ने भी तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग लगने से बस का अगला हिस्सा आंशिक रूप से जलकर क्षतिग्रस्त हो गया। प्राथमिक जांच में बस में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका जताई है।

चाइनीज मांझे से एक व्यक्ति की कटी गर्दन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : जिला प्रशासन चाइनीज मांझा पर प्रतिबंध नहीं लगा पा रहा है। मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र बाइक सवार व्यक्ति की गर्दन में चाइनीज मांझा गर्दन में उलझ जाने से उसकी गर्दन कट गयी। उसने बाइक को रोका और गर्दन में चाइनीज मांझा को निकाला। इधर उसके परिवार वाले पहुंच गए और घायल को लेकर कटरा सीएचसी पर ले गए।

मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र के ग्राम बाजपुर कुमिरखा निवासी रामलड़ैते शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे तिलहर से बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। वह लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर सरयू के पास पहुंचे, तभी अचानक चाइनीज मांझे की चपेट में आ गए। तेज धार वाले मांझे से उनका गला कट गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद रामलड़ैते ने किसी तरह बाइक रोकी और मदद के लिए आवाज लगाई। राहगीरों और दुकानदारों ने जब उन्हें घायल अवस्था में देखा तो मौके पर भीड़ जुट गई। लोगों ने उसके गले से लिपटा हुआ मांझा निकाला। घायल व्यक्ति को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने घायल का प्राथमिक उपचार किया, लेकिन गले पर गहरी चोट होने के कारण चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए उन्हें राजकीय मेडिकल कालेज भेज दिया।

चाइनीज मांझे से घायल व्यक्ति।

इधर घायल के परिवार वाले भी अस्पताल में पहुंच गए। रेफर कर दिया। घायल रामलड़ैते ने बताया कि उन्हें रास्ते में मांझा दिखाई नहीं दिया था। उन्होंने बताया कि उन्हें यह भी जानकारी नहीं हो सकी कि मांझा किसी पेड़ में बंधा हुआ था या कोई पतंग उड़ा रहा था। अचानक गले में तेज झटका और दर्द महसूस हुआ, तब उन्हें पता चला कि वह चाइनीज मांझे की चपेट में आ गए हैं। उनका अस्पताल में उपचार जारी है। कटरा क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन से मांग की है चाइनीज मांझा पर बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

घर के पास खड़े युवक पर सांड ने किया हमला, मौत

बबराला, अमृत विचार : जुनावई थाना क्षेत्र के गांव गंगुर्रा में गुरुवार देर शाम छुट्टा गोवंश के हमले में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मिली जानकारी के अनुसार गांव गंगुर्रा निवासी किशनपाल (21 वर्ष) गुरुवार शाम करीब छह बजे अपने घर के पास खड़ा था। इसी दौरान अचानक एक छुट्टा गोवंश सांड वहां आ गया और उसने किशनपाल पर हमला कर दिया। सांड ने युवक को सींगों से उठाकर जोर से पटक दिया। हमले में किशनपाल गंभीर रूप से घायल हो गया।

किशनपाल।

घटना को देखकर आसपास मौजूद लोग मौके की ओर दौड़े और किसी तरह सांड को वहां से भगाया, लेकिन तब तक किशनपाल की हालत बेहद गंभीर हो चुकी थी। परिजन और ग्रामीण उसे संभालने की कोशिश करते रहे, लेकिन युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

अमरोहा में कार बनी आग का गोला लोगों ने कूदकर बचाई जान

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार : नेशनल हाईवे पर शुक्रवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक चलती कार में अचानक आग लग गई। कार में सवार एक ही परिवार के आठ लोगों ने कूदकर अपनी जान बचाई। हालांकि देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी कार जलकर राख हो गई। सूचना पर पुलिस व फायर ब्रिगेड टीम पहुंची, आग पर काबू पाया गया।

यह घटना शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे जोया ब्लॉक क्षेत्र के गांव चोधपुर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई। शाहजहांपुर निवासी सुधीर कुमार अपने परिवार के आठ सदस्यों के साथ कार से नोएडा जा रहे थे। बताया जा रहा है कि परिवार एक समारोह में शामिल होने के लिए घर से निकला था। सुधीर कुमार के अनुसार जैसे ही उनकी कार चोधपुर गांव के पास पहुंची, अचानक कार की तेल की टंकी की ओर से चिंगारी निकलती दिखाई दी। कुछ ही पलों में चिंगारी ने आग का रूप ले लिया और कार में धुआं भरने लगा। यह देख कार सवारों में चीख-पुकार मच गई। हाइवे पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए कार को रुकवाया और उसमें सवार सभी लोगों को बाहर निकालने में मदद की। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते कार धू-धू कर जलने लगी और उसमें रखा सारा सामान भी जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आग पूरी कार को अपनी चपेट में ले चुकी थी। हालांकि राहत की बात यह रही कि समय रहते सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। डिडौली प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार बालियान ने बताया कि हाईवे पर कार में अचानक आग लगने की सूचना मिली थी।

जलती हुई कार। ● अमृत विचार

नहर में डूबने से दो नाबालिग बहनों की मौत

बलरामपुर, एजेंसी: जिले के गेडास बुजुर्ग थानाक्षेत्र में शुक्रवार को नहर में डूबने से दो सगी नाबालिग बहनों की मौत हो गई। उतरौला के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) राघवेंद्र प्रताप सिंह ने शुक्रवार को बताया कि ईटई रामपुर गांव के शामवासी में शुक्रवार को अकबर अली की दो बेटियां महजबीन (सात) एवं नसरीन (10) सुजानजोत के पास बह रही नहर में नहाने के लिए गई थीं।

उन्होंने बताया कि नहाते समय दोनों बच्चियां पैर फिसलने से गहरे पानी में चली गईं। उन्होंने बताया कि बच्चियों की चिल्लाने की आवाज सुनकर लोग बचाने के लिए दौड़े लेकिन तब तक दोनों बच्चियां डूब चुकी थीं। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से दोनों बच्चियों के शव निकाले।

मां पूर्णागिरि मेला शुरू, बढ़ने लगी भीड़

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: होली पर्व के साथ ही मां पूर्णागिरी धाम जाने वाले तीर्थयात्रियों का सिलसिला शुरू हो गया। तीर्थयात्रियों की सुविधा को लेकर शुक्रवार से ही कासगंज-टनकपुर मेला स्पेशल समेत दो जोड़ी मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन भी शुरू कर दिया गया है। पहले दिन ट्रेन में यात्रियों की खासी भीड़-भाड़ उमड़ी। इधर टनकपुर जाने वाले बसों में पूर्व की अपेक्षा खासी भीड़ देखी गई।

उत्तराखंड के चंपावत स्थित मां पूर्णागिरी धाम नौ शक्ति पीठों में से एक है। यहां हर वर्ष देश के कोने-कोने से बड़ी संख्या में तीर्थयात्री पहुंचते हैं। खास बात यह है कि इसमें से अधिकांश तीर्थयात्री पीलीभीत होकर ही गुजरते हैं। तीर्थयात्रियों की सुविधाओं को लेकर रेलवे प्रशासन द्वारा हर साल ही मेला स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जाता है। इस बार भी रेलवे प्रशासन की ओर से 06 मार्च से कासगंज-टनकपुर एवं बरेली-टनकपुर मेला स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया था। इधर होली पर्व के बाद शुक्रवार से सुप्रसिद्ध मां पूर्णागिरि मेला शुरू हो गया। शुक्रवार को टनकपुर हाईवे पर पूर्णागिरि धाम जाने वाले तीर्थयात्रियों के जत्थे दिखाई देने लगे। कोई बसों को कोई कार और कोई साइकिल से पूर्णागिरी धाम की ओर माता के जयकारे लगाते हुए जाता दिखाई दिया।

टनकपुर जाने के लिए प्लेटफार्म पर ट्रेन का इंतजार करते यात्री। ● अमृत विचार

इधर, शुक्रवार से कासगंज-टनकपुर मेला स्पेशल ट्रेन का संचालन भी शुरू हो गया। मेला स्पेशल ट्रेन चलने की जानकारी पर सुबह ही यात्रियों की भीड़ रेलवे स्टेशन पर जुटना शुरू हो गई। मेला स्पेशल ट्रेन कासगंज से चलकर पीलीभीत जंक्शन पर सुबह अपने निर्धारित समय सुबह 10 बजे पहुंची। रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचते ही यात्रियों की भीड़ ट्रेन में चढ़ना शुरू हो गई। ट्रेन में सवार होने वाले यात्रियों में अधिकांश यात्री पूर्णागिरि धाम जाने के लिए ट्रेन में सवार हुए। करीब पांच मिनट ठहरने के बाद मेला स्पेशल ट्रेन टनकपुर के लिए रवाना हो गई।

वापसी में यह ट्रेन टनकपुर से अपरान्ह 1.10 बजे रवाना होकर 2.43 बजे पीलीभीत जंक्शन पर पहुंची। मेला स्पेशल ट्रेन में सुबह की अपेक्षा शाम को खासी भीड़ भाड़ देखी गई। सुरक्षा के लिहाज से आरपीएफ एवं जीआरपी भी मौजूद रही।

अंतरिक्ष विज्ञान | वैज्ञानिकों को ग्रहण के दौरान चंद्रमा के विभिन्न गर्म स्थानों की मिली जानकारी

वैज्ञानिक नजरिए से खास रहा यह पूर्ण चंद्रग्रहण

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : विगत मंगलवार को हुआ पूर्ण चंद्रग्रहण वैज्ञानिक नजरिए से खास रहा। वैज्ञानिकों को ग्रहण के दौरान चंद्रमा के विभिन्न गर्म स्थानों की जानकारी मिली है। वैज्ञानिकों का कहना है कि मून मिशन के तहत चंद्रमा पर यात्रियों की लैंडिंग के लिए यह अध्ययन मददगार साबित होगा।

दरअसल चंद्रमा की धरती पर एस्ट्रोनॉट दल के पहुंचने की तैयारियां करीब अंतिम स्टेज पर हैं। संभवतः 2028 में नासा का पहला दल चंद्रमा की धरती पर कदम रखेगा। इधर चंद्रग्रहण के दौरान ली गई तस्वीरों ने चाँद के विभिन्न गर्म स्थानों को चिन्हित किया गया। पूर्ण चंद्रग्रहण ग्रहण के दौरान चंद्रमा ठंडा होता है और यही वह मौका होता है, जब चंद्रमा की गर्म स्थानों की जानकारी जुटाई जा सकती है। जिसे लेकर कनाडा के एमेच्योर एस्ट्रोनॉमर वाह ने थर्मल कैमरा (तापमान मापने वाला इन्फ्रारेड कैमरा) का इस्तेमाल किया और चंद्रमा की सतह को कैमरे में कैद किया। उन्हें ऐसी 37 हॉट स्पॉट्स यानी गर्म जगहे देखने को मिली, जो तारों के समान चमक रही थीं। चमक रहे यह स्थान चंद्रमा पर गर्म जगह हैं। इसका मतलब हुआ कि चंद्रमा पर ऐसी कई जगह हैं, जहां का तापमान अंधेरे के बाद भी अधिक बना रहता है। सामान्य पूर्णिमा पर चंद्रमा दो हफ्तों तक सूरज की रोशनी से बहुत गर्म हो जाता है। ग्रहण के दौरान पृथ्वी की छाया पड़ने से सूरज की रोशनी अचानक कम हो जाती है और चंद्रमा की सतह ठंडी होने लगती है, लेकिन तापमान सब जगह एक समान नहीं रहता है।

एमेच्योर एस्ट्रोनॉमर वाह ने थर्मल कैमरा से लिया पूर्ण चंद्रग्रहण का चित्र, साथ में सामान्य ग्रहण की फोटो।

इस दौरान बारीक चंद्र मिट्टी बहुत जल्दी ठंडी हो जाती है, जबकि बड़े बड़े पत्थरों वाले क्रेटर्स अधिक समय तक गर्म रह सकते हैं। जिस कारण वे गर्म रहते हैं और थर्मल इमेज में चमकते हैं। उन्होंने 12 माइक्रोन तरंगदैर्ध्य पर फोटो लिए। इस अध्ययन से जानकारी भी सामने आई कि चंद्रमा अपनी खुद की गर्मी से भी चमक सकता है। यह ऑब्जर्वेशन चंद्रमा पर लैंडिंग का स्थान सुझाने में मददगार साबित होगा। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह तस्वीरें न केवल दुर्लभ हैं, बल्कि वैज्ञानिक नजरिए से महत्वपूर्ण हैं।

दूध पीते समय फंदा लगने से दो माह की बच्ची की मौत

शाहबाद, अमृत विचार: मोहल्ला वेदान में बुधवार को दो माह की बच्ची की दूध पीते समय फंदा लगने से मौत हो गई। बच्ची स्कूल प्रबंधक शावेज हुसैन उर्फ छोटे अहमद की नवासी थी। शावेज हुसैन की भतीजी का विवाह मिलक में हुआ था और वह बेटी के साथ मायके में पिता के पास रह रही थी। वह उनके भतीजी की बेटी थी। बच्ची की आहार नली में गांठ थी, जिसका इलाज मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल में चल रहा था। बुधवार को दूध पीते समय अचानक उसे फंदा लग गया, जिससे उसकी सांस रुक गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। पिता शव मिलक ले गए, जहां सुपुर्द ए खाक किया गया।

मृतका बच्ची।

रुद्रपुर में होली खेलने के दौरान दो समुदायों में पथराव, फोर्स तैनात

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : रुद्रपुर में पिछले कुछ दिनों से सांप्रदायिक तनाव फैलाने जैसी घटनाओं में बेतहाशा इजाफा हो रहा है। ऐसा ही एक मामला गुरुवार की देर रात्रि भूतबंगला वार्ड में देखने को मिला। जहां होली खेलने के दौरान दो समुदायों में विवाद हो गया और देखते ही देखते दोनों तरफ से पथराव शुरू हो गया और तलवारबाजी में एक ही परिवार के तीन युवक घायल हो गए। सूचना मिलते ही वार्ड को छावनी में तब्दील कर दिया है और पुलिस अराजक तत्वों को चिन्हित करने में जुट गई है।

बताते चलें कि गुरुवार की देर रात्रि साढ़े 11 बजे के करीब एक समुदाय डीजे लगाकर होली का जश्न मना रहा था। इस बीच एक विशेष समुदाय का व्यक्ति टुकटुक लेकर वहां से गुजरा। जिसको लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गयी और टुकटुक चालक से हाथापाई की घटना घटित हुई। इसके बाद दूसरे समुदाय को इसकी भनक लगी तो दोनों तरफ से तनातनी की स्थिति पैदा हो गई। देखते ही देखते जमकर पत्थरबाजी शुरू होने लगी। यही नहीं दोनों पक्षों में हुई तलवारबाजी की घटना में जहां एक ही परिवार के नदीम, मोहसिन व जुबैर सगे भाई घायल हो गए। वहीं दूसरे समुदाय के भी कुछ लोग चोटिल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया।

पथराव में घायल युवक को ले जाते लोग। ● अमृत विचार

एक दिवसीय प्रशिक्षण आज से

शेरगढ़, अमृत विचार : ब्लाक के परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों और विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्षों का एक दिवसीय प्रशिक्षण ब्लॉक सभागार में शनिवार 7 मार्च को 10 बजे से आयोजित होगा। खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार भारती ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान प्रधानाध्यापकों और विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्षों को बच्चों और विद्यालयों के सर्वांगीण विकास का पाठ पढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत प्रधानाध्यापक और एसएमसी अध्यक्ष आवश्यक रूप ब्लॉक सभागार में उपस्थित हो प्रशिक्षण प्राप्त करने को कहा है।

विधायक मंजूर अहमद के कत्ल का राज 24 साल बाद भी नहीं खुला

संवाददाता, बहेड़ी

- **लखनऊ में गवर्नर हाउस के सामने 6 मार्च 2002 को हुआ था कत्ल**
- **विधायक पुत्र ने बीएसपी से चुनाव लड़ने वाले अताउर रहमान समेत छह लोगों पर दर्ज कराई थी रिपोर्ट**

अमृत विचार : 24 साल गुजर गए, लेकिन विधायक मंजूर अहमद के कत्ल का राज नहीं खुला। वक्त गुज़रा, और उनके क़त्ल की सारी लिखा-पढ़ी फाइलों में दफन होकर रह गई। भले ही अब भी बहेड़ी, इस राज़ के खुलने की टूटी-फूटी उम्मीद लगाए हुए हो, लेकिन अब यह केस गुज़रे ज़माने की बात होकर रह गया लगता है।

सन 2002 के मार्च महीने की वह 6 तारीख ही थी, जिस रोज़ लखनऊ के गवर्नर हॉउस के बाहर विधायक मंजूर अहमद को गोली मारी गई थी। समाजवादी पार्टी ने उस रोज़ गवर्नर हॉउस पर अपने विधायकों का प्रदर्शन रखा था। समाजवादी पार्टी को सरकार बनाने का न्योता दिए जाने की मांग को लेकर सपा ने यह प्रदर्शन रखा था, और 2002 में बहेड़ी से तीसरी बार विधायक चुने गए, मंजूर अहमद उस प्रदर्शन में शामिल थे।

विधायक मंजूर अहमद फाइल फोटो

विधायकों के प्रदर्शन के दौरान ही उनके गोली लगी थी, और सिविल हॉस्पिटल में उनको मृत घोषित कर दिया गया था।

गर्वनर हाउस के सामने हुए इस कांड की खूब गूंज हुई थी। हालांकि गोली लगने के बाद मौके पर अभिषेक नाम का एक युवक पकड़ा गया था, और उसने शोहरत हासिल करने के लिए गोली मारने की बात कही, लेकिन यह एक सीधी-सपाट बात लोगों के गले नहीं उतरी थी। दूसरी तरफ सवाल यह भी था कि अगर विधायक मंजूर अहमद ही टारगेट थे, तो उनको मारने के लिए हाई सिक्योरिटी वाला इलाका गवर्नर हॉउस क्यों चुना गया। वह दारुलशफा से वहां तक रिक्शा पर बैठ कर गए थे। उस वक्त ही यह हादसा कोई हाई प्रोफाइल केस के रूप में माना जा रहा था, जिसका खुलासा हर कोई चाहता था, लेकिन आज तक इसका राज़ बाहर नहीं आ सका।

इस मामले में केस ने उस वक्त अलग मोड ले लिया था, जब विधायक मंजूर अहमद के बेटे ने 2002 के विधान सभा चुनाव में बीएसपी से इलेक्शन लड़ने वाले अताउर रहमान समेत छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी थी। बाद में इन लोगों की भूमिका की जांच के लिए सीबीआई जांच हुई, लेकिन सीबीआई ने इनको क्लीन चिट दे दी थी।

वकील साहब के नाम से मशहूर मंजूर अहमद 1989 में पहली बार विधायक बने थे। उस वक्त उन्होंने आज़ाद उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था, और कांग्रेस के विधायक बाबू अम्बा प्रसाद वर्मा को शिकस्त दी थी। इसके बाद 1993 में वह दोबारा विधायक बने, और इसके बाद तीसरी बार 2002 में उन्होंने जीत हासिल की थी। समाजवादी पार्टी की स्थापना के वक्त वह उससे जुड़े थे, और आखिर तक सपा से जुड़े रहे।

अंजुम और अताउर के रिश्तों में जमी बर्फ 20 साल बाद पिघली, दोनों सियासी घराने एक हुए

विधायक मंज़ूर अहमद की हत्या के बाद उनके बेटे अंजुम रशीद ने अताउर रहमान समेत 6 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी, तब से इनके बीच के रिश्तों में बर्फ जम गई थी। मंज़ूर अहमद की मौत के बाद हुए उपचुनाव में अताउर रहमान बीएसपी के टिकट पर चुनाव जीत गए थे। बीएसपी और बीजेपी ने मिलकर वह चुनाव लड़ा था और सपा के टिकट पर मंज़ूर अहमद की पत्नी मुमताज़ जहाँ चुनाव लड़ी थीं। इसके बाद 2012 में अताउर रहमान विधायक चुने गए। इन दोनों परिवारों में जमी बर्फ 20 साल बाद 2022 में पिघली, जब विधानसभा चुनाव में सपा प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ने उतरे अताउर रहमान को अंजुम रशीद ने समर्थन दिया। दोनों के बीच हुए राज़ीनामे के बाद अंजुम के समर्थन से अताउर रहमान को बहेड़ी शहर में खास तौर पर पब्लिक का अच्छा समर्थन मिला, और अताउर चुनाव जीत गए। इसके बाद हुए नगर पालिका चुनाव में अताउर रहमान ने चेयरमैन का चुनाव लड़ रहे अंजुम रशीद को खुलकर चुनाव लड़ाया था। तभी से दोनों सियासी घरानों के बीच के रिश्तों में जमी बर्फ पिघल गई थी।

पत्नी के अवैध संबंध के शक में युवक ने दी जान

घरेलू कलह में एक युवक ने खुद पर डीजल डालकर लगा ली आग, दूसरे ने लगाया फंदा, भर्ती

संवाददाता बरेली

- **पत्नी से परेशान तीन घटनाओं में युवकों ने उठाया आत्मघाती कदम**
- **दो लोगों की बच गई जान परिजन ने भर्ती कराया**

अमृत विचार : क्षेत्र में घरेलू विवाद और पारिवारिक तनाव के चलते लगातार गंभीर घटनाएं सामने आ रही हैं। अलग-अलग स्थानों पर हुए तीन मामलों में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जबकि दो अन्य ने पत्नी से विवाद के बाद आत्मघाती कदम उठा लिया। समय रहते परिजनों के हस्तक्षेप से दोनों की जान बच गई, लेकिन घटनाओं ने परिवारों को झकझोर कर रख दिया। पुलिस ने मामलों की जांच शुरू कर दी है।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने फांसी लगाने की कोशिश, बची जान

मऊचंदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम महमूदपुर निवासी जीशान ने पत्नी से हुए विवाद के बाद शुक्रवार सुबह घर में फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। परिजनों ने समय रहते उसे देख लिया और तुरंत दरवाजा तोड़कर फंदे से उतार लिया, जिससे उसकी जान बच गई।

इसके बाद परिजन उसे तुरंत ब्लॉक रामनगर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल बरेली रेफर कर दिया। पीएचसी प्रभारी डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि युवक को सुबह अस्पताल लाया गया था। परिजनों के अनुसार उपचार के बाद अब उसकी हालत सामान्य बताई जा रही है।

जेवर और एक बच्चे को लेकर पत्नी ने घर छोड़ा, युवक ने लगाई फांसी

मृतक रामसेवक

बिशारतगंज, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव खजुआई में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव कमरे की बल्ली से साड़ी के फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद गांव में शोक और चर्चा का माहौल है। मृतक की भाभी की ओर से थाने में दी गई तहरीर में बताया गया कि उसके देवर रामसेवक की पत्नी सीतारानी के चाल-चलन को लेकर परिवार में काफी समय से विवाद चल रहा था। आरोप है कि गांव के ही धर्मवीर पुत्र चंद्रपाल से उसके अवैध संबंध थे। परिजनों ने कई बार दोनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन कोई असर नहीं हुआ। तहरीर में यह भी कहा गया है कि सीतारानी अपने पति के साथ शराब का सेवन भी करती थी, जिससे घर में अक्सर तनाव बना रहता था। बताया गया कि 5 मार्च को सीतारानी अपने एक बच्चे को लेकर घर से चली गई, जबकि एक बच्चे को घर पर छोड़ गई। आरोप है कि वह घर में रखे कुछ रुपये और जेवरात भी साथ ले गई। इस घटना से आहत होकर रामसेवक ने आत्मघाती कदम उठा लिया। 6 मार्च की सुबह करीब छह बजे जब परिजन उसके घर पहुंचे तो रामसेवक कमरे की बल्ली से साड़ी के फंदे पर लटका मिला। यह देखकर परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का आरोप है कि पत्नी और उसके कथित प्रेमी के कारण मानसिक रूप से परेशान होकर रामसेवक ने यह कदम उठाया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आंवला में पत्नी से कहासुनी के बाद युवक ने शरीर पर डीजल डालकर खुद को लगाई आग

आंवला, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला भुर्जी टोला में पत्नी से कहासुनी के बाद एक युवक ने गुस्से में आकर खुद पर डीजल छिड़ककर आग लगा ली, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। मोहल्ला निवासी हलवाई रामप्रकाश ने बताया कि उनके पुत्र विकास चंद्रा उर्फ बिक्की (38) का पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसी दौरान उसने आवेश में आकर अपने ऊपर डीजल छिड़क लिया और आग लगा ली। घटना के बाद परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आंवला लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बताया गया कि उस समय सीएचसी पर एंबुलेंस उपलब्ध नहीं थी, जिससे मरीज को अस्पताल भेजने में करीब आधा घंटा लग गया। बाद में एंबुलेंस पहुंचने पर उसे जिला अस्पताल भेजा गया।

खेत में काम कर रही महिला को सांप ने डसा, मौत

नवाबगंज, अमृत विचार: खेत में गन्ना छीलने गई महिला को सांप के काटने से उसकी मौत हो गई। उपचार के दौरान शुक्रवार को उसने दम तोड़ दिया।

मृतक सुनीता

क्षेत्र के गांव फाजिलपुर निवासी विजय की पत्नी सुनीता (25) गुरुवार को गांव के एक किसान के खेत में गन्ना छीलने गई थी। इसी दौरान उसे सांप ने काट लिया। परिजन पहले उसे बिलासपुर के एक बाबा के पास ले गए, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। लोगों ने झांडफूंक कराने का सलाह दी। इस पर भी परिवार वालों ने अमल किया।

लेकिन कोई लाभ नहीं हो पाया। इसके बाद परिजन और ग्रामीणों ने शुक्रवार को हालत बिगड़ने पर उसे कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरकर शव परिजनों को सौंप दिया। मृतका के ढाई वर्ष और डेढ़ वर्ष के दो छोटे बच्चे हैं।

तेजाब पीने से युवती की मौत, हत्या का आरोप

घटना की जानकारी देते मृतका के परिजन । ● अमृत विचार

संवाददाता, भोजीपुरा

अमृत विचार : अपने से दोगुनी उम्र के युवक से प्रेम विवाह करने वाली युवती की तेजाब पीने से मौत हो गई। मायके वालों ने दस लाख रुपये न देने पर तेजाब पिलाकर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका के पिता लक्ष्मण प्रसाद ने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या की तहरीर दी है।

भोजीपुरा के गांव सुरला निवासी लक्ष्मण प्रसाद सागर की पुत्री गायत्री को सात माह पूर्व गांव का ही दोगुनी उम्र का युवक राकेश गंगवार फुसलाकर ले गया था। पुलिस ने उत्तराखंड से दोनों को पकड़ लिया था। गायत्री ने पुलिस और परिजनों के समक्ष प्रेमी के साथ रहने की बात कही थी। पुलिस ने लिखा-पढ़ी के बाद लड़की को राकेश के साथ भेज दिया और गायत्री प्रेम विवाह कर राकेश के साथ रहने लगी थी। राकेश पहले से विवाहित था। पत्नी वीरबाला ने भी शादी का विरोध किया था। आरोप है कि दहेज के दस लाख रुपये देने की मांग पूरी न होने पर शुक्रवार सुबह राकेश और परिजनों ने एकराय होकर गायत्री को तेजाब पिला दिया।

हालत बिगड़ने पर मेडिकल कॉलेज में भर्ती करा दिया। इलाज के दौरान गायत्री की दो बजे मौत हो गई। ससुराल वाले शव को मेडिकल कॉलेज में ही छोड़कर फरार हो गए। शाम को सूचना पर मृतका के मायके वाले मेडिकल कॉलेज पहुंचे और भोजीपुरा पुलिस को सूचना दी। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

रहस्मयी परछाईं बनी चर्चा का विषय

मीरगंज, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के मनकरा गांव में बीती रात एक बंद दुकान के सीसीटीवी कैमरे में रहस्यमयी परछाई कैद हुई। इस घटना को लेकर ग्रामीणों में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। गांव मनकरा निवासी एवेरन गंगवार की गांव में ही ऑनलाइन कैफे की दुकान में यह परछाई कैद होने का दावा किया जा रहा है। एवेरन गंगवार अपनी ऑनलाइन कैफे की दुकान रात में बंद कर घर चले गए थे। देर रात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में एक परछाई जैसी आकृति दिखाई दी। फुटेज के अनुसार, यह परछाई दुकान के शीशे के पास आती हुई दिखी और ऐसा प्रतीत हुआ जैसे वह शीशे से सिर टकरा रही हो।

कैंटीन के चाकू से रेता अपना गला

संवाददाता, दुनका

- **साथियों के साथ दिल्ली से लौट रहा था दुनका का युवक**
- **हापुड़ पुलिस कर रही आत्महत्या के कारणों की जांच**

अमृत विचार : दिल्ली से हेयर सैलून का काम करके साथियों के साथ घर लौट रहे दुनका निवासी सलमान ने हापुड़ में एक रेस्टोरेंट में कैंटीन से चाकू उठाकर स्वयं गला रेत कर आत्महत्या कर ली। हापुड़ पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया सूचना पर परिवार में कोहराम मचा है।

मृतक सलमान।

शाही थाना क्षेत्र के दुनका निवासी स्वर्गीय अहमद जान के पुत्र सलमान दिल्ली में हेयर सैलून का काम करते था। शुक्रवार सुबह दिल्ली से वापस अपने घर दुनका आने के लिए सभी साथियों के साथ निकले थे साथी हापुड़ के अठसैनी स्थित रेस्टोरेंट में खाना खाने के लिए रुके थे। देखते ही देखते सलमान खाना बनाने वाली कैंटीन के पास जा पहुंचा जहां पर रख धारदार चाकू को उसने अचानक अपने हाथ में लेकर स्वयं अपनी गर्दन पर वार करके अपना गला रेत लिया और भाग कर एक गाड़ी के पास जा गिरा जहां पर उसकी मौत हो गई। अचानक हुई इस घटना को देखकर मौके पर अफरातफरी मच गई। कोई समझ भी नहीं पाया कि ऐसा क्या हो गया कि वारदात जानलेवा बन गई। लोगो का कहना था कि सभी साथी बिना किसी तनाव के रेस्टोरेट में आये थे। किसी को देखकर भी नही लग रहा था कि कोई तनाव में है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया दुनका निवासी सलमान सलमानी दिल्ली के सफदरगंज क्षेत्र में सैलून का काम करता था। वह अपने कुछ साथियों के साथ दिल्ली से अपने घर दुनका लौट रहा था। घटना से वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों में भी पूरी घटना कैद हो गई। फिलहाल पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों में चले ईंट-पत्थर

संवाददाता, मीरगंज

- **पुलिस ने दोनो पक्षों की शिकायत पर एक-दूसरे के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया**

अमृत विचार: गुरुवार को थाना क्षेत्र के लभेड़ा दुर्गाप्रसाद गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई।

मंदिर के पास दिनदहाड़े हुई इस घटना में ईंट पत्थर, लाठी-डंडों और लोहे की रॉड का इस्तेमाल किया गया। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर एक-दूसरे के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहले पक्ष से अनिल कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 5 मार्च की दोपहर वह अपने भतीजे विपिन के साथ मंदिर के पास बैठे थे। तभी गांव के रामकरन, सोमपाल, कृष्णपाल और घनश्याम वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से उन पर जानलेवा हमला कर दिया। ग्रामीणों को आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

दूसरे पक्ष से कृष्णपाल ने भी पुलिस को तहरीर दी है। कृष्णपाल के अनुसार, विपक्षी अनिल, कृष्णपाल, पवन और दिनेश ने बिना किसी कारण गाली-गलौज की। जब उनके पुत्र अनुज ने इसका विरोध किया, तो चारों ने मिलकर लाठी-डंडों से उसकी पिटाई शुरू कर दी। बीच-बचाव करने आए कृष्णपाल को भी चोटें आईं। थाना प्रभारी संजय तोमर ने बताया कि दोनों ओर से मिली शिकायतों के आधार पर आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घायलों का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया है और दोषियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

अश्लील गाना बजाने से मना करने पर युवक को पीटा

क्योलडिया : थाना क्षेत्र के गांव कुंवरपुर तुलसी पटटी के पूर्व बीडीसी सूर्यकुमार ने गांव में बज रहे डीजे में अश्लील गाने बजाने से मना किया जिस पर दबंग अमित कुमार, विकास बाबू, सुमित कुमार, आकाश एवं दो अज्ञात लोग आग बबूला हो गए और उसे पकड़कर लाठी डंडों से जमकर पिटाई लगाई। किसी तरह युवक दबंगों के चुंगल के छूटकर अपने घर पहुंचा तो यह दबंग उसके घर में घुस गए और घर पर भी मारपीट करने लगे चीखने चिल्लाने पर गांव वाले इकट्ठे हो गए इस पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए पीड़ित ने पुलिस को नामजद तहरीर दी। पुलिस ने सभी नामजद आरोपीयो के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर कार्यवाही शुरू कर दी।

तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार

भुता : थाना क्षेत्र के गांव खरगापुर निवासी सुधीर को पुलिस ने एक तमंचा व 315 बोर का कारतूस सहित गिरफ्तार किया है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

अनदेखी का शिकार हो गई गुरुकुल वाटिका

- **वाटिका का उद्घाटन करने के बाद भूल गए जिम्मेदार**
- **ओपन स्टडी प्वाइंटों पर जमी धूल बदहाली बयां कर रही**

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक परिसर में उतारने का दावा करने वाली रुहेलखंड विश्वविद्यालय की गुरुकुल वाटिका खुद के अस्तित्व के लिए जूझ रही है। विश्वविद्यालय परिसर में केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के ठीक सामने स्थित गुरुकुल वाटिका, जो कभी छात्रों के लिए नेचर क्लासरूम की तरह बनने वाली थी। अब वह प्रशासनिक उपेक्षा और धूल का पर्याय बन चुकी है। उद्घाटन के बाद से ही यहां कोई भी कक्षा या शैक्षणिक गतिविधि आयोजित नहीं की गई है।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय स्थित गुरुकुल वाटिका और वाटिका में बने ओपन स्टडी प्वाइंट। ● अमृत विचार

रुहेलखंड विश्वविद्यालय में गुरुकुल वाटिका का लोकार्पण छह वर्ष पहले राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया था। परमार्थ निकेतन के स्वामी चिदानंद सरस्वती और तत्कालीन कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला ने वाटिका को विश्वविद्यालय की बड़ी उपलब्धि बताया था। उद्घाटन के कुछ समय बाद तक यहां एक दो कार्यक्रम हुए, लेकिन उसके बाद यह वाटिका अनदेखी का शिकार हो गई।

वाटिका में घने पेड़ों के बीच छात्र-छात्राओं के बैठने के लिए तीन अर्ध-गोलाकार प्लेटफॉर्म को ओपन स्टडी प्वाइंट के रूप में विकसित किया गया था, ताकि छात्र-छात्राएं खुली हवा और प्राकृतिक वातावरण में बैठकर अपनी पढ़ाई कर सकें। आज रखरखाव नहीं होने के बाद ओपन स्टडी प्वाइंट भी बदहाल होते जा रहे हैं। सीटें गंदी होने के कारण छात्र-छात्राएं वहां बैठने से परहेज कर रहे हैं।

इस संबंध में विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. विनय वर्मा का कहना है कि आज छात्र-छात्राएं डिजिटल लाइब्रेरी को अधिक पसंद कर रहे हैं। इसके कारण गुरुकुल वाटिका में ओपन स्टडी प्वाइंट का कोई प्रयोग नहीं करता है।

मजदूर की आत्महत्या में ठेकेदार पर केस

हाफिजगंज, अमृत विचार : गांव मटकुला निवासी मजदूर दीपांकर मिश्रा की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने पांच दिन बाद पत्नी की तहरीर पर ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पत्नी के अनुसार दीपांकर 12 दिसंबर को ठेकेदार हरपाल निवासी डडिया के माध्यम से आंध्र प्रदेश मजदूरी करने गए थे। आरोप है कि ठेकेदार फैक्ट्री मालिक से मजदूरों के पैसे लेकर फरार हो गया, जिससे मजदूरों को मजदूरी नहीं मिल सकी। आर्थिक तंगी और होली पर घर खर्च के लिए पैसे न होने से परेशान होकर दीपांकर ने 2 मार्च को आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मृतक की पत्नी की तहरीर पर ठेकेदार हरपाल के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी एल.एल.बी. की उपाधि वर्ष 2021 जोकि लॉर्ड महावीरा कॉलेज ऑफ लॉ, मुरादाबाद द्वारा जारी की गई थी वास्तव में कहीं खो गई है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिली है। उदित गुप्ता पुत्र ओम प्रकाश गुप्ता निवासी 30, तिलक नगर कालोनी, जिला रामपुर-244901

सूचना

मैंने अपने पुत्र ताहिर खाँ के गलत आचरण, दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वह अपने कृत्यों के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा, मेरा कोई वास्ता नहीं होगा। **साबिर खाँ पुत्र याकूब खाँ निवासी ग्राम- खजुरिया सैदपुर थाना बिथरी चैनपुर, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

लोन पाने के लिए किए पीटीआर के डीडी के फर्जी हस्ताक्षर

पीलीभीत, अमृत विचार: माधोटांडा क्षेत्र के एक व्यक्ति ने लोन के लिए किए गए आवेदन के साथ पीलीभीत टाइगर रिजर्व के प्रभागीय वनाधिकारी का फर्जी हस्ताक्षर किया पत्र भी प्रेषित कर दिया। बैंक द्वारा सत्यापन के लिए पत्र भेजा गया तो जानकारी हुई। प्रभागीय वनाधिकारी ने एसपी से मामले की शिकायत की है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के प्रभागीय वनाधिकारी मनीष सिंह ने एसपी को शिकायत पत्र दिया है। जिसमें बताया कि माधोटांडा क्षेत्र के एक व्यक्ति द्वारा अपनी निजी भूमि में राइस मिल का निर्माण कराया जा रहा है। आरोप है कि उसने प्रभागीय वनाधिकारी पीटीआर (उनके) के फर्जी हस्ताक्षर का पत्र तैयार कर लोन लेने के लिए पूरनपुर की बैंक में आवेदन के साथ दिया। बैंक द्वारा सत्यापन के लिए भेजे गए पत्रावली के अवलोकन से उक्त पत्र की जानकारी हुई। कार्यालय के डिस्पैच रजिस्टर से मिलान के बाद 18 दिसंबर 2025 मिलान नहीं कर रहा है। ये पत्र पीटीआर कार्यालय से जारी ही नहीं हुआ है। आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

बरेली कॉलेज : देखरेख के अभाव में इतिहास बनता जा रहा संग्रहालय

इतिहास संग्रहालय में दुर्लभ वस्तुएं और दस्तावेज धूल फांक रहे, जिम्मेदार खामोश

बरेली कॉलेज में संग्रहालय के गेट पर लटका ताला। ● अमृत विचार

संग्रहालय के पास पड़ा कूड़ा। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बरेली कॉलेज में इतिहास संग्रहालय बदहाली की दास्तां बयां कर रहा है। देखरेख के अभाव में कूड़ा घर बनकर रह गया है। संग्रहालय में दुर्लभ वस्तुएं और दस्तावेज धूल फांक रहे हैं।

इतिहास विभाग के पीछे बना इतिहास संग्रहालय का उद्घाटन वर्ष 2018 में उर्दू विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध शायर प्रो. वसीम बरेलवी और कॉलेज प्रबंध समिति के सचिव देवमूर्ति ने किया था। इससे कॉलेज की ऐतिहासिक धरोहरों को संजोने की नई उम्मीद जगी, मगर अनदेखी की वजह से संग्रहालय अपनी पहचान बचाने के लिए संघर्ष करता नजर आ रहा है। यहां दीवारों पर जमी काई और आसपास उगी झाड़ियां इसकी बदहाली की कहानी कह रही हैं। जिस स्थान पर छात्रों को इतिहास से रूबरू होना चाहिए था, वहां आज गंदगी और कूड़ा जमा हो रहा है। ताले लटके दरवाजे और टूटे फुटपाथ यह बताने के लिए काफी हैं कि जिम्मेदारों ने इसे पूरी तरह भुला दिया है।

लंबा समय बीत जाने के बाद भी इसे सुचारू रूप से संचालित करने के लिए कोई ठोस पहल नहीं की गई। इतिहास में शोध करने वाले छात्रों के लिए जानकारी का केंद्र बनने वाला यह संग्रहालय खुद की बदहाली पर सिसक रहा है। इतिहास विभाग के विभाग प्रभारी डॉ. रामेंद्र सोलंकी ने बताया कि संग्रहालय की साफ-सफाई कराई जा रही है। परिसर के कूड़े को भी हटवाकर इसको छात्रों के लिए विकसित किया जाएगा। संग्रहालय के अंदर सफाई हो चुकी है।

नशा कारोबारियों के दो गुटों में खूनी संघर्ष

संवाददाता, पलिया कलां

घायल अनमोल गुप्ता। ● अमृत विचार

● **लाठी-डंडे व ईंट-पत्थर चले, जिला बदर पर हमले का आरोप, युवक गंभीर घायल, फायरिंग से दहशत**

अमृत विचार: नगर के प्रमुख मोहल्ला बाजार में गुरुवार देर शाम नशा कारोबार को लेकर दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हो गई। दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चले। इस दौरान फायरिंग भी हुई। इससे अफरा-तफरी मच गई। घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि कई अन्य लोगों को भी चोटें आई हैं।

मोहल्ला बाजार स्थित ठाकुरद्वारा से गोल बिल्डिंग की ओर जाने वाली गली में नशा कारोबार से जुड़े दो गुटों के बीच काफी समय से रंजिश चली आ रही थी। गुरुवार देर शाम जिला बदर चल रहे आरोपी अंकित गुप्ता उर्फ अंकित माल्या पुत्र सचिंद्र गुप्ता अपने कुछ साथियों के साथ वहां पहुंचा। आरोप है कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर अनमोल गुप्ता पुत्र शिवकुमार गुप्ता उर्फ लाला को अकेला पाकर उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

अचानक हुए हमले से इलाके में चीख-पुकार मच गई। शोर सुनकर अनमोल के परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और हमलावरों को ललकारा। इसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते गली में ईंट-पत्थर चलने लगे।

बताते हैं कि इस दौरान फायरिंग भी हुई। इससे गली में भगदड़ मच गई। आसपास के लोग अपने घरों में दुबक गए। हालांकि मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद फायरिंग की बात से इनकार करते हुए इसे अफवाह बताया है। मारपीट में अनमोल गुप्ता के सिर में गंभीर चोटें आईं। परिजनों ने उसे सीएचसी पलिया पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं दूसरे पक्ष के कुछ लोगों को भी मामूली चोटें आई हैं।

नशा कारोबार को लेकर पहले भी हो चुके हैं विवाद

स्थानीय लोगों का कहना है कि मोहल्ला बाजार क्षेत्र में नशे के कारोबार को लेकर पहले भी कई बार विवाद हो चुके हैं। कई बार पुलिस तक शिकायत भी पहुंची, लेकिन ठोस कार्रवाई न होने से असामाजिक तत्वों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं। गुरुवार की घटना के बाद लोगों में फिर से दहशत का माहौल बन गया है।

"घटना की जांच की जा रही है। गंभीर रूप से घायल युवक का उपचार जारी है। जिला बदर आरोपी अंकित गुप्ता उर्फ अंकित माल्या और उसके साथियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।
-**पंकज त्रिपाठी**, थानाध्यक्ष पलिया कलां।

ताला तोड़कर प्रधानमंत्री का लाइव प्रसारण देखा

संवाददाता, बरेली

ब्लॉक कार्यालय पहुंचे फरियादी हुए निराश। ● अमृत विचार

● **योजनाओं की जानकारी करने आए फरियादी बैरंग लौटे**

अमृत विचार : होली की छुट्टियां भले ही गुजर चुकी हैं। लेकिन शुक्रवार को ब्लॉक कार्यालय में ताले लटके रहे। इससे दूरदराज गांवों से आए फरियादी निराश होकर बैरंग लौट गए। ब्लॉक सभागार में किसानों को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाने को कार्यक्रम होना था। इसके लिए भी विभाग के कर्मचारी सभागार खुलने का इंतजार करते रहे। अंत में सभागार कक्ष का ताला तुड़वाकर प्रधानमंत्री के लाइव प्रसारण देखा गया और कार्यक्रम के बाद नया ताला डाला गया। मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी गई है।

ब्लॉक कार्यालय पर ताला लगा होने से सभी कार्य बाधित रहे। अधिकारी कर्मचारी इधर-उधर परिसर में बैठकर समय गुजारते रहे।

ब्लॉक की ग्राम पंचायत सुकटिया से पहुंची जावित्री जी रामजी योजना के तहत किये गए कार्य की धनराशि नहीं मिलने की जानकारी करने पहुंची थीं। साथ में ग्राम पंचायत बैरमनगर के नेत्रहीन आसेराम भी पहुंचे थे। आसेराम ने बताया कि जावित्री को जी रामजी (मनरेगा) योजना के तहत किये गए कार्य के 1700 रूपये नहीं मिले हैं। गांव सुंदर गौंटिया के हरीश कुमार को बेटी के विवाह के लिए सामूहिक विवाह योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि हेतु दस्तावेज जमा करने थे। लेकिन वह भी बैरंग हो गए।

पैसों को लेकर हुआ विवाद, महिला और बेटे की पिटाई

बहेड़ी, अमृत विचार : गांव उलहैतापुर में डीजे के पैसों को लेकर हुए विवाद में एक महिला और उसके बेटे की पिटाई कर दी गई। महिला की शिकायत पर 4 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

गांव उलहैतापुर की महिला मीना देवी ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि उसके बेटे अवजीत का गांव के कुछ लोगों से डीजे के पैसे को लेकर विवाद हो गया था।आरोप है कि गांव के ही अजीत, हरपाल, बबलू और सुरेश ने उसके पुत्र को गालियां देते हुए मारपीट करने लगे। महिला का कहना है कि वह मौके पर पहुँची,और गाली गलौच का विरोध किया, तो इन लोगों ने उसके साथ भी अभद्रता करते हुए मारपीट कर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इस समस्या पर भी ध्यान दें अफसर

शेरगढ़ कस्बे में बाजार में व्यापारी और ईओ के बीच हुई मारपीट के बाद अतिक्रमण हटाने का अभियान ठप हो गया है। हालत यह है कि कस्बे में जनता को टंकी चौराहा से लेकर होली चौराहे तक जाम से हर रोज जूझना पड़ता है। अफसरों की ढिलाई से मुख्य मार्ग में जाम की समस्या बढ़ती जा रही है। यह लाइलाज न बनने पाए इसके पहले पालिका अफसरों और जनप्रतिनिधियों को आगे आकर स्थाई समाधान तलाश कर जनता को राहत देने का काम करना चाहिए। शुक्रवार को भी शेरगढ़-बहेड़ी मार्ग पर दोनों ओर से वाहनों के पहिए थमने से लोगों को जाम से जूझना पड़ा। इसका असर टंकी चौराहा, टांडा तिराहा अस्पताल बाईपास तिराहा, नगरिया कलां तिराहा, कांवर रोड पर भी पड़ा। यहां भी लोगों को जाम में फंसकर परेशान होना पड़ा। ● अमृत विचार

शाहजहांपुर में पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

घटनास्थल पर जांच करती हुई पुलिस। ● अमृत विचार

● **परिजन ने हत्या की आशंका जतायी, पैर जमीन में छू रहे थे मोबाइल कब्जे में लिया**

अमृत विचार: रोजा क्षेत्र में एक युवक का शव गांव के बाहर पेड़ से रस्सी से लटका हुआ मिला है। उसके पैर जमीन पर छू रहे थे और चप्पलें पेड़ के नीचे पड़ी थी। परिवार वालों ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने मृतक का मोबाइल कब्जे में ले लिया है।

मृतक गौरव।

रोजा थाना क्षेत्र के गांव पींग निवासी 19 वर्षीय गौरव कुमार पुत्र महेश कुमार ने गुरुवार की शाम आठ बजे खाना खाया और कमरे में सोने के लिए चले गए। परिवार वालों ने रात दो बजे देखा कि वह कमरे में नहीं है और दरवाजा खुला हुआ था। परिवार वालों ने उनकी तलाश की। गौरव का पता नहीं चला। शुक्रवार की सुबह छह बजे गांव वाले खेत पर जा रहे थे। गांव के बाहर मंदिर के निकट एक पेड़ से रस्सी से शव लटका हुआ देखा। गांव वालों ने देखा कि गौरव का शव था। खबर सुनकर सौरभ मौके पर गए और देखा कि उसके भाई का शव है। उन्होंने रोजा थाना पर सूचना दी। थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और शव को नीचे उतारा। पुलिस ने मृतक के कपड़ों की तलाशी ली। पुलिस ने उसकी जेब से मोबाइल बरामद किया, जो मोबाइल स्विच ऑफ था। मृतक के भाई सौरभ ने बताया कि उसके भाई ने अपने दोस्त के साथ गांव के एक व्यक्ति के खेत से होलिका दहन के लिए लकड़ी काटी थी। गौरव का उससे विवाद हो गया था। उसने गौरव को जान से मारने की धमकी दी थी। सौरभ ने अपने भाई की हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने मृतक का मोबाइल कब्जे में ले लिया है। पुलिस सर्विलांस से सीडीआर निकलवाएगी। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उधार सिगरेट न देने पर चाकू से किए वार

पीलीभीत, अमृत विचार: थाना न्यूरिया में दी गई तहरीर में क्षेत्र के ग्राम बौरख निवासी नत्थो देवी पत्नी इच्छाराम ने बताया कि उसका पुत्र रेवाराम गांव में ही किराना की दुकान चलाता है। चार मार्च की रात करीब दस बजे गांव का तेजपाल, करण और राजकुमार नशे की हालत में दुकान पर आए। उधार सिगरेट लेने लगे। जब उसके पुत्र ने उधार में सिगरेट देने से मना कर दिया तो आरोपियों ने लाठी, डंडों से बेटे की पिटाई कर दी। बेटे पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। शोर सुनकर वह बीच बचाव कराने पहुंची तो उनको भी पीटा। एक आरोपी ने तमंचा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। आसपास के ग्रामीणों के जमा होने पर हमलावर भाग गए।

बिना वेतन गुजरी मनरेगा कार्मियों की होली

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● **पिछले दस माह से नहीं मिल सका मानदेय, उधार लेकर मनाया त्योहार**

● **ग्रांट न आने से कर्मचारियों को दस माह से नहीं मिल सका है मानदेय आर्थिक स्थिति बदहाल**

अमृत विचार: राज्य कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को होली पर वेतन और पेंशन न मिलने का मलाल रहा वहीं मनरेगा कर्मचारियों का त्योहार आर्थिक तंगी के बीच गुजरा। पिछले दस माह से मानदेय न मिलने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है। कर्मचारियों ने दूसरों से उधार लेकर होली का त्योहार मनाया। अब उन्हें लिए गए उधार के रुपए निपटाने की चिंता हो गई है।

मनरेगा सेल जिला मुख्यालय सहित ब्लॉक स्तर पर अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी सहायक, लेखा सहायक, कंप्यूटर ऑपरेटर और रोजगार सेवक कार्यरत हैं। इन कर्मचारियों की संख्या करीब एक हजार से अधिक है। इन कर्मचारियों के कंधों पर ही मनरेगा योजना को क्रियान्वयन करने का जिम्मा रहता है। इन कर्मचारियों को पिछले साल अप्रैल माह में मानदेय मिला था। उसके बाद से मानदेय नहीं आया है। पिछले दस माह से मानदेय नहीं मिलने से कर्मचारियों के सामने आर्थिक तंगी के हालात बने हुए हैं। जिसके कारण मनरेगा कर्मचारियों की होली आर्थिक तंगी के बीच गुजारी।

कर्मचारियों का कहना है मानदेय न मिलने के चलते घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। दूसरों से रुपए उधार लेकर जैसे तैसे त्योहार मनाया। अब उनके सामने उधारी के रुपए चुकाने के साथ बच्चों के स्कूल और टयूशन फीस भी भरने का संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारियों का कहना है कि अगर ऐसे ही हालात रहे तो वह दिन दूर नहीं जब बच्चों को खाना खिलाना भी मुश्किल होगा।

मनरेगा कर्मचारियों अधिकारियों से जल्द मानदेय दिए जाने के लिए मांग की है। प्रभारी डीसी मनरेगा अखिलेश चौबे ने बताया कि मनरेगा कर्मियों का मानदेय शासन से मिलने वाली वाली ग्रांट से दिया जाता है। अब तक ग्रांट नहीं आ पाई है। जिसके कारण मानदेय नहीं मिल पाया है। ग्रांट के लिए पत्राचार किया जा रहा है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व

भाकियू (चढ़ूनी) व आप कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जताया विरोध, डीएम ने 9 मार्च को बुलाई बैठक

जंगल मार्गों पर रात में प्रतिबंध को लेकर बढ़ता जा रहा विरोध

● **जंगल मार्गों पर प्रतिबंध को लेकर जारी आदेश वापस लेने की मांग**

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

डीएम ज्ञानेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपते आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व के जंगल मार्गों पर रात्रि के दौरान यातायात प्रतिबंध को लेकर विरोध के स्वर मुखर होने लगे हैं। शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी गुट एवं आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे और जंगल मार्गों पर प्रतिबंध को लेकर विरोध जताया। इस दौरान भाकियू एवं आप कार्यकर्ताओं ने पदाधिकारियों की अगुवाई में डीएम से मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन सौंपकर जंगल मार्गों पर प्रतिबंध को लेकर जारी आदेश वापस लेने की मांग की। इस मामले में डीएम आगामी 09 मार्च को बैठक बुलाई है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से पीलीभीत-पूरनपुर हाईवे समेत तीन प्रमुख मार्गों पर रात्रि के दौरान वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है। टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से यह आदेश बीते 28 मार्च को सुप्रीम कोर्ट के पारित आदेश के क्रम में जारी किया गया है। जंगल मार्गों पर शाम से सुबह तक वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध संबंधी आदेश की जानकारी लगते राजनीतिक पार्टियों से लेकर किसान संगठन व आम जनमानस ने विरोध जताना शुरू कर दिया। इधर शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन चढ़नी गुट के तमाम कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे और उन्होंने डीएम को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर को सौंपा।

ज्ञापन के बाद भाकियू जिलाध्यक्ष रणजीत सिंह कहलो की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने डीएम से मुलाकात कर समस्या से अवगत कराया। सौंपे गए ज्ञापन में कहा कि जंगल से गुजरने वाले रास्तों को रात में बंद करने का आदेश वापस लिया जाए। वर्तमान में जंगल से निकलने वाले कई रास्तों को रात में बंद कर दिया गया है, जिससे ग्रामीणों, मरीजों और आपातकालीन स्थिति में आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अतः इन रास्तों को बंद करने का आदेश हटाया जाए। इसके अलावा टाइगर रिजर्व क्षेत्र के चारों ओर फेंसिंग कराने, जंगली जानवरों से किसानों की फसलों की सुरक्षा करने, फसल नुकसान का उचित मुआवजा दिलाने की मांग की गई।

जंगल मार्गों पर प्रतिबंध का आदेश वापस न लेने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी है। ज्ञापन देने वालों में जिलाध्यक्ष के अलावा जिला सचिव अमरीक सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष मंगल सिंह, तहसील प्रभारी मनदीप सिंह, त्रिलोचन सिंह, जितेंद्र सिंह, गुरप्रीत सिंह, जसवंत सिंह, सुरेंद्र शर्मा, जाहिद खान, मनोज यादव, श्यामल सरकार, मनदीप सिंह, सरबजीत सिंह समेत सैंकड़ों कार्यकर्ता शामिल रहे।

आम आदमी पार्टी ने भी सौंपा ज्ञापन

इधर आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष अमित मिश्रा की अगुवाई में तमाम कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे और डीएम को ज्ञापन सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में कहा कि जनपद के पूरनपुर-पीलीभीत, माधोटांडा-खटीमा एवं पीलीभीत-माधोटांडा मार्ग महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग हैं। ये मार्ग जनपद मुख्यालय को प्रदेश की राजधानी लखनऊ, नेपाल सीमा, उत्तराखंड की अंतर्राज्यीय सीमा तथा प्रमुख पर्यटन स्थलों से जोड़ते हैं। एनटीसीए द्वारा रात्रिकाल में इन मार्गों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए जाने का आदेश जारी किया गया है, जिसे सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से संबंधित बताया जा रहा है। रात्रिकालीन पूर्ण प्रतिबंध से आमजन में असुरक्षा एवं भय का वातावरण उत्पन्न हो रहा है। कृषि, व्यापार, पर्यटन एवं स्थानीय आवागमन पर सीधा नकारात्मक असर पड़ रहा है। साथ ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी जनता के मन में अनेक प्रश्न खड़े कर रही है। ज्ञापन में रात्रिकालीन पूर्ण प्रतिबंध के आदेश को वापस लेने या उसमें व्यावहारिक संशोधन करने की मांग की गई। ज्ञापन देने वालों में जिला महासचिव एडवोकेट संजय कुमार, जिलाध्यक्ष पंचायत प्रकोष्ठ /पूर्व प्रत्याशी विनोद कुमार भारती, नगराध्यक्ष युवा राघव गिहार, प्रवेश, संजय, इंदरजीत, रिंकू दिवाकर, मनोज, सूरज आदि कार्यकर्ता शामिल रहे। इस मामले में डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने 9 मार्च को बैठक बुलाई है।

संपत्ति में हिस्सा न मिलने तक पति का अंतिम संस्कार करने से इंकार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● **दूसरे दिन भी फ्रीजर में रखा रहा रामू राजपूत का शव**

● **सुरक्षा की दृष्टि से उनके घर पर पुलिस का लगा दिया पहरा**

अमृत विचार: शुक्रवार को नगर की खुटार रोड स्थित मोहल्ला पश्चिमी दीक्षिताना में संपत्ति बंटवारे के विवाद के चलते मृतक की पत्नी ने हिस्सा न मिलने का आरोप लगाते हुए पति का अंतिम संस्कार कराने से इंकार कर दिया, जिससे तनाव की स्थिति बन गई।

नगर के मोहल्ला पश्चिमी दीक्षिताना निवासी रामू राजपूत का अपने परिजनों के साथ काफी समय से संपत्ति बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। रामू राजपूत बीमार थे और उनका इलाज जिला अस्पताल ओयल में चल रहा था। परिजनों के मुताबिक डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया था, लेकिन लखनऊ ले जाने की तैयारी के दौरान ही उनकी मौत हो गई।

मृतक की पत्नी सुनीता राजपूत का आरोप है कि परिवार में संपत्ति के बंटवारे में उन्हें और उनके पति को हिस्सा नहीं दिया गया था। इसी कारण उन्होंने अंतिम संस्कार कराने से मना कर दिया और कहा कि जब तक बंटवारे में मिलने वाली संपत्ति का हिस्सा नहीं दिया जाएगा, तब तक वह अंतिम संस्कार नहीं होने देंगी। स्थानीय पुलिस ने मौके की स्थित को देखते हुए मामले को गंभीरता से लेते हुए मौके पर कोई विवाद या बवाल न हो इसलिए सुरक्षा की दृष्टि से उनके घर पर पुलिस का पहरा बैठा दिया है, जहां कोतवाली के क्राइम इंस्पेक्टर संतोष सिंह यादव, वरिष्ठ उप निरीक्षक देवेंद्र सिंह और महिला पुलिस को भी तैनात किया गया है।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार,7 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने के आरोप में तीन गिरफ्तार

सहारनपुर, एजेंसी : जिले के नानौता थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। नानौता पुलिस थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) नवीन कुमार सैनी ने बताया कि सोशल मीडिया पर वीडियो के प्रसारित होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम ने शुक्रवार को आरोपियों को गिरफ्तार किया। सैनी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान रुद्राक्ष (28), प्रशांत राणा (27) और अमित राणा के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि तीनों सहारनपुर जिले के रहने वाले हैं। सैनी ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। एसएचओ ने कहा कि आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आरोपियों को अदालत में पेश करने की कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई।

अयोध्या डिपो के आठ चालकों की संविदा समाप्त

अयोध्या, अमृत विचार। परिवहन निगम ने बिना सूचना 130 दिन से ज्यादा समय से लगातार अनुपस्थित चल रहे आठ संविदा चालकों की संविदा समाप्त कर दी है। इन सभी ने पूर्व में दी गई नोटिस का कोई जवाब भी नहीं दिया था। अयोध्या डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक आदित्य प्रकाश ने शुक्रवार को बताया कि डिपो में तैनात संविदा चालक लियाकत अली, कमलेश यादव, विवेक यादव, मोनू कुमार, आकाश मौर्या, विंध्यादीन, आशीष कुमार व शंभूनाथ आदि 130 दिनों से ज्यादा समय से बिना सूचना के लगातार अनुपस्थित चल रहे हैं। इसके चलते बसों का संचालन प्रभावित हो रहा था, जिससे निगम को आर्थिक क्षति भी हो रही थी।

ऑक्सीजन प्लांट में लगी आग

अयोध्या, अमृत विचार : जिला अस्पताल में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट के स्टेबलाइजर सेक्शन में शुक्रवार को अचानक आग लग गई। ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं और धुआं इतना घना हो गया कि दूर से ही दिखाई देने लगा। घटना से अस्पताल परिसर में अफरातफरी मच गई। मरीज व तीमारदारों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए और तुरंत आपातकालीन कदम उठाए गए। घटना शुक्रवार सुबह साढ़े दस बजे के करीब की बताई जा रही है।

चेयरमैन व प्रधान समेत पांच नामजद, 24 पर एफआईआर

पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर दर्ज की क्रॉस रिपोर्ट

संवाददाता, बिलसंडा

अमृत विचारः एक ग्रामीण के बाइक एक्सीडेंटल मामले में बुलाई गई पंचायत के दौरान रुरिया धुरिया गांव में हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने कानूनी कार्रवाई की है। दर्ज की गई क्रॉस रिपोर्ट में एक पक्ष से ग्राम प्रधान समेत तीन नामजद और दूसरे पक्ष से नगर पंचायत बिलसंडा चेयरमैन समेत तीन नामजद आरोपी बनाए गए हैं। दोनों एफआईआर में एक-एक दर्जन अज्ञात लोग भी आरोपी बने हैं। पुलिस अब पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है। विवेचना शुरू कर दी गई है।

एक पक्ष से दी गई तहरीर में कस्बे के गोला रोड के रहने वाले श्यामू गुप्ता पुत्र पप्पू गुप्ता ने बताया कि वह गायत्री ऑटो मोबाइल पर फाइनेंस मैनेजर हैं। उनके पास गांव रुरिया धुरिया के ग्राम प्रधान कालीचरन गुरुवार सुबह आए थे। एजेंसी पर बाइक एक्सीडेंटल मामले में बात की और फिर दोपहर करीब 12 बजे अनावश्यक रुप से गाली गलौज शुरू कर दी। उनके रिश्ते के भाई नगर पंचायत चेयरमैन डीके गुप्ता से इसकी शिकायत की। इस पर चेयरमैन ने जानकारी की तो आरोपी प्रधान ने समझौते के नाम पर दोपहर में गांव बुलाया। आरोप है कि सुनियोजित तरीके से भीड़ जुटा रखी थी और हमला कर दिया।

थाना बिलसंडा।

बचाने पर चेयरमैन पर भी हमला किया गया था। पुलिस ने कालीचरण ग्राम प्रधान, विपिन, धर्मेंद्र और एक दर्जन अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की है। वहीं, दूसरे पक्ष से ग्राम रुरिया धुरिया के ग्राम प्रधान कालीचरन ने तहरीर देकर बताया कि पांच मार्च को दोपहर एक बजे कस्बा बिलसंडा के लाडले पुत्र पप्पू से मेरे गांव के प्रेमपाल पुत्र बलवंत से बाइक एजेंसी में सही करने को लेकर कहासुनी हो गई थी। जिसमें लाडले के साथ आए चेयरमैन समेत अन्य लोगों ने गाली गलौज करते हुए हमला कर दिया। कस्बा बिलसंडा आने पर जान से मारने की धमकी दी गई। ग्राम प्रधान की ओर से पुलिस ने नगर पंचायत अध्यक्ष बिलसंडा डीके गुप्ता, लाडले को नामजद करते हुए एक दर्जन अज्ञात हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

- एक दिन पूर्व सुलह-समझौते को बुलाई पंचायत में दोनों पक्षों में हुआ था विवाद

मजदूरी मांगने पर दो मजदूरों को पीट-पीट कर मार डाला

मथुरा, एजेंसीः जिले में मजदूरी मांगने पर एक ठेकेदार द्वारा कथित तौर पर दो मजदूरों की पिटाई करने से उनकी मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने हंगामा कर सड़क जाम कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक (नगर) राजीव कुमार सिंह ने बताया कि सदर थाना क्षेत्र के दामोदरपुरा निवासी ठेकेदार कल्ला उर्फ कल्याण सिंह निर्माण कार्य के लिए मजदूर मुहैया कराता है। आरोप है कि बुधवार को मजदूरी के पैसे मांगने पर उसने अपने यहां काम करने वाले दो मजदूरों मनोज और हरिओम को बुलाकर उनकी बेरहमी से पिटाई कर दी।

इस घटना में मनोज की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल हरिओम को उपचार के लिए आगरा ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार गुरुवार को घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने हरिओम का शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया और हंगामा किया।

ट्रक से उतारते समय पलटा नया ट्रैक्टर, युवक की दबकर मौत

एजेंसी के बाहर पलटा पड़ा ट्रैक्टर। ● अमृत विचार

संवाददाता, सहसवान

अमृत विचार : कोतवाली सहसवान क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। ट्रैक्टर एजेंसी पर ट्रक से नया ट्रैक्टर उतारते समय अचानक वाहन पलट गया। जिससे नीचे दबकर एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

सहसवान क्षेत्र के गांव अल्लीपुर टप्पा निवासी रामसेवक (19) पुत्र नौबत सिंह एक ट्रैक्टर एजेंसी पर काम करते थे। शुक्रवार सुबह कंपनी की ओर से नए ट्रैक्टरों से भरा ट्रक एजेंसी पर पहुंचा। रामसेवक ट्रक से ट्रैक्टर उतारने का काम कर रहे थे। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से एक ट्रैक्टर अचानक पलट गया और रामसेवक उसके नीचे दब गए। हादसा होते ही एजेंसी पर मौजूद कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। कर्मचारियों ने किसी तरह ट्रैक्टर को सीधा कर युवक को बाहर निकाला और तुरंत उसे अस्पताल ले गए, लेकिन वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत के बाद से परिजनों में चीत्कार मचा है।

- शुक्रवार सुबह ट्रक से उतारते समय अनियंत्रित हो गया था ट्रैक्टर

नमाज़ के दौरान टोपी छिपाने को लेकर विवाद

संभल , अमृत विचार : असमोली थाना क्षेत्र के गांव ओबरी में गुरुवार की रात मस्जिद में नमाज़ पढ़ने के दौरान टोपी छुपाने को लेकर बच्चों में विवाद हो गया। इसकी जानकारी अगले दिन दोनों के परिजनों को हुई तो विवाद बढ़ गया। इसी बात को लेकर शुक्रवार शाम दोनों पक्षों के लोगों में फिर देखते ही देखते कहासुनी बढ़ गई और दोनों पक्षों के बीच जमकर पथराव हुआ, जिससे आस पास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। दोनों पक्षों ने पुलिस से शिकायत की।

थाना क्षेत्र के गांव ओबरी निवासी सुभान पुत्र नासिर गुरुवार की रात गांव में ही एक मस्जिद में नमाज पढ़ने गया था। बताया जा रहा है कि इस दौरान मौहल्ले के अर्श पुत्र मतलूव, आलिम पुत्र अय्यूब दोनों ने सुभान की टोपी छुपा दी । जिसको लेकर विवाद हो गया। इसकी जानकारी सुभान ने अपने परिजनों को दी तो अगले दिन शुक्रवार को उसके परिजन शिकायत करने दोनों के घर पहुंचे। बताया जा रहा है कि इसी बात को लेकर शुक्रवार शाम दोनों पक्षों के बीच पथराव हुआ। दोनों पक्षों ने शिकायत की है।

नोएडा के साहिल हत्याकांड का खुलासा, तीन गिरफ्तार

नोएडा,एजेंसी

नोएडा सेक्टर-75 स्थित आईवी काउंटी सोसायटी में हुए चर्चित साहिल सिंघल हत्याकांड का पुलिस ने शुक्रवार को खुलासा किया। नोएडा सेक्टर-113 थाना पुलिस ने इस मामले में वांछित दो आरोपियों और एक महिला को गिरफ्तार किया है, जबकि वारदात में शामिल एक 16 वर्षीय नाबालिग को बाल अपचारी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार और घटना में इस्तेमाल कार भी बरामद कर ली है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की जानकारी देते हुए बताया कि आज लोकल इंटेलिजेंस की मदद से कार्रवाई करते हुए टीम ने पर्थला डूब क्षेत्र कब्रिस्तान सर्विस रोड से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लब्बु (26) उर्फ लोकेन्द्र सोलंकी , निखिल सोलंकी (24) और प्रिया सिंह (28) के रूप में हुई है। तीनों आरोपी गाजियाबाद के विष्णु एन्क्लेव, कविनगर के रहने वाले है। पुलिस ने इस मामले में शामिल एक 16 वर्षीय बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस जांच में सामने आया है कि बुधवार होली त्योहार के दिन आरोपियों ने सेक्टर-75 स्थित आईवी काउंटी सोसायटी के मार्केट में साहिल सिंघल को गोली मार दी थी। गोली लगने से साहिल गंभीर रूप से घायल हो गए थे और बाद में उनकी मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से कार में बैठकर फरार हो गए थे।

घटना के बाद पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज और लोकल इंटेलिजेंस के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की थी।

नदी में नहाते समय डूबा किशोर मौसेरे भाई को बचाया गया

फूलबेहड़,अमृत विचारः पचपेड़ी घाट पुल के पास शारदा नदी में नहाने गए दो मौसेरे भाइयों में से एक किशोर नदी की गहराई में डूबकर लापता हो गया, जबकि दूसरे को नाविकों और मछुआरों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंच गई और लापता किशोर की तलाश शुरू कर दी गई है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला प्रकाश नगर निवासी रामलाल का 16 वर्षीय पुत्र अजय उर्फ राजन अपने हम उम्र मौसेरे भाई राज कश्यप निवासी मोहल्ला रामनगर और दिव्यांस के साथ गुरुवार शाम घूमने के लिए फूलबेहड़ क्षेत्र के पचपेड़ी घाट पुल पर पहुंचा था। दोनों ने वहां बाइक खड़ी की और कुछ देर तक पुल के आसपास टहलते रहे। इसके बाद दोनों शारदा नदी में नहाने के लिए उतर गए।

आयोजन

मुंबई में शुक्रवार को आयोजित समारोह के दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करते के लिए उनकी प्रतिमा के सामने मौजूद लोग। ● एजेंसी

सफेद कलगी वाला लॉफिंग थ्रश नजर आया

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः कॉर्बेट लैंडस्केप के हरे-भरे जंगलों की शांत वादियों में एक मनमोहक और दुर्लभ दृश्य कैमरे में कैद हुआ है। सफेद कलगी वाली लाफिंग थ्रश फायरबुश पौधे के चमकीले लाल फूलों से अमृत का आनंद लेते हुए दिखाई दी। यह सुंदर दृश्य प्रसिद्ध वन्यजीव प्रेमी संजय छिम्वाल ने अपने कैमरे में कैद किया।

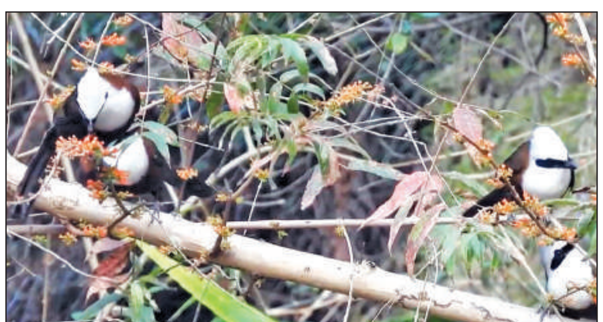
कॉर्बेट लैंडस्केप में फूलों का रसास्वादन करते लाफिंग थ्रश पक्षी।

सफेद कलगी वाली लाफिंग थ्रश, जिसे अंग्रेजी में व्हाइट क्रेस्ड लॉफिंग थ्रश कहा जाता है, अपनी आकर्षक सफेद कलगी और चंचल स्वभाव के लिए जानी जाती है। आमतौर पर यह पक्षी झुंड में दिखाई देता है और अपनी तेज, हंसी जैसी आवाज के कारण पहचाना जाता है। इसी वजह से इसे लाफिंग थ्रश के नाम से भी जाना जाता है। हालांकि इस बार इसे फूलों का रसपान करते देखना प्रकृति प्रेमियों के लिए खास अनुभव रहा। कॉर्बेट लैंडस्केप, जो कि जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क के आसपास फैला विस्तृत वन क्षेत्र है, अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यहां विभिन्न प्रजातियों के पक्षी, वन्यजीव और दुर्लभ वनस्पतियां पाई जाती हैं। फायरबुश पौधा अपने आकर्षक लाल-नारंगी फूलों के लिए जाना जाता है, जो मधुरस से भरपूर होते हैं और पक्षियों व तितलियों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

आमतौर पर यह पक्षी दक्षिण-पूर्व एशिया तथा हिमालय पर्वतमाला की तलहटी के जंगलों में पाया जाता है। कीड़े-मकोड़े, छिपकलियां, छोटे कशेरुकी जीव, फल, फूलों का रस और बीज इसका प्रमुख आहार हैं। खास बात यह है कि यह पक्षी मनुष्य के हंसने जैसी आवाज भी निकालता है। वन्यजीव प्रेमी संजय छिम्वाल ने बताया कि यह दृश्य सुबह के समय का है, जब जंगल की शांति के बीच यह पक्षी बड़े सुकून से फूलों का रस ले रहा था। उन्होंने कहा कि ऐसे दृश्य न केवल प्रकृति की सुंदरता को दर्शाते हैं, बल्कि यह भी बताते हैं कि जंगलों में जीवन कितनी विविधता और संतुलन के साथ फल-फूल रहा है।

विश्वभर में पर्यटन व खेलों का प्रमुख केंद्र बनेगी टिहरी झील

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः पर्यटन-साहसिक खेल के साथ ही पर्यावरण और संस्कृति के स्पष्ट संदेश के बीच 9 मार्च तक चलने वाले 'हिमालयन 0.2 द टिहरी लेक फेस्टिवल' का शुक्रवार को आगाज हो गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसका उद्‌घाटन करते हुए विश्वास जताया कि सुंदर टिहरी झील आने वाले समय में देश ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में साहसिक खेलों और पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि देवभूमि उत्तराखंड की पावन धरा आध्यात्मिकता और लोक संस्कृति का अद्भुत संगम रही है। हमारी नदियां, पर्वत, झीलें और परंपराएं पूरे विश्व को आकर्षित करती रही हैं। आज उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए टिहरी झील के किनारे आयोजित ये महोत्सव पर्यटन, खेल और स्थानीय संस्कृति तीनों को एक मंच पर लाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। कहा कि, हिमालय की गोद में बसी टिहरी झील प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत उदाहरण होने के साथ-साथ साहसिक खेलों के आयोजन स्थल के रूप में तेजी से उभर रही है।

मोदी का भावनात्मक लगाव जगजाहिर

सीएम धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड से भावनात्मक लगाव जगजाहिर है और उन्होंने स्वयं यहां आकर हमें प्रेरित और प्रोत्साहित किया है। सीएम ने पर्यटन और साहसिक खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार के प्रयासों का खास जिक्र किया। उन्होंने आदि कैलाश में राज्य की पहली हाई-एल्टीट्यूड मैराथन, माणा में एमटीबी चैलेंज, एशियन ओपन शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग ट्रॉफी जैसे बडे. स्तर के आयोजनों की चर्चा की।

महिला के अपहरण के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

बलिया,एजेंसीः बलिया जिले के बांसडीह थानाक्षेत्र में एक मंदबुद्धि विवाहिता को कथित रूप से अगवा करके शील भंग करने के इरादे से हमला करने के दो आरोपियों को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार बांसडीह थानाक्षेत्र के एक गांव के रहने वाले एक व्यक्ति की तहरीर पर गुरुवार को सहतवार थानाक्षेत्र के एक गांव के दो भाइयों संतोष कुमार ठाकुर उर्फ मुन्ना ठाकुर व राजेश कुमार ठाकुर उर्फ गुड्डू ठाकुर के विरुद्ध नामजद मामला दर्ज किया गया। उन्होंने दर्ज प्राथमिकी का हवाला देते हुए बताया कि तहरीर में आरोप लगाया गया है कि वादी की मंदबुद्धि पत्नी गत 27 फरवरी की रात्रि को किसी को बिना बताये घर से निकल गयी थी, रास्ते में संतोष कुमार ठाकुर उर्फ मुन्ना ठाकुर (48) व राजेश कुमार ठाकुर उर्फ गुड्डू ठाकुर (43) उसे जबरदस्ती मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले गये।

प्रतिपदा पर श्रीराम महायंत्र के स्थापना की तैयारी शुरू

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : श्रीराम मंदिर में चैत्र शुक्ल नवरात्रि के प्रतिपदा पर आयोजित श्रीराम महा यंत्र की स्थापना के कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो गई है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने शुक्रवार को मंदिर परिसर पहुंचकर चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। कार्यक्रम की तैयारी की भी समीक्षा की।

राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्र ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 मार्च को श्रीराम मंदिर के द्वितीय तल पर श्रीराम महायंत्र की स्थापना करेंगी। जिसमें उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के लोगों को शामिल किया जायेगा। यह आयोजन राम मंदिर के आठ एकड़ की परिधि में बने परकोटा के बाहर उत्तरी दिशा के मैदान में किए जाने की योजना है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के सूचीबद्ध करीब 5000 लोगों को बुलाने की योजना है। कहा कि 300 से अधिक निर्माण करने वाली इकाइयों ने राम मंदिर के निर्माण में अपना सहयोग दिया हैं। उन सभी एजेंसियों की एलएंडटी के माध्यम से सूची प्राप्त करके उनके अधिकारियों को कार्यक्रम में उपस्थित रहने का निमंत्रण दिया जा रहा है।इस दौरान व्यवस्था प्रभारी गोपाल जी राव सहित सुरक्षा अधिकारी भी मौजूद रहे।

- 19 मार्च को कार्यक्रम में शामिल होंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

कार्यालय ग्रा.प. नौना विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

अल्पकालीन निविदा 05.03.2026

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, टीन, पेन्ट, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, खाद एवं रसद विभाग योजना, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत नौना विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अतः समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 10.03.2026 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी कार्य का विवरण निम्न प्रकार है

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	मॉडर्न शॉप (उचित दर विक्रेता) निर्माण कार्य	प्रा. के अनुसार
2.	अनिल के घर से चैती के घर तक इंटरलॉकिंग सीसी नाली निर्माण कार्य	प्रा. के अनुसार

सचिव प्रधान

खबरें www.amritvichar.com पर भी पढ़ें

बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल लि., बीसलपुर (पीलीभीत)

पत्रांक : बी.के.एस./क्रय/2025-26/2939 दिनांक : 06.03.2026

निविदा सूचना

पेराई सत्र 2025-26 के उपरांत ब्वायलिंग हाउस एवं अन्य स्थानों में स्क्रैपिंग शुगर व धुलाई कार्य हेतु अनुभवी पार्टियों से दिनांक 14.03.2026 तक रू. 4000/- धरोहर राशि एवं निविदा प्रपत्र का मूल्य रू. 236/- प्रति जमा करने के उपरांत निविदायें आमंत्रित की जाती है, जिन पर आवश्यकतानुसार निगोसियेशन भी किया जा सकता है। अधोहस्ताक्षरी को निविदा की शर्तो में परिवर्तन करने एवं बिना कारण बताये एक या समस्त निविदायें निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

(आर.के. जैन)
प्रधान प्रबन्धक

सियासत

केंद्रीय मंत्री बैरागी कैंप में 'जन-जन की सरकार : चार साल बेमिसाल' कार्यक्रम को करेंगे संबोधित, मुख्यमंत्री ने किया कैंप का निरीक्षण

शाह आज हरिद्वार में, चुनावी हैट्रिक को देंगे रणनीतिक मंत्र

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज हरिद्वार में 'जन-जन की सरकार : चार साल बेमिसाल' कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। विविध कार्यक्रमों के अलावा शाह प्रदेश कोर कमेटी की बैठक में भी प्रतिभाग करेंगे, जहां वे 2027 के विधानसभा चुनाव में जीत की हैट्रिक के लिए कार्यकर्ताओं से लेकर पदाधिकारियों को रणनीतिक मंत्र देंगे।

इस कार्यक्रम को लेकर शासन-प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह के स्वागत के लिए कार्यक्रम स्थल बैरागी कैम्प के साथ ही हरिद्वार शहर को सजाया-संवारा जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को हरिद्वार का भ्रमण कर इस विराट आयोजन की तैयारियों का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री धामी ने बैरागी कैम्प पहुंचकर प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जनसभा स्थल, मंच, प्रदर्शनी क्षेत्र, पार्किंग व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, पेयजल, विद्युत आपूर्ति तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तृत अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कार्यक्रम की रूपरेखा और व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिए कि कार्यक्रम के सुव्यवस्थित एवं सुचारू आयोजन के लिए सभी तैयारियों का वरिष्ठ अधिकारी भली-भांति परीक्षण कर लें। उन्होंने आमजन की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के भी निर्देश दिए।

वहीं, प्रशासन द्वारा जारी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज शनिवार को हरिद्वार के बैरागी कैम्प में राज्य सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। साथ ही वे राज्य सरकार की उपलब्धियों पर आधारित विकास प्रदर्शनी तथा नई न्याय संहिताओं पर केंद्रित राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का उद्‌घाटन भी करेंगे। इस अवसर पर शाह राज्य के विकास से जुड़ीं अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे। मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान वन मंत्री सुबोध उनियाल, भाजपा के प्रदेश संगठन मंत्री अजय कुमार सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और पुलिस व प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह के हरिद्वार आगमन की पूर्व संध्या पर तैयारियों का जायजा लेते सीएम पुष्कर सिंह धामी।

रणनीतियों का होगा शंखनाद

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के अनुसार, केंद्रीय गृहमंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह पार्टी प्रदेश कोर कमेटी की दूसरी बैठक में भी शिरकत करेंगे, जिसमें वे प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं और उपलब्धियों के साथ संगठनात्मक गतिविधियों की भी चर्चा करेंगे। सरकार और संगठन आने वाले दिनों में आगे किस तरह जनता के बीच सरकार के कामों और पार्टी की सक्रियता को प्रभावी बनाने जा रहा है, उसकी रूपरेखा भी प्रस्तुत की जाएगी।

ईरान को बचाने के लिए हमारी उंगली ट्रिगर पर | कुर्द ईरान में घुसे तो सारे ठिकाने तबाह कर देंगे

दोहा, एजेंसी

- हूती नेता अब्दुल मलिक ने कहा- अपनी जरूरत पड़ने का कर रहे हैं इंतजार

यमन के हूती नेता अब्दुल मलिक अल हूती ने शुक्रवार को एलान किया कि अगर ईरान को बचाने में उनकी जरूरत पड़ी तो समूह की उंगलियां हमेशा ट्रिगर पर रहेंगी। अल हूती ने कहा, हम ईरान के साथ हैं और हमारे हाथ हमेशा ट्रिगर पर हैं। हम अपनी जरूरत पड़ने का इंतजार कर रहे हैं।

हूती नेता ने कहा कि इजराइल और उसके सभी साथी बिना किसी रोकटोक या प्रतिबद्धता के देश के आजाद लोगों के खिलाफ खुली जंग छेड़ रहे हैं। दुश्मन अपने विरोधियों की सूची बना रहा है। कुछ अरब देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है और हथियार जमा कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम इजराइल और अमेरिका का सामना करने के लिए ईरान का समर्थन करने को पूरी तरह तैयार हैं। यह समूह इस संवेदनशील समय में एक जरूरी संदेश देगा और इसका मकसद ईरानी जनता के लिए यमनी लोगों के पूरे समर्थन को फिर से पक्का करना होगा। इससे पहले गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत हैंस ग्रंडबर्ग ने यमन को क्षेत्रीय टकराव के नये मामले में फंसने से रोकने के महत्व पर जोर दिया।

ग्रंडबर्ग ने कहा, किसी भी पक्ष को देश को ऐसे बड़े झगड़े में धकेलने का हक नहीं है जिससे यमनी लोगों को और तकलीफ हो। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार ने भी हूतियों को ईरानी एजेंडा के समर्थन में किसी भी सैन्य अभियान में शामिल होने या पड़ोसी देशों या अंतरराष्ट्रीय हितों को लक्ष्य करने के लिए यमनी इलाके का इस्तेमाल करने के खिलाफ चेतावनी दी थी।

ईरान-अमेरिका इजराइल की जंग में कूदने को तैयार नए समूह

ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू करने के विरोध में फिलीपींस की राजधानी मनीला में लोगों ने अमेरिकी दूतावास पर प्रदर्शन किया।

तेहरान, एजेंसी

- ईरान ने कुर्द समूहों को दी अमेरिका के उकसावे में न आने की दी चेतावनी

ईरान के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने इराक के कुर्द अलगाववादी समूह को चेतावनी दी है कि अगर वे ईरान में प्रवेश करने का प्रयास करेंगे तो कुर्दिस्तान में उनके सभी ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा।

रक्षा परिषद में ईरानी सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि अली अकबर अहमदीन ने यह टिप्पणी उन खबरों के बीच की है, जिनमें कहा गया है कि अमेरिका ईरान-इराक सीमा के पास पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित कुर्द और ईरानी अलगाववादी समूहों का उपयोग उसके खिलाफ जमीनी हमले के लिए करना चाहता है। अहमदीन ने कहा, हम इराक के कुर्दिस्तान में अपने दोस्तों और भाइयों को आगाह करते हैं कि अब तक इस क्षेत्र में केवल अमेरिका, इजराइल और अलगाववादी समूहों के ठिकानों को ही निशाना बनाया गया है लेकिन, यदि उन्हें ईरान में प्रवेश करने, साजिश रचने या अपनी उपस्थिति जारी रखने की अनुमति दी गई तो इराक के कुर्दिस्तान की सभी सुविधाओं को व्यापक स्तर पर निशाना बनाया जाएगा।

ईरान के खुफिया मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि देश की सशस्त्र सेनाओं ने इराक से लगी पश्चिमी सीमा के पास मौजूद अलगाववादी समूहों के ठिकानों और सुविधाओं के एक बड़े हिस्से को नष्ट कर दिया है और उन्हें भारी नुकसान पहुंचाया है। आधिकारिक समाचार एजेंसी इरना की रिपोर्ट के अनुसार बयान में कहा गया कि यह पूर्व-निवारक सैन्य अभियान उसकी सेनाओं और ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गाड्र्स कॉर्प्स की सेनाओं द्वारा संयुक्त रूप से अंजाम दिया गया।

वर्ल्ड ब्रीफ

प. एशिया से 14,992 यात्री भारत लौटे

नई दिल्ली। अमेरिका और इजराइल की ओर से 28 फरवरी को ईरान पर किए गए हमले के बाद पश्चिम एशिया में फंसे 14,992 यात्री अब तक भारत लौटे हैं। ये यात्री विभिन्न भारतीय तथा विदेशी विमान सेवा कंपनियों की उड़ानों में भारत आए हैं। इनमें 7,205 5 मार्च को देश लौटे हैं जब एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ एयर इंडिया और अकासा ने भी पश्चिम एशिया के विभिन्न शहरों से नियमित उड़ानें शुरू कीं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि 6 मार्च को पश्चिम एशिया से 51 उड़ानों का परिचालन किया गया। मंत्रालय के सोशल मीडिया पोस्ट में 278 उड़ानों के रद्द रहने की जानकारी दी गई है। बताया गया है कि पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से यात्रियों की 1,881 शिकायतों का समाधान मंत्रालय स्थित यात्री सहायता नियंत्रण कक्ष द्वारा किया गया है।

लंदन: ईरान के लिए जासूसी, चार पकड़े

लंदन। लंदन पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि यहूदी समुदाय की जासूसी करके ईरान की मदद करने के संदेह में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुसार इन संदिग्धों में एक ईरानी और तीन ब्रिटिश-ईरानी दोहरी नागरिकता वाले व्यक्ति शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि 22, 40, 52 और 55 वर्ष की आयु के इन पुरुषों को उत्तरी लंदन और उसके आसपास के इलाकों से देर रात गिरफ्तार किया गया। आसपास की अन्य संपत्तियों की भी तलाशी ली जा रही है। लंदन में आतंकवादरोधी पुलिस इकाई की प्रभारी कमांडर हेलेन फ्लैनगन ने कहा, हम यह बात समझते हैं कि यहूदी समुदाय इस घटना से चिंतित हो सकता है। हमेशा की तरह मैं उनसे सतर्क रहने का अनुरोध करती हूं और यदि उन्हें कुछ भी संदिग्ध दिखाई दे या सुनाई दे तो तुरंत हमसे संपर्क करें। ये गिरफ्तारियां ऐसे समय पर हुई हैं जब अमेरिका और इजराइल लगातार ईरान पर हमले कर रहे हैं।

भीषण धमाकों से गूंजे ईरान के कई शहर तेल अवीव पर भी बरसे ड्रोन-मिसाइलें

इजराइल ने तेहरान में बाजारों और रिहायशी इलाकों को भी बनाया हवाई हमलों का निशाना

तेहरान/वॉशिंगटन, एजेंसी

- 50 फाइटर जेट ने हमला कर तबाह किया खामेनेई का पुराना बंकर
- हिजबुल्ला ने इजराइलियों को सीमाई इलाका खाली करने को कहा

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच युद्ध के सातवें दिन दोनों पक्षों ने एक दूसरे के ठिकानों पर जमकर हमले किए। इजराइल ने तेहरान में बड़े पैमाने पर हमलों की लहर शुरू की है। सीएनएन और अलजजीरा के अनुसार, शहर में बड़े धमाके हुए हैं और मोटा काला धुआं उठ रहा है। इस हमले में एक व्यस्त शॉपिंग स्ट्रीट और रेजिमेंटल इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ रिहायशी इलाकों को भी निशाना बनाया गया। तेहरान के लोगों ने इसे सबसे खराब रात बताया। इस बीच इजराइली बल ने दावा किया है कि उसके 50 फाइटर जेट ने हमला कर खामेनेई के पुराने बंकर को तबाह कर दिया है। जवाब में ईरान ने भी इजराइल के तेल अवीव में ड्रोन और मिसाइलों की बरसात की।

अमेरिका और इजराइल ने सातवें दिन तेहरान सहित ईरान के कई शहरों पर भीषण हवाई हमले किए। इजराइली सेना ने बताया कि उसने तेहरान में ईरानी सरकार के बुनियादी ढांचों पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। इजराइली सैन्य प्रमुख इयाल जमीर ने कहा कि शनिवार को शुरू हुए अमेरिका-इजराइल के संयुक्त अभियान के बाद से इजराइल के लड़ाकू विमान लगभग 2,500 हमले कर चुके हैं और 6,000 से अधिक बम गिराए जा चुके हैं। इजराइल ने बेरूत में हिजबुल्ला के ठिकानों पर भी हवाई हमले किए और कमांड सेंटर और 10 बहुमंजिला इमारतों को निशाना बनाया गया है। इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के एक बयान के अनुसार, ये हमले बेरूत के उपनगरीय इलाके दाहियेह में किए गए। यहां हिजबुल्ला के एक कार्यकारी परिषद कमांड सेंटर और ड्रोन भंडारण सुविधा को नष्ट कर दिया गया, जिनका उपयोग इजराइल पर हमले करने के लिए किया जा रहा था।

ईरान ने भी इजरायल पर बड़ा जवाबी हमला किया है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के अनुसार, ईरान ने तेल अवीव के ठिकानों को निशाना बनाते हुए बड़ी संख्या में यूएवी (ड्रोन) और खैब'' मिसाइलें दागी हैं। आईआरजीसी के हवाले से बताया गया कि ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4 के तहत नए हमले शुरू हो गए हैं। कुवैत के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी कि ईरानी हमले में अब तक कुवैत सशस्त्र बल के 67 सैनिक घायल हुए हैं। इधर हिज्बुल्ला ने लेबनान की सीमा से लगे पांच किलोमीटर के दायरे में रहने वाले इजराइल के नागरिकों को शहरों को छोड़कर किसी दूसरे स्थान पर चले जाने के लिए कहा है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार हिज्बुल्ला ने यह चेतावनी हिब्रू में अपने टेलीग्राम चैनल पर एक संदेश साझा कर दी।

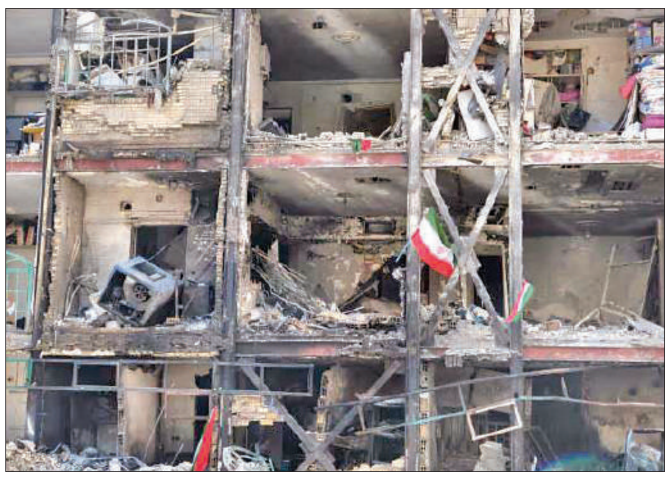
हवाई हमलों में तेहरान में तहस-नहस हुई एक इमारत पर लहराता ईरानी झंडा।

राष्ट्र की संप्रभुता से समझौता नहीं करेंगे: पेजेशकियान

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने शुक्रवार को मध्यस्थता की बात पर कहा कि यह सवाल उनसे पूछा जाना चाहिए, जिन्होंने इस संघर्ष की आग भड़काई है। पेजेशकियान ने 'एक्स' पर जारी बयान में कहा, हम स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि हम क्षेत्र में स्थाई शांति के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन अपने राष्ट्र की गरिमा और संप्रभुता की रक्षा करने में पीछे नहीं हटेंगे।

आखिरी गोली तक लड़ेंगे, निशस्त्र जहाज पर हमले की सजा जरूर देंगे

- ईरान के उपविदेश मंत्री ने कहा- यह टकराव अब ईरान के अस्तित्व का युद्ध

नई दिल्ली। ईरान के उप विदेश मंत्री सईद खतीबजादेह ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका और इजराइल के साथ ईरान का टकराव अब तेहरान के लिए अस्तित्व का युद्ध बन गया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजराइल ने पूरी तरह झूठ की बुनियाद पर ईरान पर हमला किया और तेहरान के पास उन्हें आखिरी गोली तक जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा श्रीलंका के तट के पास ईरानी युद्धपोत का डुबोए जाने का हवाला देते हुए खतीबजादेह ने चेतावनी दी कि बिना शस्त्र वाले जहाज पर हमले की सजा जरूर दी जाएगी। ईरान के उप विदेश मंत्री ने 'रायसीना संवाद' में एक सत्र के दौरान और बाद में पत्रकारों के साथ बातचीत में ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा, सऊदी अरब से लेकर ओमान तक सभी जानते हैं कि यह इजराइल का युद्ध है। इजराइल ने अमेरिकियों को इस युद्ध में घसीटा है क्योंकि उन्हें ग्रेटर इजराइल का भ्रम है। खाड़ी देशों को पता है कि इस युद्ध का उद्देश्य इजराइलियों को उस भ्रम को आगे बढ़ाने से रोकना है। उन्होंने दलील दी, क्या देशों के बीच समस्याओं के समय राष्ट्राध्यक्ष को निशाना बनाया जाना चाहिए, यह अभूतपूर्व है। अगर यह नया नियम बन जाता है तो यह बेहद खतरनाक है।

न्यूयॉर्क का मेयर नहीं चुन सकते ईरान पर थोपना चाहते हैं नेतृत्व

खतीबजादेह ने ट्रंप द्वारा ईरान में नेतृत्व बदलने की मांग के सवाल पर कहा, कोई व्यक्ति जो न्यूयॉर्क का महापौर भी नहीं चुन सकता, वह ईरान के नेतृत्व पर अपनी बात रखना चाहता है। उन्होंने कहा, ट्रंप घर में लोकतंत्र चाहते हैं लेकिन विदेशों में चुनी हुई सरकारों को गिराना चाहते हैं। खतीबजादेह ने कहा कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद नहीं किया है और शिपिंग रोक दी है क्योंकि बीमाकर्ता जहाजों को कवर करने से इन्कार कर रहे हैं।

हिजबुल्ला के विरुद्ध इजराइली सेना ने लेबनान की राजधानी बेरुत में बरसाए बम।

कोच्चि में ईरानी पोत को दी आपात डॉकिंग की मंजूरी चालक दल को भी ठहराया

- जहाज में तकनीकी खराबी आने के बाद ईरान ने किया था आग्रह

नई दिल्ली। भारत ने कोच्चि में एक ईरानी पोत को आपातकालीन स्थिति में खड़े होने की अनुमति दी है और इसके चालक दल के 183 सदस्यों के लिए ठहरने की व्यवस्था की है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि 'आइरिस लावन' नामक पोत में तकनीकी समस्याएं पैदा होने के बाद ईरानी पक्ष के अनुरोध के बाद एक मार्च को इसे आपातकालीन डॉकिंग की मंजूरी दी गई।

श्रीलंका के अपतटीय क्षेत्र में अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा टॉरपीडो दागकर ईरानी युद्धपोत 'आइरिस डेना' को डुबोए जाने से कुछ दिन पहले ईरान की ओर से 'आइरिस लावन' के संबंध में भारत से संपर्क किया गया था। सूत्रों के अनुसार, श्रीलंका के दक्षिण में 'आइरिस डेना' पर हुए हमले से कुछ दिन पहले, ईरान ने भारत से 'आइरिस लावन' को शरण देने का अनुरोध किया था, जो 'इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू' के लिए उस क्षेत्र में मौजूद था। उन्होंने बताया कि यह अनुरोध 28 फरवरी को प्राप्त हुआ था, जिसमें यह संकेत दिया गया था कि कोच्चि में रुकना अत्यावश्यक है क्योंकि पोत में तकनीकी समस्याएं उत्पन्न हो गई थीं। पोत को एक मार्च को खड़ा होने की अनुमति दी गई और चार मार्च को यह कोच्चि में खड़ा हो गया। उन्होंने बताया कि इसके चालक दल के 183 सदस्य कोच्चि स्थित नौसैन्य परिसरों में ठहरे हुए हैं।

रूस ने ईरान को दी जानकारी, अमेरिकी सेना पर हमला करने में मिलेगी मदद

- दोनों देशों में पहले से हैं दोस्ताना संबंध

वाशिंगटन। रूस ने ईरान को ऐसी जानकारी प्रदान की है जिससे उसे क्षेत्र में अमेरिकी युद्धपोतों, विमानों और अन्य संपत्तियों पर हमला करने में मदद मिल सकती है। दो अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

दोनों अधिकारियों को इस संवेदनशील मामले पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है और उन्होंने यह जानकारी अपना नाम गुप्त रखने की शर्त पर दी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को अभी तक यह पता नहीं चल सका है कि रूस, ईरान को दी गयी जानकारी के संबंध में क्या निर्देश दे रहा है। उन्होंने कहा कि फिर भी, ऐसे संकेत हैं कि रूस ने उस युद्ध में शामिल होने की कोशिश की है जिसे अमेरिका और इजराइल ने ईरान के खिलाफ शुरू किया है। रूस उन देशों में से एक है जिनके ईरान के साथ दोस्ताना संबंध हैं।

भारतीय न्यूज चैनलों की फिर किरकिरी, टीआरपी की रिपोर्टिंग पर लगी रोक

दिल्ली, एजेंसी

- ईरान युद्ध पर फर्जी सामग्री दिखाने पर सख्ती, बार्क को जारी किए गए निर्देश

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय न्यूज चैनलों की एक बार फिर किरकिरी हुई है। सरकार ने टेलीविजन रेटिंग एजेंसी ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बार्क) को निर्देश दिया कि वह चार सप्ताह की अवधि या अगले आदेश तक के लिए टीवी न्यूज चैनलों के टेलीविजन रेटिंग पॉइंट्स (टीआरपी) की रिपोर्टिंग को तत्काल रोक दे।

यह निर्देश इसलिए जारी किया गया है क्योंकि कुछ न्यूज चैनल इजराइल-ईरान संघर्ष के बारे में अनावश्यक सनसनीखेज और अटकलबाजी पर आधारित सामग्री दिखा रहे हैं, इससे आम लोगों विशेष रूप से प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले या संघर्ष क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के बीच घबराहट पैदा होने की आशंका है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से 16 जनवरी, 2014 को टेलीविजन रेटिंग के लिए जारी भारत में टेलीविजन रेटिंग एजेंसियों के लिए नीति दिशानिर्देश के अनुसार ''बार्क'' एक पंजीकृत टेलीविजन रेटिंग एजेंसी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने अपने निर्देश में कहा कि उसने पाया है कि इजराइल-ईरान संघर्ष के बीच कुछ न्यूज चैनल सनसनीखेज और गलत तथ्यों पर आधारित सामग्री'' दिखा रहे हैं।

नीतिगत दिशा-निर्देशों के खंड 24.2 में यह निर्धारित किया गया है कि कंपनी को समय-समय पर मंत्रालय की ओर से जारी किए गए किसी भी आदेश, विनियम, दिशा-निर्देश आदि का पालन करना आवश्यक होगा। निर्देश में कहा गया है, इसलिए, जनहित में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय मेसर्स 'बार्क' को निर्देश देता है कि वह समाचार टीवी चैनलों के टेलीविजन रेटिंग पॉइंट्स (टीआरपी) की रिपोर्टिंग को चार सप्ताह की अवधि के लिए या अगले निर्देश तक तत्काल रोक दे।

कश्मीर में पांच दिन बाद हाईस्पीड इंटरनेट सेवा बहाल

श्रीनगर। कश्मीर में पांच दिन के बाद शुक्रवार को हाईस्पीड मोबाइल इंटरनेट सेवा बहाल कर दी गई। अधिकारियों ने कहा कि पांच दिन पहले अमेरिका-इजराइल विरोधी प्रदर्शनों के बढ़ने पर एहतियात के तौर पर इंटरनेट की गति को सीमित करने का आदेश दिया गया था। अब घाटी भर में मोबाइल इंटरनेट और प्रीपेड सिम कार्ड सेवाएं पहले की तरह बहाल कर दी गई हैं। ईरानी के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के विरोध में सोमवार को कश्मीर भर में स्वत:स्फूर्त विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर मोबाइल इंटरनेट की गति सीमित कर दी गई थी। खामेनेई की मौत शनिवार को तेहरान में हुए हवाई हमले में हुई थी।

भाजपा बंगाल में एक करोड़ नाम हटाने की रच रही साजिश

कोलकाता, एजेंसी

- ममता ने कहा- हर रोज अधिकारियों को फोन कर धमकाते हैं अमित शाह
- ज्ञानेश कुमार अभी वैनिश कुमार, जल्द हो जाएंगे फिनिश कुमार

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को भाजपा पर विधानसभा चुनाव जीतने के लिए एसआईआर के जरिए राज्य की मतदाता सूची से एक करोड़ से अधिक लोगों के नाम हटाने की साजिश रचने का आरोप लगाया। एक साक्षात्कार में ममता ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अपनी पार्टी के इस एजेंडे को पूरा करने के लिए दो वरिष्ठ अधिकारियों को धमकाने का भी आरोप लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के तहत तार्किक विसंगति की आड़ में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बड़ी संख्या में महिलाओं, अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति के लोगों, मुसलमानों और बिहारी जैसे भाषाई समुदायों के नामों को हटा दिया है, जो 2002 के बाद दशकों से राज्य में मतदान करते आ रहे हैं। राज्य में इससे पहले 2002 में एसआईआर हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा इस बार मतदाता सूची से 1.3 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाने की योजना बना रही है लेकिन हम लड़ेंगे और ऐसा नहीं होने देंगे। मुझे पता है कि यह एक राजनीतिक लड़ाई है। मतदाता सूची से वास्तविक मतदाताओं के नाम गायब करने में भूमिका के लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त को "वैनिश कुमार" बताते हुए उन्होंने कहा कि वह आने वाले दिनों में "फिनिश कुमार" बन जाएंगे। उन्होंने संकेत दिया कि उनका कार्यकाल जल्द ही समाप्त हो जाएगा।

ममता बनर्जी ने कहा, बंगाल में चुनाव आयोग के दो प्रतिनिधि भी लोगों को मतदान करने से रोकने की शाह की साजिश में शामिल हैं। मुझे जानकारी मिली है कि अमित शाह लगभग हर दिन अधिकारियों को फोन कर उन्हें धमकी दे रहे हैं। शाह और कुमार को महिला विरोधी बताते हुए कहा, शादी के बाद महिलाएं पैतृक पता बदल लेती हैं, कई बार ससुराल वालों का उपनाम भी अपना लेती हैं। क्या आयोग को यह बात पता नहीं है। शाह और कुमार ने लाखों ऐसी महिलाओं के नाम तार्किक विसंगति में शामिल करके महिला-विरोधी रवैया दिखाया है।

एप पर यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करा सकेंगी महिला रेलकर्मी

- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आज से होगी शुरुआत

नई दिल्ली। रेलवे की महिला कर्मचारी आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) एप्लिकेशन के माध्यम से कार्यस्थल से संबंधित यौन उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज करा सकती हैं।

रेल मंत्रालय के पांच मार्च के एक परिपत्र में कहा गया है, भारत सरकार के मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार महिला कर्मचारियों की यौन उत्पीड़न की शिकायतों के समाधान के लिए विभिन्न स्तरों पर समितियों का गठन किया जाना आवश्यक है। कहा गया है कि महिला कर्मचारियों के सशक्तीकरण के लिए यौन उत्पीड़न घटना अधिसूचना (शाइन) मॉड्यूल का उद्देश्य यौन उत्पीड़न की घटनाओं की रिपोर्टिंग को अधिक गोपनीय बनाना और उनका शीघ्रता से समाधान करना है। सभी रेलवे जोन के महाप्रबंधकों को संबोधित परिपत्र में कहा गया है, यह सुविधा सभी महिला कर्मचारियों के लिए उपलब्ध है और इस एप्लीकेशन के माध्यम से वे सीधे अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं।

रायसीना डायलॉग नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने कहा- संक्षिप्त और निर्णायक युद्धों का युग आने की उम्मीद बेमानी

रक्षा औद्योगिक परिसर के निर्माण के साथ होना होगा हाईटेक

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्व में जारी विभिन्न संघर्षों के मद्देनजर नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने कहा कि देशों को अपने औद्योगिक परिसर का निर्माण करना होगा, उत्पादन के साथ प्रौद्योगिकी का भी उन्नयन करना होगा और त्वरित अनुकूलन के लिए तैयार रहना होगा। नौसेना प्रमुख यहां जारी 'रायसीना डायलॉग' में 'शांति के शिल्पकार: उदार व्यवस्था के लिए आयुध कारखाने' विषय पर एक सामूहिक चर्चा में बोल रहे थे।

संवाद के दौरान उनसे विश्व के विभिन्न हिस्सों में हाल के संघर्षों से मिले सबक के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैं भूराजनीति पर टिप्पणी नहीं करूंगा लेकिन जो बात स्पष्ट रूप से सामने आई है और जिसे हमने विश्व भर में विशेष रूप से पिछले तीन-चार वर्षों में देखा है, वह यह है कि यह संक्षिप्त और निर्णायक युद्ध का विचार सवालों के घेरे में आ सकता है। उन्होंने कहा कि जिसे शीत युद्ध के बाद की शांति का लाभ माना जाता था, वह निश्चित रूप से समाप्त हो गया है। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, इसलिए देशों को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए तैयार रहना होगा और इस स्थिति में उन्हें अपना औद्योगिक परिसर भी बनाना होगा। अधिकांश देश किसी न किसी रूप में, व्यक्तिगत रूप से या अन्य देशों के साथ साझेदारी में ऐसा कर रहे हैं।

प्रौद्योगिकी में हो रहे तेज बदलाव को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, हमें उत्पादन के साथ खुद को भी उन्नत करना होगा। ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और अन्य देशों के सदस्यों के साथ पैनल साझा करते हुए एडमिरल ने यह भी कहा कि देशों को तीव्र अनुकूलन स्थापित करने की आवश्यकता है।

उम्मीद है भारतीय नौसेना जल्द आत्मनिर्भर होगी

दर्शकों की ओर से भारतीय रक्षा उद्योग पर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि नौसेना स्वदेशी समाधानों पर विचार कर रही है। कुछ विशिष्ट प्रौद्योगिकियां हैं जिन पर हम कुछ संरचित कार्यप्रणालियों के तहत अपने साझेदार देशों के साथ काम कर रहे हैं। इसलिए यह स्वदेशी उत्पादन और विकास को बढ़ावा देने के साथ सह-विकास, सह-उत्पादन और ''मेक इन इंडिया'' के संदर्भ में अपने भागीदारों के साथ काम करने का एक संयोजन है। हम अच्छी स्थिति में हैं, और हमें उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भारतीय नौसेना आत्मनिर्भर हो जाएगी। ऑस्ट्रेलिया की संयुक्त क्षमता समूह की प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल सुसान कॉयल ने कहा, पूरी दुनिया क्षमता की तलाश में है, दुनिया को अधिक हथियार चाहिए, उन्हें अधिक सैन्य प्लेटफॉर्म चाहिए, लेकिन एक उद्योग की ओर से प्रदान की जा सकने वाली क्षमता की एक सीमा होती है।

कांग्रेस नेताओं ने खामेनेई की मौत पर संवेदना जताई

नई दिल्ली। कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को ईरानी दूतावास पहुंचकर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर संवेदना प्रकट की। पार्टी के विदेश विभाग के प्रमुख सलमान खुर्शीद और कई अन्य नेताओं ने ईरानी दूतावास में शोक पुस्तिका में हस्ताक्षर किए। इन नेताओं में खुर्शीद के अलावा कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा, पार्टी नेता हसन अहमद और अली मेहंदी शामिल थे। बीती 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के हवाई हमले में खामेनेई की मौत हो गई थी।

समय के साथ हम अक्सर जिस चीज से डरते हैं, उससे ही नफरत करने लगते हैं।
–शेक्सपियर, अंग्रेजी नाटककार

संतुलित कूटनीति ही सही

भारत से लौटते ईरानी युद्धपोत को अमेरिका द्वारा लंका के निकट हिंद महासागर में मार गिराना हो या ईरान द्वारा कथित रूप से अल्बानिया पर हमला, ऐसी खबरों ने यह आशंका गहरी कर दी है कि यह संघर्ष क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक संकट बन सकता है। जब किसी क्षेत्रीय संघर्ष में बड़ी शक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल हो जाती हैं, तो उसका दायरा तेजी से बढ़ने लगता है। ईरान और अमेरिका के बीच बढता सैन्य टकराव वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री व्यापार मार्गों और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करेगा। अमेरिकी राजनीति में लंबे समय से यह धारणा रही है कि ईरान की वर्तमान इस्लामी व्यवस्था उसके हितों के अनुकूल नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेताओं ने कई बार ईरान की मौजूदा सत्ता को बदलने की अप्रत्यक्ष इच्छा व्यक्त की है। पर वे किस तरह का बदलाव चाहते हैं? क्या ट्रंप की मंशा है कि वह वेनेजुएला की तरह ईरान का सत्ता प्रमुख स्वयं चुनें और फिर ईरान की व्यवस्था अमेरिका या उनके मुताबिक चले?

किसी भी संप्रभु देश की सरकार का निर्धारण बाहरी शक्तियों द्वारा किया जाना अंतर्राष्ट्रीय कानून और लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। ट्रंप को ईरान के सर्वोच्च पद पर खामेनेई का बेटा इसलिए स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि इससे ईरान की मौजूदा व्यवस्था और अधिक मजबूत हो सकती है। अमेरिका संभवतः ऐसी नेतृत्व संरचना चाहता है, जो उसकी नीतियों के प्रति पूर्णतया अनुकूल हो। परंतु सवाल है कि ईरान के नेतृत्व का निर्णय कौन करेगा, ईरानी जनता और उसकी राजनीतिक व्यवस्था या ट्रंप? अंतरdराष्ट्रीय जलक्षेत्र में ईरान के एक जहाज पर अमेरिकी हमले की खबर चिंताजनक है। सामान्यतः ऐसी सैन्य कार्रवाई से पहले संबंधित देशों को चेतावनी दी जाती है, विशेषकर तब जब वह जहाज किसी तीसरे देश के बंदरगाह से होकर गुजर रहा हो। भारत का अतिथि रहकर वापस जा रहे जहाज पर हमले के बाद अपेक्षित था कि इस घटना पर संवेदना और चिंता व्यक्त की जाती। भारत जैसे जिम्मेदार देश के लिए यह संतुलन साधना कठिन अवश्य है, परंतु मानवीय दृष्टि से प्रतिक्रिया अपेक्षित होती है। जहां तक अमेरिका-इसराइल और ईरान के बीच संघर्ष की दिशा का प्रश्न है, फिलहाल यह एक सीमित, लेकिन तीव्र टकराव की ओर बढ़ता दिख रहा है। दोनों पक्ष प्रत्यक्ष युद्ध से बचने की कोशिश करते हुए भी एक-दूसरे पर दबाव बनाने की रणनीति अपना रहे हैं, यदि यह संतुलन टूटता है तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं।

परंपरागत रूप से संवाद, कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान के समर्थक भारत ने पश्चिम एशिया में संघर्ष के शीघ्र अंत का आह्वान किया है। फिलहाल भारत के लिए इस स्थिति में सबसे उपयुक्त नीति संतुलित कूटनीति की है। भारत के संबंध अमेरिका, इसराइल और ईरान तीनों से महत्वपूर्ण हैं। ऊर्जा सुरक्षा, भारतीय प्रवासी समुदाय और व्यापारिक हितों को देखते हुए भारत को किसी पक्ष में खुलकर खड़े होने के बजाय शांति और संवाद का समर्थक बनकर रहना होगा। साथ ही वैश्विक मंचों पर अंतर्राष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के सिद्धांतों की रक्षा की आवाज उठानी होगी। राष्ट्रीय हितों और वैश्विक स्थिरता दोनों के लिए यही नीति सर्वाधिक उपयुक्त है।

प्रसंगवश

न्याय के पहरेदारों की सुरक्षा का सवाल

उत्तर प्रदेश में पिछले दिनों रामपुर, बाराबंकी व करनैलगंज (गोंडा) ज़िले में वकीलों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना ने एक बार फिर प्रदेश में वकीलों की सुरक्षा को लेकर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। हत्या पर अधिवक्ता समुदाय में तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। पिछले कुछ वर्षों में वकीलों के प्रति अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है। प्रयागराज से लेकर नोएडा तक वकीलों की हत्याएं हुई हैं। शाहजहांपुर के कोर्ट परिसर में वकील की हत्या की गई। आगरा में उत्तर प्रदेश बार काउंसिल की पूर्व प्रथम महिला अध्यक्ष व अन्य वकील की हत्या, कानपुर, नोएडा, वाराणसी व हरदोई में वकीलों की हत्या आदि ऐसे कुछ चर्चित मामले हैं, जो प्रदेश में वकीलों की असुरक्षा को बयान करते हैं, इसके अलावा आये दिन वकीलों पर होने वाले जानलेवा हमलों और छोटे-बड़े अपराधों की फेहरिस्त काफी लंबी है। अधिवक्ता समुदाय के प्रति बढ़ते अपराधों के प्रति पुलिस विभाग और स्थानीय प्रशासन की कार्य प्रणाली पर सवाल उठना लाजमी है।

मु. खालिद जीलानी
एक्टिविस्ट

वकीलों की हत्या और उन पर होने वाले हमलों और दूसरी अपराधिक घटनाओं के विरोध में हर बड़ी घटना के बाद कभी बार काउंसिल तो कभी स्थानीय बार ऐसोसिएशन के आव्हान पर अदालतों में वकील हड़ताल और न्यायिक कार्य का बहिष्कार करने पर मजबूर होते हैं। वकीलों की अपने और अपने परिवारों की सुरक्षा के लिए एक प्रभावशाली क़ानून बनाने की सरकार से पुरानी मांग है, लेकिन उनकी इस मांग को लगातार अनसुना किया जाता रहा है। हर बार सरकारी या प्रशासनिक आश्वासन पर यकीन कर वकील अपना आंदोलन ख़त्म कर काम पर लौट आते हैं।

वकील क़ानून के शासन (रूल ऑफ़ लॉ) को बनाए रखने और न्याय सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाते हैं, वे आज हिंसा, उत्पीड़न और डराने-धमकाने का निशाना बन गए हैं, वकीलों पर व्यक्तिगत और संस्थागत रूप से हमले चिंता की बात है, जो उनकी स्वतंत्र और सुरक्षित रूप से क़ानून का अभ्यास करने की क्षमता को जान-माल के संभावित खतरों के कारण कम करते हैं। वकील न्याय के प्रशासन, मानवाधिकारों की सुरक्षा, प्रजातंत्र और क़ानून के शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वकीलों की स्वतंत्रता पर हमले पूरे क़ानूनी पेशे पर प्रभाव डाल सकते हैं। 'अदालत में वकीलों की निडरता, स्वतंत्रता, शुचिता, ईमानदारी, समानता ऐसे गुण हैं, जिनकी बलि नहीं दी जा सकती' (आर. मुथुकृष्णन बनाम रजिस्ट्रार जनरल ऑफ द हाईकोर्ट ऑफ ज्यूडिकेचर एट मद्रास एआईआर 2019 एससी 849)। मौलिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के प्रति सम्मान बनाए रखने के लिए क़ानूनी पेशे की स्वतंत्रता आवश्यक है। जब अधिवक्ता स्वतंत्र, निष्पक्ष, वस्तुनिष्ठ और अखंडता, स्वायत्तता और तटस्थता के साथ कार्य करने में असमर्थ होता है, तो न तो विधि का शासन कायम रह सकता और न ही न्याय ठीक से प्रशासित हो सकता है।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने जुलाई' 2021 में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट, 2021 का ड्राफ़्ट तैयार किया था। इस ड्राफ़्ट का प्रमुख लक्ष्य वकीलों और उनके परिवारों को मारपीट, अपहरण, अवैध कारावास जैसे अपराधों के ख़िलाफ़ सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अधिवक्ता (संरक्षण) विधेयक, 2021 में अधिवक्ता सुरक्षा और वकीलों के लिए वित्तीय सहायता के प्रावधान शामिल हैं। इसके अलावा, यदि कोई उनके अधिकारों का हनन या उल्लंघन करता है, तो ये वकीलों को मुआवज़ा भी देने का उल्लेख करता है। ये ड्राफ्ट कानून मंत्रालय को सौंप दिया था, लेकिन अब तक कोई केंद्रीय क़ानून नहीं बन सका।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

टैक्सेशन और वित्तीय पेशे पर एआई का प्रभाव

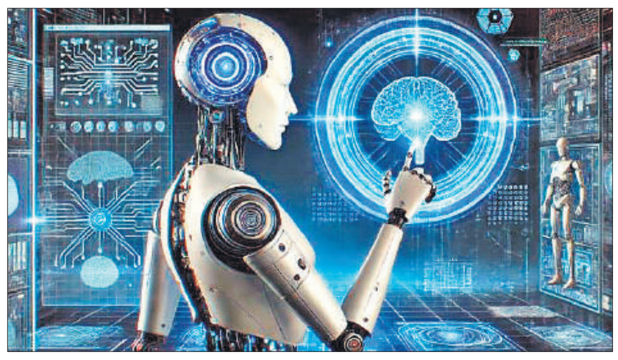

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

पिछले कुछ वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने बहुत तेजी से दुनिया की अर्थव्यवस्था, उद्योग और पेशेवर सेवाओं को बदलना शुरू कर दिया है। आज यह सवाल बहुत चर्चा में है कि क्या आने वाले समय में एआई टैक्सेशन, टैक्स फाइलिंग, चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA), कंपनी सेक्रेटरी (CS), फाइनेंशियल प्लानर और इंश्योरेंस अंडरराइटर जैसे पेशों की भूमिका को कम कर देगा। यह सवाल केवल भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में उठ रहा है।

टैक्सेशन और अकाउंटिंग का काम हमेशा से डेटा और गणना पर आधारित रहा है, इसलिए यह क्षेत्र ऑटोमेशन और एआई के लिए बहुत उपयुक्त माना जाता है। आज टैक्स रिटर्न भरना पहले की तुलना में बहुत आसान हो गया है। कई जानकारियां पहले से सिस्टम में भरी हुई मिलती हैं और कुछ ही मिनटों में रिटर्न फाइल हो जाता है। बैंकिंग, जीएसटी, पैन और डिजिटल लेन-देन के डेटा के जुड़ने से कर प्रणाली अब पहले से ज्यादा डेटा आधारित हो गई है। आने वाले समय में साधारण टैक्स फाइलिंग और अनुपालन से जुड़े कई काम पूरी तरह मशीनों द्वारा किए जा सकते हैं।

दुनिया भर में वित्त और अकाउंटिंग के क्षेत्र में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। बड़ी अकाउंटिंग और कंसल्टिंग कंपनियां मशीन लर्निंग और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग कर रही हैं, जिससे ऑडिट, जोखिम का आकलन और वित्तीय विश्लेषण पहले से ज्यादा तेज और सटीक हो गया है। एआई लाखों लेन-देन को बहुत कम समय में जांच सकता है, गड़बड़ी पकड़ सकता है और रिपोर्ट तैयार कर सकता है। पहले जो काम कई दिन या हफ्तों में होता था, वह अब कुछ घंटों में हो सकता है। फिर भी इसका मतलब यह नहीं है कि CA, CS या वित्तीय सलाहकार जैसे पेशे खत्म हो जाएंगे। असल में इन पेशों का काम करने का तरीका बदलने वाला है। दोहराए जाने वाले साधारण काम जैसे डेटा एंट्री, बेसिक कैलकुलेशन और फॉर्म भरना मशीनें आसानी से कर सकती हैं, लेकिन टैक्स प्लानिंग, कानून की सही व्याख्या, जटिल वित्तीय ढांचे को समझना, कंपनी को रणनीतिक सलाह देना और जोखिम प्रबंधन जैसे कामों में इंसानी अनुभव और समझ की जरूरत हमेशा रहेगी। इंश्योरेंस और फाइनेंशियल प्लानिंग के क्षेत्र में भी एआई का उपयोग बढ़ रहा है। आज कई डिजिटल प्लेटफॉर्म कुछ ही मिनटों में किसी व्यक्ति की आय, खर्च और निवेश के आधार पर सलाह दे देते हैं।

बीमा कंपनियां भी जोखिम का आकलन और क्लेम की जांच में एआई का उपयोग कर रही हैं, जिससे समय और लागत दोनों कम हो रहे हैं, लेकिन भारत जैसे देश में लोग केवल आंकड़ों के आधार पर फैसले नहीं लेते; वे परिवार, भविष्य की जरूरतों और व्यक्तिगत परिस्थितियों को भी ध्यान में रखते हैं, इसलिए मानवीय सलाहकार की भूमिका पूरी तरह खत्म होने की संभावना कम है।

भारत में एआई द्वारा इस क्षेत्र में पूरी तरह बदलाव आने में समय लगने के कई कारण हैं। पहला कारण डिजिटल साक्षरता और तकनीकी ढांचे में अंतर है। बड़े शहरों में लोग तकनीक का उपयोग आसानी से कर लेते हैं, लेकिन छोटे शहरों और कस्बों में अभी भी कई लोग डिजिटल प्रक्रियाओं से पूरी तरह परिचित नहीं हैं। दूसरा कारण यह है कि भारत में टैक्स और कॉर्पोरेट कानून काफी जटिल हैं और समय-समय पर बदलते रहते हैं। कई मामलों में कानून की सही व्याख्या करना जरूरी होता है, जो केवल मशीनों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। तीसरा कारण विश्वास का है। भारत में लोग अपने निवेश और टैक्स से जुड़े फैसलों में व्यक्तिगत सलाह को अधिक महत्व देते हैं। वे किसी जानकार से बात करना ज्यादा सुरक्षित मानते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले पांच से दस वर्षों में साधारण टैक्स फाइलिंग और अनुपालन का बड़ा हिस्सा काफी हद तक ऑटोमेटेड हो सकता है। वेतनभोगी वर्ग और छोटे व्यवसायों के लिए एआई आधारित सेवाएं सामान्य हो सकती हैं, लेकिन बड़े कॉर्पोरेट मामलों, अंतर्राष्ट्रीय कर योजना और जटिल वित्तीय मामलों में पेशेवरों की जरूरत लंबे समय तक बनी रहेगी, इसलिए भारत में इस क्षेत्र में पूरी तरह एआई आधारित व्यवस्था बनने में कम से कम पंद्रह से बीस वर्ष लग सकते हैं। यह बदलाव भारत के लिए अवसर भी लेकर आएगा और चुनौतियां भी।

अवसर यह है कि तकनीक से पारदर्शिता बढ़ेगी, टैक्स अनुपालन बेहतर होगा और सेवाओं की लागत कम हो सकती है। छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स को सस्ती और तेज सेवाएं मिल सकेंगी। सरकार के लिए भी टैक्स संग्रह आसान हो सकता है, क्योंकि डेटा आधारित निगरानी से कर चोरी कम हो सकती है, लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं हैं। लाखों पेशेवरों को अपने कौशल को अपडेट करना होगा और नई तकनीक सीखनी होगी। पारंपरिक तरीके से काम करने वालों के लिए यह बदलाव आसान नहीं होगा। इसके अलावा साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता भी एक बड़ी चिंता बन सकती है, क्योंकि वित्तीय डेटा बहुत संवेदनशील होता है। यदि तकनीक तक पहुंच में अंतर बना रहा, तो छोटे शहरों के पेशेवर पीछे रह सकते हैं।

अंत में यह समझना जरूरी है कि एआई किसी पेशे को खत्म नहीं करता, बल्कि उसे बदल देता है। जैसे कंप्यूटर आने के बाद अकाउंटेंट्स की जरूरत खत्म नहीं हुई, बल्कि उनका काम और अधिक महत्वपूर्ण और विश्लेषणात्मक हो गया, उसी तरह एआई भी पेशेवरों को अधिक मूल्यवान और रणनीतिक भूमिका निभाने का अवसर देगा। आने वाले समय में सफल वही पेशेवर होंगे जो तकनीक को अपनाएंगे, डेटा और डिजिटल टूल्स की समझ बढ़ाएंगे और समय के साथ खुद को बदलेंगे, इसलिए असली सवाल यह नहीं है कि एआई पेशेवरों की जगह लेगा या नहीं, बल्कि यह है कि पेशेवर एआई के साथ कदम मिलाकर चलने के लिए कितने तैयार हैं। यही भविष्य की सफलता का सबसे बड़ा आधार होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

> दुनियाभर में वित्त और अकाउंटिंग के क्षेत्र में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। बड़ी अकाउंटिंग और कंसल्टिंग कंपनियां मशीन लर्निंग और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग कर रही हैं।

आमने सामने

हम शुरुआत से इस बात को कहते रहे हैं कि चुनाव के बाद नीतीश कुमार को भाजपा के लोग मुख्यमंत्री पद पर नहीं रहने देंगे। आज वो बात सच हुई है। भाजपा ने पूरी तरीके से नीतीश कुमार को हाईजैक कर लिया है।
–तेजस्वी यादव
राजद नेता

यह सब तेजस्वी यादव के यहां होता है। इनके यहां लोग हाईजैक हो जाते हैं। जदयू और भाजपा में हाईजैक का कल्चर नहीं है। राजद के वंशवाद और परिवारवाद पर ताला लग गया है। राजद का बिहार की राजनीति में अंश नहीं बचा है।
–गौरव वल्लभ
भाजपा नेता

चिंता से बाहर होता दहेज हत्या का मसला

डॉ. सुनिधि मिश्रा
शिक्षाविद्

राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार 2017 से 2022 के मध्य देश में 35,493 दहेज-मृत्यु अभिलिखित की गईं। अर्थात् प्रतिदिन बीस विवाहित स्त्रियों की असामयिक मृत्यु। जिस देश में 'अधिकार, न्याय और कार्रवाई' की मांग सबसे अधिक प्रासंगिक है, वह देश इसी धरती पर है। भारत में दहेज-पीड़िताओं के विधिक अधिकारों की सूची प्रभावशाली है। 1961 का दहेज-निषेध अधिनियम, भारतीय दंड संहिता की धारा 498-क, घरेलू हिंसा संरक्षण अधिनियम 2005 और अब भारतीय न्याय संहिता की धारा 80 तथा 85, इन सबने एक सुदृढ़ विधिक ढांचा खड़ा किया है। तिरसठ वर्षों में यह ढांचा बार-बार सुधारा, परिमार्जित और सुदृढ़ किया गया, परन्तु 'अधिकार' की सार्थकता केवल उसके अभिलेखन में नहीं, उसके व्यावहारिक उपयोग में होती है। जब दोषसिद्धि की दर मात्र 11 से 17 प्रतिशत रहती हो, जब 67 प्रतिशत अंवेषण छह माह से अधिक काल तक अधर में रहते हों, तो कागज़ पर लिखे अधिकार उस स्त्री के किस काम के जो न्याय की प्रतीक्षा में प्राण गंवा देती है?

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2022 में 2,200 दहेज-प्रकरण अभिलिखित हुए, किंतु दंड केवल 320 को मिला। राष्ट्रीय महिला आयोग को 2024 में अकेले दहेज-उत्पीड़न की 4,383 शिकायतें प्राप्त हुईं। इन प्रकरणों में साक्षियों को भयभीत किया जाता है, सबूत विलुप्त होते हैं, पुलिस पारिवारिक दबाव में 'समझौते' को प्रोत्साहित करती है और न्यायालय वर्षों तक प्रकरण सुनती रहती है। इस प्रक्रिया में पीड़ित परिवार न्यायिक थकान का शिकार होकर या तो वाद वापस ले लेता है या मौन हो जाता है। 'न्याय' जब इतना महंगा, इतना दीर्घकालिक और इतना अनिश्चित हो, तो उसे न्याय नहीं, विशेषाधिकार कहना अधिक उचित होगा।

इस न्यायिक दौर्बल्य को समझने के लिए दहेज की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जड़ों की परीक्षा आवश्यक है। पितृसत्तात्मक समाज-व्यवस्था में स्त्री को उत्पादन की इकाई न मानकर उपभोग का साधन माना जाता रहा है। 'कन्यादान' की अवधारणा ने पुत्री के साथ संपत्ति भेजने को पितृ-कर्तव्य के रूप में प्रतिष्ठापित किया। इस सांस्कृतिक नींव पर दहेज की मांग धीरे-धीरे सामाजिक स्वीकृति प्राप्त करती गई और रूढ़ि का रूप ले लिया।

जब कोई प्रथा सांस्कृतिक अनुमोदन प्राप्त कर लेती है, तब उसे केवल विधिक दंड से नहीं बदला जा सकता, क्योंकि समाज उस दंड को अनुचित मानता है और उससे बचने के मार्ग ढूंढता है। यही कारण है कि तिरसठ वर्षों के कठोर विधान के उपरांत भी यह प्रथा अपना स्वरूप बदलकर जीवित है और यह नवीन स्वरूप पूर्व से कहीं अधिक जटिल है। आधुनिक उपभोक्तावाद ने दहेज की प्रकृति को रूपांतरित किया है, समाप्त नहीं। जहां पूर्व में भूमि, स्वर्णाभूषण और नकद राशि की मांग होती थी, वहां आज मोटरयान, उच्च-श्रेणी के गृह-उपकरण और कभी-कभी विदेश-यात्रा तक की अपेक्षा रखी जाती है।

सामाजिक संचार माध्यमों पर वायरल होने वाले भव्य विवाह-समारोहों ने एक प्रतिस्पर्धात्मक मनोवृत्ति को प्रोत्साहन दिया है जिसमें विवाह की भव्यता परिवार की प्रतिष्ठा का मानक बन गई है। ग्रामीण भारत में 95 प्रतिशत और नगरीय भारत में 'उपहार' तथा 'आशीर्वाद-स्वरूप' की आड़ में यही प्रथा अव्याहत जारी है। पहनावा बदला है, पर चरित्र वही है।

इस प्रथा का आर्थिक भार भी कम विध्वंसकारी नहीं है। दहेज की पूर्ति के लिए ग्रामीण परिवार प्रायः अपनी एक से तीन वर्ष की आय व्यय कर देते हैं। भूमि बिकती है, स्वर्ण गिरवी रखा जाता है और बैंकों से ऋण लिया जाता है। जब यह आर्थिक बलिदान वर-पक्ष को 'पर्याप्त' नहीं लगता, तब आरंभ होती है, वह प्रताड़ना जो घर की चारदीवारी में छिपी रहती है और जो अन्ततः उस 'रसोई दुर्घटना' के रूप में सामने आती है, जिसे पुलिस रिकॉर्ड में अभिलिखित किया जाता है। इस प्रकार दहेज एक साथ तीन अपराध करता है। यह एक आर्थिक शोषण है, एक मानवाधिकार उल्लंघन है और एक सुनियोजित हत्या की पृष्ठभूमि है।

विधिक स्तर पर दहेज-मृत्यु के प्रकरणों के लिए द्रुत विशेष न्यायालयों की स्थापना, निर्धारित कालावधि में निर्णय और पुलिस-तंत्र को लैंगिक संवेदनशीलता का बाध्यकारी प्रशिक्षण अनिवार्य है। दहेज-निषेध अधिकारियों को ग्राम स्तर पर वास्तविक निगरानी का अधिकार और उत्तरदायित्व दोनों मिलने चाहिए न कि केवल कागज़ी कार्रवाई। 'विकसित भारत 2047' का स्वप्न तब तक अपूर्ण है, जब तक प्रतिवर्ष सात हजार से अधिक दहेज-हत्याएं इस राष्ट्र की सीमाओं के भीतर होती रहें। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य क्रमांक पांच लैंगिक समानता और क्रमांक 16 न्यायपूर्ण संस्थाएं, दोनों की पूर्ति तब तक संभव नहीं, जब तक दहेज की यह प्रथा जीवित है। विश्व की पांचवीं वृहत्तम अर्थव्यवस्था होने का गौरव तब संपूर्ण होगा, जब उसके नागरिकों को, विशेषतः स्त्रियों को, न्याय की त्वरित और सुलभ पहुंच प्राप्त होगी।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

> दहेज हत्याएं सवालों और चिंताओं से बाहर हो गई हैं। यह तथ्य दुखद और शर्मिंदा करने वाला है कि भारत में प्रतिदिन बीस बहुएं दहेज की भेंट चढ़ जाती हैं।

सोशल फोरम

अकेलापन और बंद दरवाजे

अकेलापन एक अजीब चीज़ है। यह हमें उन दरवाज़ों की तरफ वापस खींच ले जाता है, जिन्हें हमने बड़ी मुश्किल से बंद किया था। कभी-कभी बस किसी की मौजूदगी की ख्वाहिश हमें फिर से उन्हीं गलत रिश्तों में उलझा देती है, जिनसे निकलने में हमें बहुत वक़्त लगा था, इसीलिए जरूरी है कि हम खुद को समझें और उस अकेलेपन से हार न मानें। जब कोई हमें नजरअंदाज करता है, बार-बार संदेश भेजने पर भी कोई जवाब नहीं देता, तो हमें यह समझ लेना चाहिए कि आत्मसम्मान, किसी भी उम्मीद से ज़्यादा ज़रूरी है। खुद को उस जगह से हटा लेना, जहां हमारी कद्र नहीं, एक तरह का प्यार ही है- खुद से।

प्रशस्ति पाठक
लेखिका

कुछ चीजें जीवन में हमारे काबू में नहीं होतीं। जैसे-बालों का झड़ना या दांतों का गिरना। ये छोटी-छोटी बातें हमें याद दिलाती हैं कि हम सब कुछ नियंत्रित नहीं कर सकते। यही जीवन है- थोड़ा बेतरतीब, थोड़ा असहज, लेकिन पूरी तरह से सच्चा। अक्सर लोग हमारी तरक्की को देखते हैं, लेकिन वे यह नहीं देख पाते कि उस तरक्की के पीछे कितनी तन्हाई छुपी होती है। खुद को बेहतर बनाने के रास्ते में हम इतने अकेले हो जाते हैं कि कभी-कभी कोई हमारे पास आकर बस इतना कह दे कि 'मैं समझता हूं,' तो आंखें भीग जाती हैं।

वक़्त के साथ एक और बात समझ में आई। सच्ची दोस्ती का रिश्ता समय और दूरी से नहीं, दिल से जुड़ा होता है। साल में बस दो-तीन बार मिलने वाले दोस्त भी उतने ही अपने होते हैं, जितना रोज़ मिलने वाला कोई और रिश्तों की गहराई का असली इम्तिहान तब होता है, जब खामोशी भी बोझ नहीं लगती। जब दो लोग साथ हों और कोई बात न हो, फिर भी सुकून बना रहे, तो समझो वो रिश्ता अब शब्दों से आगे निकल चुका है।

हमेशा उस जगह रहो, जहां तुम्हारे हुनर को सराहा जाए, जहां तुम्हें सम्मान मिले। ऐसे माहौल में रहना, जहां तुम्हें बार-बार खुद को साबित करना पड़े, वो जगह तुम्हारे लायक नहीं है और सबसे खूबसूरत बात ये है कि तुम्हारी जिंदगी में जो लोग तुम्हें सच्चे दिल से चाहेंगे, उनमें से बहुत से लोग अभी तक आए नहीं हैं। प्यार अभी बाकी है। आगे बहुत कुछ अच्छा होने वाला है। अगर आज का दिन बुरा भी हो, तो यह मत भूलो कि साल में 364 और दिन हैं। हो सकता है, कल सूरज तुम्हारे लिए कुछ नया ले कर आए। एक दिन का दुखी होना जिंदगी का अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत की दस्तक हो सकती है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

वैश्विक अनिश्चितताओं में भारत की विकास दर

जनसंख्या की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा देश भारत कोरोना काल से पहले ही तेज गति से बढ़ती आर्थिक शक्ति के रूप में उभर चुका था। विश्व की लगभग सभी रेटिंग एजेंसियों जैसे आईएमएफ, फीच, एसएंडपी, मूडीज आदि के अनुमानों के आधार पर भारत की विकास दर आने वाले वर्षों में लगभग साढ़े छह से साढ़े सात प्रतिशत रहने का अनुमान है। वहीं दूसरी ओर विश्व की बड़ी आर्थिक शक्तियां, विशेष रूप से अमेरिका और चीन, कोरोना महामारी के बाद विकास दर में उतार-चढ़ाव का सामना कर रही हैं। अमेरिका लगभग 2 से 2.2 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है और चीन की विकास दर 4 से 4.5 प्रतिशत के आसपास है, जो भारत की तुलना में कम है।

भारत की तेज गति से बढ़ती आर्थिक शक्ति का मुख्य कारण लगातार हो रहा ढांचागत विकास, सुदृढ़ होती परिवहन व संचार सुविधाएं तथा आर्थिक सुधारों के मद्देनजर लिए गए नीतिगत फैसले हैं, जैसे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के निवेश व टर्नओवर दायरे का विस्तार, आयकर सीमा में वृद्धि, जीएसटी दरों में कमी, नई श्रम संहिताओं का अमल में आना तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की दृष्टि से गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) योजना का लागू होना, इससे ग्रामीण स्तर पर औद्योगिक ढांचा विकसित होगा तथा रोजगार और आजीविका के अवसर बढ़ेंगे।

प्रो. एचसी पुरोहित
दून यूनिवर्सिटी

स्टार्टअप इंडिया अभियान जैसे नूतन प्रयोग की दस वर्षों की विकास यात्रा पर दृष्टिपात करने से स्पष्ट होता है कि यह उद्यमिता विकास में मील का पत्थर सिद्ध हुआ है, क्योंकि आज दो लाख से अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं और स्टार्टअप इकोसिस्टम की दृष्टि से भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है। विनिर्माण क्षेत्र में निरंतर प्रगति औद्योगिक संरचनाओं के विस्तार का परिणाम है। पिछले पांच वर्षों में 14 महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्रों को प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) के माध्यम से विशेष सुविधाएं मिलने से औद्योगिक विकास को गति मिली है। इसके परिणामस्वरूप मेक इन इंडिया अभियान के अंतर्गत भारत आज प्रति वर्ष 63 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के मोबाइल फोन निर्यात कर रहा है, जबकि एक दशक पूर्व यह लगभग तीन अरब डॉलर था। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में लगातार सुधार से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में भी निरंतर वृद्धि हो रही है।

बजट में घोषित सेमीकंडक्टर 2.0 अभियान से औद्योगिक संरचनाओं के विस्तार को और गति मिलने की संभावना है। हाल ही में आयोजित कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलन से तकनीकी नवाचार के विकास को नई ऊंचाई मिलेगी, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। भारत की स्पष्ट नीति सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग पर केंद्रित है, इसलिए हरित ऊर्जा और स्वच्छ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हो रही है।

हाल ही में जारी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के आंकड़ों पर नजर डालने से स्पष्ट होता है कि इसमें चीन की भागीदारी लगभग 25.92 प्रतिशत के साथ सर्वाधिक है। परंतु प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन के संदर्भ में चीन का स्तर अमेरिका से कम है, जबकि अमेरिका का वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में लगभग 11.12 प्रतिशत अंशदान है। भारत अपनी सर्कुलर अर्थव्यवस्था और सतत संस्कृति के कारण लगभग 7.83 प्रतिशत ही ग्रीनहाउस उत्सर्जन करती है, जो प्रति व्यक्ति भागीदारी की दृष्टि से अपेक्षाकृत कम है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

अजनबी शहर, नई दृष्टि और आत्मखोज की यात्रा

दिसंबर 2019 की वह रात आज भी मेरी स्मृतियों में जमी हुई ठंड की तरह ताजा है। विमान जब पेरिस की धरती पर उतरा, तब रात आधी बीत चुकी थी। घड़ी ने मध्यरात्रि पार कर ली थी और तापमान शून्य से नीचे जा चुका था। भारत की परिचित गर्माहट से निकलकर यूरोप की उस ठिठुरती हवा में कदम रखते ही मुझे पहली बार अपने निर्णय का वास्तविक अर्थ समझ आया। यह केवल एक यात्रा नहीं थी, यह मेरे जीवन का पहला पूर्णतः एकल अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक अभियान था। विश्व के अग्रणी वैज्ञानिकों के बीच, न्यूरो साइंस और मस्तिष्क अनुसंधान के अत्याधुनिक वातावरण में, मैं वहां एक शोध प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने पहुंची थी। जब हवाई अड्डे के स्वचालित दरवाजे खुलते ही बर्फीली हवा चेहरे से टकराई, मेरे भीतर वैज्ञानिक जिज्ञासा से पहले एक साधारण यात्री का संकोच जाग उठा। भाषा अनजानी, उच्चारण अपरिचित और शहर पूर्णतः नया, सब कुछ एक साथ मेरे सामने खड़ा था। फिर भी, उस ठंड में एक विचित्र ऊर्जा थी, जैसे प्रकृति स्वयं कह रही हो कि असुविधा ही विकास का पहला कदम है।

डॉ. गीतिका श्रीवास्तव
सह आचार्य, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय

अधूरे वाक्यों के सहारे संवाद का पुल

पेरिस पहुंचते ही मुझे पहली चुनौती भाषा की मिली। अंग्रेजी का प्रयोग सीमित था और फ्रेंच उच्चारण मेरे लिए बिल्कुल नया। स्थानों के नाम, मेट्रो स्टेशनों की घोषणाएं, यहां तक कि लोगों के नाम भी मेरे लिए मानो किसी नए संगीत की धुन थे, जिन्हें समझने में समय लगना स्वाभाविक था। एक साधारण प्रश्न पूछना भी कई बार एक छोटी-सी यात्रा बन जाता। मैं शब्द खोजती, सामने वाला व्यक्ति मुस्कुराकर फ्रेंच में कुछ कहता और हम दोनों ही संकेतों और अधूरे वाक्यों के सहारे संवाद का पुल बनाते, लेकिन यही अनुभव धीरे-धीरे मुझे एक महत्वपूर्ण जीवन पाठ सिखाने लगा। भाषा केवल शब्दों का माध्यम नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं का विस्तार है। मुस्कान, सहयोग, धैर्य और सम्मान ये सार्वभौमिक भाषाएं हैं, जिन्हें अनुवाद की आवश्यकता नहीं होती। कुछ ही दिनों में विभिन्न देशों से आए प्रतिभागियों के साथ संवाद सहज होने लगा।

एफिल टॉवर और पेरिस की सुंदरता

औपचारिक प्रशिक्षण के बाद का समय मेरा अपना था। मैंने निर्णय लिया कि इस शहर को केवल पर्यटक की तरह नहीं, बल्कि एक खोजकर्ता की तरह देखूंगी। पैदल चलकर, गलियों को महसूस करके और शहर की धड़कन को सुनकर। पेरिस की सड़कों पर अकेले चलना एक अद्भुत अनुभव था। ठंडी हवा, हल्की रोशनी और इतिहास से भरी इमारतें हर मोड़ एक कहानी कहता प्रतीत होता। सीन नदी के किनारे टहलते हुए मुझे लगा कि यह शहर केवल स्थापत्य का नहीं, विचारों का शहर है। यहां कला, दर्शन, साहित्य और विज्ञान सब एक साथ सांस लेते हैं, लैटिन क्वार्टर की बौद्धिक ऊर्जा, मोंटमार्ट्रे की कलात्मक आत्मा, संग्रहालयों की गंभीरता और कैफे की सहजता हर स्थान अपने भीतर एक अलग दुनिया समेटे हुए था। फिर वह क्षण आया, जिसे शब्दों में बांधना आज भी कठिन है। जब मैंने पहली बार एफिल टॉवर को सामने देखा। वह वही संरचना थी, जिसे मैंने बचपन में पुस्तकों के पन्नों पर देखा था। भूगोल की किताबों में, पोस्टकार्डों में और कल्पनाओं में, लेकिन वास्तविकता में उसे देखना एक अलग ही अनुभव था। रात के अंधेरे में रोशनी से जगमगाता वह टॉवर केवल लोहे की संरचना नहीं था। वह समय, सपनों और उपलब्धि का प्रतीक था। उस क्षण मुझे लगा कि जीवन में देखी हुई चीजें सपनों को आकार देती हैं और जब वे सपने साकार होते हैं, तो व्यक्ति स्वयं को नए रूप में पहचानता है। पेरिस की सुंदरता केवल उसकी इमारतों में नहीं, बल्कि उसकी लय में है। लोग पैदल खूब चलते हैं, बातचीत में समय लेते हैं और जीवन को अनुभव की तरह जीते हैं। यह शहर आपको रुकना सिखाता है। देखने के लिए, सोचने के लिए और महसूस करने के लिए। लूव्र संग्रहालय की भव्यता, नोट्रे-डेम की गंभीरता, सीन के पुलों की शांति और छोटे-छोटे कैफे की गर्माहट सब मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाते हैं, जहां मन स्वतः चिंतनशील हो जाता है।

वातावरण

शोध प्रशिक्षण कार्यक्रम का वातावरण अत्यंत अनुशासित था। समय की पाबंदी केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि कार्य संस्कृति का मूल तत्व थी। प्रत्येक सत्र निर्धारित समय पर प्रारंभ और समाप्त होता, प्रत्येक चर्चा सटीक और गहन होती। यहां मैंने पहली बार देखा कि ज्ञान केवल जानकारी का संचय नहीं, बल्कि सोचने की विधि है। एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जो हर प्रश्न को गहराई से देखने की प्रेरणा देता है। शीर्ष शोधकर्ताओं के साथ संवाद करना किसी पुस्तक के जीवंत हो उठने जैसा अनुभव था। जिन सिद्धांतों को मैंने वर्षों तक पढ़ा था, वे अब प्रयोगशालाओं में आकार लेते दिख रहे थे। जटिल उपकरण, उन्नत तकनीकें और विचारों की निरंतर धारा यह सब मेरे लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया। सबसे महत्वपूर्ण यह था कि वहां प्रतिस्पर्धा नहीं, सहयोग की भावना थी। प्रश्न पूछना प्रोत्साहित किया जाता था, जिज्ञासा को सम्मान मिलता था और विचारों का आदान-प्रदान खुलेपन से होता था। मुझे यह समझ में आया कि सच्चा वैज्ञानिक वातावरण वही है, जहां ज्ञान साझा करने से बढ़ता है, छिपाने से नहीं।

अनुभूति

छोलिया की याद

छोलिया शब्द के साथ बचपन की बहुत सी यादें जुड़ी हैं। बीते दिनों छोलिया लेकर आई तो सब्जी बनाते हुए चलचित्र की भांति कितनी ही यादें आंखों के आगे तैर आईं। किंग्जवे कैंप का घर टूटने पर हमें जहांगीरपुरी में डीडीए द्वारा बनाए नए फ्लैट्स में शिफ्ट कर दिया गया। जिस घर में पैदा हुई उसे छोड़कर जाना, स्कूल, सहेलियां, बचपन के खेल, मां की यादें सभी तो उसी घर से जुड़ी थीं। मायूसी, दर्द और असहनीय पीड़ा का अहसास तारी था बस।

उस वक्त बहुत बड़ी नहीं थी, पर इतनी भी छोटी नहीं थी। पापा बताते हैं कि वह पाकिस्तान से माइग्रेट होकर यहां आए थे, कैंप टूटने पर मुझे भी यही महसूस होता था कि हमें भी जैसे देश निकाला मिल गया हो। कहां किंग्सवे कैंप का खुला-खुला घर और कहां जहांगीरपुरी के दड़बे जैसा फ्लैट! रसोई, एक इकलौता कमरा और एक नन्हा सा वेहड़ा! हम दो परिवार इस एक कमरे के फ्लैट में शिफ्ट हुए। कैसे रहे? याद करती हूं, तो मन भर आता है। नए सिरे से जिंदगी शुरू करनी आसान कहां होती है भला? घर छोटे-छोटे थे अतः अधिकतर लोग घर के बाहर चारपाई बिछा उसी पर बैठे कई काम निपटा लेते। सब्जी काटना, सिलाई मशीन पर कपड़े सिलना, कपड़े तह करना और जाने कितने काम। मैले कपड़े गली के बाहर लगे सार्वजनिक नल पर जाकर धोए जाते। इन कामों में एक काम था छोलिया छिलना। सर्दी की गुनगुनी धूप में घर के काम निपटाकर कुछ महिलाएं स्वेटर बुनती, कुछ सिलाई कढ़ाई करतीं तो कुछ छोलिया छिलने बैठ जाती। पहले पहल तो समझ न आया कि रोज इतने छोलिए का करती क्या होंगी। फिर पता चला कि सब्जी वाले भैया छोलिया छिलने के बदले पैसे देते हैं। ढेर के ढेर हरे छोलिए के गठ्ठर सामने पड़े रहते और महिलाएं बतियाते हुए बीनती जाती। सच पूछिए तो आसान काम नहीं था ये। अपने घर के लिए छोलिया छीलते हुए ही हाथ थक जाते थे और वे महिलाएं तो बिना नागा ढेर सारा छीलती थीं। छिला छिलाया छोलिया लाई और झटपट बना भी लिया, लेकिन जाने क्यों ये सब आज बहुत याद आया।

अंजू खरबंदा
शिक्षिका

संस्मरण

कर्म की प्रतिध्वनि

उस रोज इज्जतनगर स्टेशन पर टिकट बुक कराने गया तो उम्मीद से ज्यादा भीड़ थी। टिकट विंडो से बाहर तक लंबी लाइन। शायद त्योहार नजदीक होना इसकी वजह रहा हो। लाइन में लगे लोग इंतजार के फासले को अपने-अपने हिसाब से तय कर रहे थे। टिकट विंडो में हाथ डाला ही था कि एक सज्जन जो कि लाइन में ठीक मुझसे पहले थे और लगभग आधा घंटे किसी से फोन पर क्वेरीज कर-कर के अपने दर्जन भर टिकट (कुछ कैंसिल कुछ बनवाकर) अभी-अभी निकले ही थे, दौड़ते हुए आए और मेरे हाथ की परवाह किए बिना विंडो में हाथ घुसाते हुए गुस्से की मुद्रा में टिकट कर्ता से बोले- "मैडम आपने हमारा टिकट गलत तारीख का दे दिया।" "नहीं, ऐसा तो नहीं है, टिकट दिखाइए"- टिकट बनाती लड़की बोली। "ऐसा कैसे नहीं है ये देखिए! हमें जाना 20 को है और आपने टिकट 21 का बना दिया"- टिकट देते हुए उन सज्जन ने खौरियाते हुए कहा। लड़की ने टिकट देखा और उस व्यक्ति द्वारा भरे गए फॉर्म से मिलाया। पूरी तरह आश्वस्त होकर बोली -"यह देखिए सर! आपने फॉर्म में जो डिटेल दी है, वही टिकट में है।" व्यक्ति ने तेजी से फॉर्म और टिकट का मिलान किया। खोजने पर भी उस लड़की की नहीं, बल्कि अपनी ही कमी पाकर तुरत गिरगिटिया रूप धर क्रोध को याचना में बदलते हुए बोला- "सॉरी मैडम! ग़लती हो गई। ऐसा कीजिए, इस टिकट की डेट बदल दीजिए।" "ऐसे डेट नहीं बदली जाती। अब यह टिकट कैंसिल करके दूसरा बनवाना पड़ेगा आपको" - लड़की ने कहा। "देख लीजिए कुछ हो सके तो, वरना ऐसा ही ..." वह व्यक्ति बोला।

इतनी देर में लाइन में लगे लोगों का सब्र जवाब दे चुका था। वे अपने-अपने भाषाई संस्कारों से उस व्यक्ति को नवाजने लगे। लड़की ने इस घमासान के बीच कुछ फॉर्म उस व्यक्ति को दिए और ध्यान पूर्वक भरकर लाइन में लगने को कहकर मेरा टिकट बनाने लगी। मैंने टिकट और बकाया पैसे जैसे-तैसे विंडो से मुट्ठी बांधकर बाहर निकाले और स्टेशन के बाहर आ गया। बाहर आकर टिकेट की डेट और अन्य डिटेल चैक की। किराये की राशि देखी। हाथ में आए पैसे भी चैक किए। मिलान किया तो पाया कि मुझ पर चार सौ रुपए ज्यादा आ गए हैं। वापस दो सौ रुपया होने थे। सौ-सौ के चक्कर मे एक सौ के नोट के साथ एक पांच सौ का आ गया था। मैंने फिर से एक बार टिकट और पैसों का मिलान किया और इसे तत्कालीन माहौल में लड़की की मानवीय त्रुटि मानते हुए पैसा वापस करने विंडो पर आ गया। "क्यों, आपकी भी डेट बदल गयी है क्या?" लाइन में लगा एक व्यक्ति बोला। "नहीं भाई"- मैंने जवाब दिया। "तो क्या कोई इन्क्वायरी करनी है, वो विंडो उधर है"- एक और व्यक्ति बोला। "इसीलिए महिला को विंडो पर नहीं बैठाना चाहिए, लोग बार-बार दर्शन करने ..." एक और व्यक्ति ने दांत चियारे।

"मैडम मुझ पर चार सौ रुपया ज्यादा आ गए हैं।" - इस चुहल चर्चा के बीच मैं विंडो की ओर मुंह करके जोर से बोला। लड़की टिकट बनाते से सहसा रुकी। मुझे देखा। मैंने मुट्ठी बांधकर टिकट और धनराशि उसे बढ़ा दी। लड़की ने कम्प्यूटर में कैलकुलेट किया और बोली - "थैंक्स अ लॉट सर!" उसकी आंखों में कृतज्ञता की नमी थी, जिसे साफ-साफ देखा और अनुभव किया जा सकता था। अगला हफ्ता बनारस में रहा। वापसी में श्रमजीवी एक्सप्रेस से बरेली लौट रहा था। रात में लगभग दो बजे ट्रेन से उतरा। बाहर आकर रिजर्व ऑटो लिया और घर के गेट पर पहुंच गया। ऑटो वाले को पैसे देने के लिए जैसे ही जेब में हाथ डाला तो सन्न रह गया। जेब से पर्स नदारद था। पर्स में पैसों के अलावा अन्य जरूरी कागजात भी थे। तुरंत ऑटो को बैक किया, लेकिन तब तक ट्रेन जा चुकी थी। उसी ऑटो से वापस आया। पत्नी से पैसे लेकर पेमेंट किया और पर्स में गुम हुई चीजों के बारे में क्या करना है यही सोचते विचारते सो गया।

सुबह ऑफिस पहुंचा और अपने कामों में रम गया। दोपहर में लंच के लिए घर जाने को निकल ही रहा था कि एक अनजान नंबर से फोन आया। "आप कौन बोल रहे हैं जी?"- उधर से आवाज थी। "आपने किसको लगाया है जी?" "जी मैं अवनीश हूं श्रीमान!" मैंने कहा। "कहां से जी?" "बरेली से जी!" "आप अभी बनारस गए थे क्या?" "जी हां, लेकिन आप कौन हैं और यह सब क्यों पूछ रहे हैं?" मैं बोला। "बताऊंगा जी, पहले ये बताओ आपके आई कार्ड पर, जो फोटो लगा है, उसमें आपने किस रंग की शर्ट पहनी है?" वार्तालाप यहां तक आते आते मेरे अंदर पॉजिटिव वाइब्स बहने लगी थीं। "व्हाइट और पिंक चैक!" मैं चहककर बोला और कार्ड पर अंकित पूरी डिटेल भी बता दी। "बहुत बढ़िया यादव जी। मैं राम कीरत सिंह बोल रहा हूं गजरौला से। मेरे पास आपका पर्स है, जिसमे पैंतालीस सौ बासठ रुपए और अन्य कागजात सुरक्षित हैं। रात को बरेली से ट्रेन में बैठा था। सुबह उतरते वक्त सीट के नीचे से अटैची खींची तो यह पर्स मिला। परिचय पत्र में दिए नंबर को मिलाकर ही आप से बात कर रहा हूं। बताइए आपकी अमानत कहां और कैसे पहुंचवा दूं? वैसे कल तक मैं मुरादाबाद में हूं अपने बेटे के पास।" "मैं कल खुद आऊंगा आपके दर्शन करने भाईसाब, मुरादाबाद मेरा गृह जनपद है", मैं भाव विभोर होकर बोला। "अरे वाह! यह तो बहुत बढ़िया। मैं इंतजार करूंगा। पहुंचने को हों तब दस मिनट पहले फ़ोन कीजियेगा, मैं लेने आ जाऊंगा"- उधर से आवाज थी। अगली सुबह बस से मुरादाबाद उतरा। सामने एक सामान्य कद काठी, लेकिन मुस्कराते और जिंदगी की चमक से भरपूर चेहरे को देखते ही मैं पहचान गया कि यही हैं रामकीरत जो वाकई राम जी की कृति भी है और कीर्ति भी। रामकीरत जी के साथ पूरा दिन मुहब्बत और इंसानी जज्बात से लबरेज रहा। लौटते वक्त तक अपरिचय एक खूबसूरत रिश्ते में तब्दील हो चुका था। पुनः यह विश्वास और पुख्ता हुआ कि दुनिया हमारे कार्य व विचारों की प्रतिध्वनि ही है। यह वही लौटाती है, जो हम इसे सौंपते हैं।

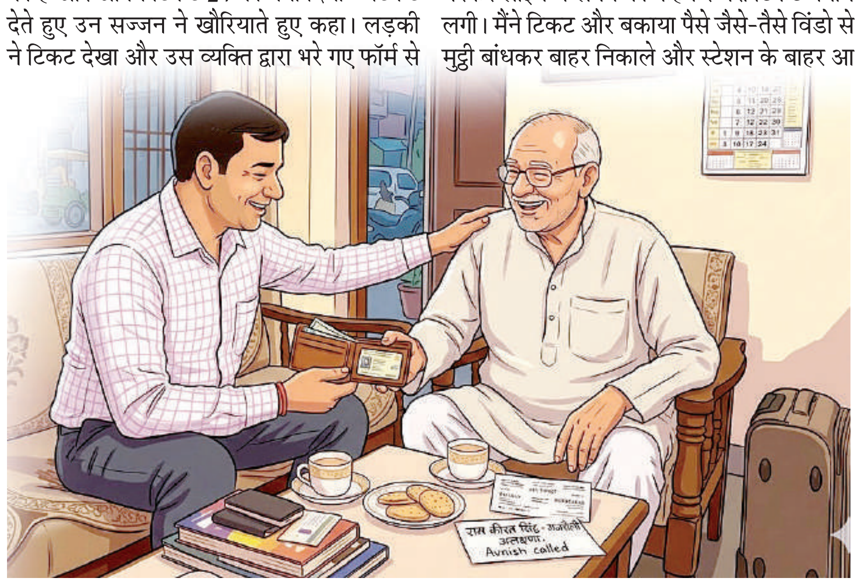

डॉ. अवनीश यादव
प्रांतीय शिक्षा सेवा संवर्ग, उप्र

विमर्श

'आधे आसमान' से ही पूर्ण होगा आकाश

स्त्री सृष्टि की रचयिता है, जो अपने गर्भ से ही जीवन का प्रारंभ करती है। वह परिवार की आत्मा है और समाज की कुशल वास्तुकार है, जो अपनी बौद्धिकता एवं लगन से परिवार में मिठास एवं समाज को प्रगतिशील बनाती है। स्त्री के बिना संसार की कल्पना नहीं की जा सकती है, क्योंकि वह जीवन है। स्त्री के सम्मान में ही सृष्टि का संतुलन एवं समाज का उत्थान है, लेकिन फिर भी सदियों से संसार की स्त्रियां उपेक्षित रही है। यह दोहरी प्रवृति हमारे समाज की सबसे बड़ी विडंबना है, जो आज के वैज्ञानिक युग में भी व्याप्त है। एक ओर जहां हमारे देश में स्त्रियों को मौखिक रूप से देवी का स्थान दिया गया है, वहीं पितृसत्तात्मक व्यवस्था ने आज भी स्त्रियों को बंधनों से जकड़े रखा। इसके पूर्व ही सती प्रथा, बाल विवाह और कन्या भ्रूण हत्या जैसी अनेक कुरीतियों द्वारा शोषण किया गया और आज भी देश में शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में महिलाएं पिछड़ी हुई हैं और महिलाओं के साथ बालात्कार एवं हिंसा की खबरें तो रोज की बात हो गई है। वर्तमान आंकड़े इस कड़वी हकीकत को और स्पष्ट करते हैं।

वैश्विक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट 2025 के अनुसार भारत 148 देशों में 131 वें स्थान पर है, शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति होने के साथ महिलाओं की साक्षरता दर बढ़ी है और उच्च शिक्षा में नामांकन लगभग 46 प्रतिशत तक पहुंच गया है, लेकिन परिवार और देश की अर्थव्यवस्था में भागीदारी काफी कमजोर है। महिला श्रम बल भागीदारी दर थोड़ा बढ़ी, परंतु पुरुषों की तुलना में अभी भी बहुत ज्यादा कमजोर है। महिलाएं घरेलू कामों में अधिक समय बिताती हैं, जिससे उनकी वेतन वाली नौकरियों में भागीदारी सीमित रहती है। देश में महिलाओं के साथ उत्पीड़न एवं हिंसा अधिक चिंता का विषय है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार महिलाओं के खिलाफ अपराधों में निरंतर वृद्धि हो रही है। कार्यस्थल पर उत्पीड़न, साइबर क्राइम और घरेलू हिंसा आज भी लाखों महिलाओं की आजादी छीन रही है। अक्सर सुनने को मिलता है महिलाओं को नौकरी में आरक्षण मिला, यात्रा में भी सुविधा मिली, शिक्षा में साइकिल एवं पोशाक की सुविधा मिल तो गई, अब और कितनी बराबरी चाहिए? यह तंज करने से पहले चिंतन करने की आवश्यकता है कि क्या ये सुविधाएं और आरक्षण ने महिलाओं को पारिवारिक-सामाजिक स्तर पर पुरुषों के बराबर अधिकार और स्वतंत्रता दे रही है? अगर लैंगिक बराबरी मिल रही है, तब देश में ही असुरक्षित कैसे है? न आजादी से कही आ-जा सकती, न आजादी से पढ़ लिख सकती, न आजादी से कमा सकती और न ही आजादी से जी सकती है।

आजकल एक और तंज कसे जा रहे है कि 'स्त्रियों को थोड़ी आजादी क्या मिली संस्कारहीन बनती जा रही है।' इस तंज पर एक सवाल की 'क्या संस्कारहीन होने के पैमाने एवं जेंडर निर्धारित होता है?' सदियों से नशे की लत, जुआ, झूठ, धोखा, हिंसा, व्यभिचार जैसी आदतें पुरुषों में भी रही हैं, लेकिन उन्हें 'संस्कारहीन' कहकर समाज ने कभी इतना तीखा तंज नहीं कसा, जितना आज एक लड़की को खुलकर बोलने, देर रात बाहर रहने, करियर चुनने या अपनी पसंद की शादी करने पर कसता है। यह दोहरा मापदंड संस्कार को परिभाषित नहीं करता है। संस्कार असल में नैतिकता, ईमानदारी, सम्मान, जिम्मेदारी और मानवता का नाम है, जो नैतिकता और मर्यादा की सीमा से घिरी है। महिलाओं की बढ़ती आजादी ने समाज को संस्कारहीन नहीं बनाया, बल्कि हिंसा और असमानता को कम करने की कोशिश की है।

अंबिका अंबी
लेखिका

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	78,918.90	24,450.45
बढ़त	1097.42	315.45
प्रतिशत में	1.37	1.27

सोना 1,64,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,71,700 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 7 मार्च 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन –तुलसी 2475, राज श्री 1880, फ़ॉर्चून कि. 2430, रविन्द्रा 2450, फॉर्चुन 13kg 2140, जय जवान 2050, सचिन 2120, सूरज 2050, अवसर 1950, उजाला 2070, गृहणी 13 kg 1975, क्लासिक (kg) 2290, मोर 2245, चक्र टिन 2445, ब्लू 2215, आशीर्वाद मस्टर्ड 2390, स्वास्तिक 2430 **किराना**–निजामाबाद हल्दी 16600, जीरा 26500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 12000–13000, अजवायान 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330–380, मखाना 900–1050 **चावल**– (प्रति कु0) डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8800, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8800, गौरी प्रीमियम 10300, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4200, लाडली 4200 **दाल दलहन**–मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500, चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 13100 **चीनी**– पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4200 बरेली सर्राफा– (प्रति 10 ग्राम) गोल्ड (पक्के जेवर) 163500, गोल्ड (गिन्नी जेवर) 159500, सिल्वर (पक्की) 2700 (अनुमानित)

बिजनेस ब्रीफ

ईवी पंजीकरण में 44 % की वृद्धिः फाडा

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में फरवरी में सालाना आधार पर 44% की बढ़ोत्तरी हुई है। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। फरवरी, 2026 में ईवी की कुल बिक्री बढ़कर 13,733 इकाई हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 9,505 इकाई थी।

18 पैसे टूटा, 91.82 प्रति डॉलर पर आया रुपया

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 18 पैसे लुढ़ककर 91.82 पर बंद हुआ। रुपये में यह गिरावट कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और जोखिम से बचने की प्रवृत्ति की वजह से आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, पश्चिम एशिया के टकराव के बढ़ने से सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली परिसंपत्तियों की मांग बढ़ने से रुपये पर दबाव बना।

रिलायंस बेचेगा फिनलैंड में बनी चॉकलेट

नयी दिल्ली। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने फिनलैंड की अग्रणी फूड कंपनी फेजर के साथ एक समझौते की घोषणा की है। आरसीपीएल ने शुक्रवार को बताया कि इस समझौते के तहत फेजर भारतीय ग्राहकों के लिए प्रीमियम चॉकलेट और कंफेक्शनरी उत्पाद पेश करेगी। फेजर के उत्पाद फिलहाल 40 से अधिक देशों में उपलब्ध हैं। दोनों कंपनियां भारत में दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी के तहत फेजर के रेसिपी और गुणवत्ता मानकों के अनुसार, चॉकलेट का उत्पादन, मार्केटिंग और वितरण करेंगी।

कारीगरी

जम्मू–कश्मीर, विशेषकर अनंतनाग और संगम (श्रीनगर–जम्मू नेशनल हाईवे) क्षेत्र, अपने विश्व प्रसिद्ध कश्मीरी विलो क्रिकेट बल्लों के निर्माण के लिए जाना जाता है। यहां प्रतिवर्ष 30 लाख से अधिक उच्च गुणवत्ता वाले बल्ले बनाए जाते हैं, जिसमें 500 से अधिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स निर्माण में शामिल हैं। ये बल्ले अपनी मजबूती और कम कीमत के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय हैं। ये बल्ले 'सालिक्स अल्बा' नामक विलो लकड़ी से बनते हैं, जो ठंडे और गीले इलाकों में पनपती है। फोटो • एजेंसी

कच्चे तेल में उबाल से फिसला सेंसेक्स, 1097 अंक टूटा

विदेशी बाजारों की कमजोरी और निवेशकों की लगातार बिकवाली ने बनाया दबाव

मुंबई, एजेंसी

- एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, एयरटेल समेत कई बड़ी कंपनियों के शेयरों में रही तेज गिरावट

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के सातवें दिन शुक्रवार को निवेशकों की धारणा कमजोर पड़ने से घरेलू शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 1,097 अंक टूटकर बंद हुआ जबकि निफ्टी 315 अंक लुढ़क गया।

विश्लेषकों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, अमेरिकी एवं यूरोपीय बाजारों में कमजोरी और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने भी बाजार पर दबाव बनाया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,097 अंक यानी 1.37 प्रतिशत टूटकर 78,918.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,203.72 अंक लुढ़ककर 78,812.18 अंक तक आ गया था। इसी तरह, एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी भी 315.45 अंक यानी 1.27 प्रतिशत के नुकसान के साथ 24,450.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से इटर्नल, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और लार्सन एंड टुब्रो के शेयरों में प्रमुख रूप से गिरावट रही।

दूसरी तरफ रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, सन फार्मा, एनटीपीसी, इन्फोसिस और एचसीएल टेक के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। पश्चिम एशिया संकट गहराने से कच्चे तेल के दामों में तेजी के बीच वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.53 प्रतिशत चढ़कर 87.57 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से पश्चिम एशिया से तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। यह तेजी भारत के चालू खाते के घाटे, मुद्रास्फीति और मौद्रिक नीति के रुख को प्रभावित कर सकती है।

व्यापक बाजार में मझोली कंपनियों का मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 1.10 प्रतिशत नीचे आया, जबकि छोटी कंपनियों का स्मालकैप 0.43 प्रतिशत के नुकसान में रहा। क्षेत्रवार सूचकांकों में भी व्यापक गिरावट रही। शीर्ष 10 बैंकों में 2.37 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई जबकि प्राइवेट बैंक सूचकांक 2.25 प्रतिशत, बैंकेक्स 2.14 प्रतिशत और वित्तीय सेवाएं सूचकांक 2.12 प्रतिशत गिर गया।

इसके अलावा बीएसई पीएसयू बैंक सूचकांक 1.99 प्रतिशत और सेवाएं सूचकांक 1.35 प्रतिशत के नुकसान में रहा। हालांकि पूंजीगत वस्तु, औद्योगिक और बिजली क्षेत्र के सूचकांकों में बढ़त दर्ज की गई। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 2,304 शेयरों में गिरावट आई, जबकि 1,895 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए और 175 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सरकार ने रिफाइनरियों पर लगाया एस्मा एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच रसोई गैस की आपूर्ति बहाल रखने के लिए उठाया कदम

नयी दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने तेल रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश देने के लिए 'एस्मा' कानून के तहत आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल किया है। इसका मकसद पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण संभावित व्यवधानों से निपटने के लिए घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता बढ़ाना है। भारत की एलपीजी खपत वित्त वर्ष 2024-25 में 3.13 करोड़ टन थी, जिसमें से केवल 1.28 करोड़ टन का उत्पादन घरेलू स्तर पर किया गया था। बाकी का आयात किया गया था।

भारत का 85-90 प्रतिशत आयात सऊदी अरब जैसे देशों से आता है जो आवाजाही के लिए महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भर हैं। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच एक सप्ताह से जारी संघर्ष के कारण यह समुद्री मार्ग बंद हो गया है। भारत में तेलशोधन क्षमता पर्याप्त होने के बावजूद तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के उत्पादन में कमी को देखते हुए सरकार ने रिफाइनरियों को इसका उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पांच मार्च को जारी एक आदेश में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की सभी रिफाइनरियों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि उत्पादन के दौरान निकलने वाली प्रोपेन और ब्यूटेन गैस का अधिकतम उपयोग एलपीजी के उत्पादन में किया जाए। एलपीजी असल में प्रोपेन और ब्यूटेन गैसों का मिश्रण होता है और देश में इसका उपयोग मुख्य रूप से घरेलू रसोई गैस के रूप में किया जाता है।

आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (एस्मा) के तहत जारी इस आदेश में तेल रिफाइनरियों से कहा गया है कि वे उत्पादित एलपीजी को केवल तीन सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों- इंडियन ऑयल (आईओसी), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) को ही उपलब्ध कराएं। साथ ही सरकार ने रिफाइनरियों को प्रोपेन एवं ब्यूटेन का उपयोग पेट्रोकेमिकल उत्पाद बनाने में करने से रोक दिया है।

मंत्रालय ने कहा है कि सभी तेल रिफाइनिंग कंपनियां प्रोपेन या ब्यूटेन का इस्तेमाल न तो पेट्रोकेमिकल उत्पादों के निर्माण के लिए करेंगी और न ही उनका उपयोग, प्रसंस्करण, क्रैकिंग या रूपांतरण करेंगी। आदेश में कहा गया है कि इन गैसों से बनने वाली एलपीजी केवल घरेलू उपभोक्ताओं को खाना पकाने के उपयोग के लिए बेची जाएगी। इसके साथ ही मंत्रालय ने कहा कि आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित कंपनियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। भारत में इस समय 33.08 करोड़ सक्रिय एलपीजी उपभोक्ता हैं और सरकार की कोशिश रसोई गैस की आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखने की है।

भारत से पेट्रो उत्पादों का आयात करेगा मॉरीशस

नयी दिल्ली, एजेंसी। मॉरीशस के विदेश मंत्री धनंजय रामफल ने शुक्रवार को कहा कि मॉरीशस जल्द ही सरकार–से–सरकार (जी2जी) व्यवस्था के तहत भारत से पेट्रोलियम उत्पादों का आयात शुरू करेगा। रामफल ने कहा कि पहले भी हमारे पास भारतीय सरकार के साथ एक समान व्यवस्था थी, जिसमें मैंगलोर तेल रिफाइनरी शामिल थी। यह सरकार–से–सरकार व्यवस्था थी और हमें लगातार पेट्रोल की आपूर्ति अपेक्षाकृत कम कीमत पर मिलती थी। हम भारत सरकार के साथ इसी तरह की व्यवस्था की उम्मीद कर रहे हैं। मॉरीशस पूरी तरह से पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर निर्भर करता है। यहां सालाना परिष्कृत पेट्रोलियम आयात का मूल्य लगभग 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर है। रामफल ने यह भी कहा कि हम यह विचार कर रहे हैं कि शायद पेट्रोल को रुपये में खरीदें, जिससे यह मॉरीशस के लिए और भी आकर्षक हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट उन देशों को काफी प्रभावित करेगा जो पेट्रोलियम आयात पर अधिक निर्भर हैं। रामफल ने कहा–इसका असर छोटी और कमजोर अर्थव्यवस्थाओं जैसे मॉरीशस पर व्यापक रूप से पड़ेगा।

अमेरिकी छूट के बाद भारतीय कंपनियों ने खरीदा दो करोड़ बैरल रूसी तेल

नयी दिल्ली, एजेंसी

- अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में रूसी तेल के एक दर्जन से अधिक टैंकर मौजूद
- 5 मार्च से पूर्व जहाजों पर लदे तेल की भारत में आपूर्ति करने और उतारने की अनुमति

पश्चिम एशिया संकट से तेल आपूर्ति बाधित होने के बीच भारतीय रिफाइनरी कंपनियों ने अमेरिका ने समुद्र में फंसे रूसी कच्चे तेल को खरीदने के लिए 30 दिन की अस्थायी छूट दे दी।

सूत्रों ने बताया कि इसका फायदा उठाते हुए भारतीय रिफाइनरों ने लगभग दो करोड़ बैरल रूसी तेल खरीद लिया है, जो अधिकतर गैर-प्रतिबंधित इकाइयों से लिया गया है।

रिफाइनिंग कंपनियां इस बारे में कानूनी राय भी ले रही हैं कि क्या अमेरिकी छूट के तहत प्रतिबंधित संस्थाओं से भी खरीद की अनुमति है या नहीं। अमेरिका ने यूक्रेन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के विरोध में रूसी कच्चे तेल की खरीद पर कई पाबंदियां लगाई हुई हैं। हालांकि, पश्चिम एशिया संकट गहराने के बाद अमेरिकी प्रशासन ने एक 30-दिन का लाइसेंस जारी किया है, जिसके तहत पांच मार्च, 2026 से पहले जहाजों पर लोड किए गए रूसी मूल के कच्चे तेल या पेट्रोलियम उत्पादों की भारत में आपूर्ति करने और उतारने की अनुमति दी गई है।

भारत 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार बनकर उभरा था, लेकिन हाल के महीनों में अमेरिकी दबाव के चलते इस खरीद में खासी गिरावट आई थी। इस कटौती की वजह से अमेरिका ने फरवरी की शुरुआत में भारतीय उत्पादों पर लगाए 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क को हटाने के साथ ही एक अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति बनने की भी घोषणा की थी।

बता दें कि 1.5 करोड़ बैरल रूसी कच्चा तेल अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में टैंकर पर मौजूद है, लगभग 70 लाख बैरल तेल सिंगापुर के पास खड़े जहाजों में है।

एआई इफेक्टः युवा कर्मियों की भर्ती धीमी

नयी दिल्ली, एजेंसी

कृत्रिम मेधा (एआई) से अभी तक नौकरियों का कोई उल्लेखनीय नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन इस प्रौद्योगिकी से प्रभावित व्यवसायों में युवा कर्मचारियों की भर्ती धीमी होती दिख रही है। एआई फर्म एंथ्रोपिक के एक नए अध्ययन में यह बात सामने आई। इसके मुताबिक कृत्रिम मेधा का वास्तविक प्रसार अभी उसकी क्षमता के मुकाबले काफी कम है।

क्लाउड चैटबॉट के पीछे काम करने वाले और अब अमेरिकी प्रशासन की जांच के घेरे में आ चुके सैन फ्रांसिस्को स्थित एआई स्टार्टअप की रिपोर्ट में श्रम बाजार के आंकड़ों के साथ वास्तविक दुनिया में एआई के उपयोग का विश्लेषण किया गया है। इसमें पाया कि कार्यालय से जुड़े, ज्ञान-आधारित व्यवसाय एआई से सबसे अधिक प्रभावित हैं। विशेष रूप से कोडिंग, सूचना प्रसंस्करण, विश्लेषण और नियमित डिजिटल कार्यों से जुड़ी भूमिकाएं।

वास्तव में कंप्यूटर प्रोग्रामर, ग्राहक सेवा प्रतिनिधि, डेटा एंट्री ऑपरेटर, बाजार शोध विश्लेषक और वित्तीय तथा निवेश विश्लेषक जैसे पद सबसे अधिक प्रभावित व्यवसायों में शामिल हैं। इनके कई कार्यों को पहले ही लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) ने स्वचालित या तेज कर दिया है। इसके विपरीत मुख्य रूप से शारीरिक क्षमताओं की आवश्यकता वाली नौकरियों पर इसका सबसे कम प्रभाव पड़ता दिख रहा है।

फ्लिपकार्ट ने की 300 कर्मचारियों की छंटनी

नयी दिल्ली। ई–कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने वार्षिक प्रदर्शन समीक्षा के बाद 250–300 कर्मचारियों की छंटनी की है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। छंटनी कई विभागों और कर्मचारियों के स्तर पर की गई है। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली यह कंपनी एक ओर जहां अपने प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले वरिष्ठ स्तर पर नियुक्तियां कर रही है, वहीं दूसरी ओर प्रदर्शन के आधार पर कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया गया है।

जुलाई तक पूरी होगी भारत-ईयू एफटीए की कानूनी समीक्षा

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के मसौदे की कानूनी समीक्षा इस वर्ष जुलाई तक पूरी हो जाने की संभावना है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

भारत और 27 यूरोपीय देशों के समूह ईयू ने इस साल 27 जनवरी को एफटीए पर बातचीत पूरी होने की घोषणा की थी। इसे व्यापार जगत का 'मदर ऑफ ऑल डील्स' बताया गया है। इसके तहत भारत से होने वाले करीब 93 प्रतिशत निर्यात को यूरोपीय देशों के बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलने की संभावना है,।

विदेशी मेट्रो परियोजनाओं के लिए डीएमआरसी ने बनाई नई कंपनी

नयी दिल्ली, एजेंसी

डीएमआरसी यानी दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने विदेश में मेट्रो रेल परियोजनाओं के लिए बोली लगाने के लिए एक नई अनुषंगी कंपनी दिल्ली मेट्रो इंटरनेशनल लिमिटेड (डीएमआईएल) गठित की है।

एक अधिकारी ने बताया कि नई कंपनी का गठन भारत के बाहर मेट्रो रेल योजना, निर्माण और संचालन में डीएमआरसी की विशेषज्ञता का विस्तार करने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में व्यावसायिक अवसरों की तलाश करने के लिए किया गया है।

यह अनुषंगी कंपनी डीएमआरसी को दूसरे देशों के शहरों में मेट्रो रेल परियोजनाओं के लिए सीधे बोली लगाने और शहरी परिवहन प्रणालियों से संबंधित परामर्श कार्य करने में सक्षम बनाएगी। अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि डीएमआरसी पहले ही विदेश में अवसरों की तलाश कर रही है और इस समय बांग्लादेश के ढाका में एक मेट्रो परियोजना से जुड़ी है, जहां वह तकनीकी सहायता और परामर्श दे रही है।'''' दिल्ली मेट्रो के अनुसार, उसने इजरायल में तेल अवीव मेट्रो परियोजना के निर्माण के लिए बोली-पूर्व प्रक्रिया में पात्रता हासिल कर ली है। इसके अलावा, डीएमआरसी मिस्र के अलेक्जेंड्रिया, वियतनाम के हो ची मिन्ह सिटी और मॉरीशस जैसी अन्य अंतरराष्ट्रीय मेट्रो परियोजनाओं के लिए भी बोली लगाने की प्रक्रिया में है।

31 मार्च तक के टिकट रद्द कराने पर शुल्क नहींः इंडिगो

नयी दिल्ली, एजेंसी

निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने पश्चिम एशिया में जारी संकट को देखते हुए 31 मार्च तक की यात्रा के टिकट रद्द कराने पर कोई शुल्क नहीं लेने की घोषणा की है।

एयरलाइंस ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह पश्चिम एशिया और इस्तांबुल (तुर्की) की यात्रा के लिए 31 मार्च तक के टिकट पर रद्द कराने के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगी। उसने यात्रियों को अपनी उड़ान की अद्यतन (ताजा) स्थिति की जानकारी के लिए उसकी वेबसाइट या कस्टमर केयर से संपर्क करने की सलाह दी है। इसके अलावा इंडिगो पश्चिम एशिया में फंसे यात्रियों को लाने के लिए आज 17 विशेष उड़ानों का परिचालन कर रही है। ये उड़ानें पश्चिम एशिया के आठ शहरों मदीना, जेद्दा, मस्कट, अबू धाबी, शारजाह, दुबई, फुजैरा, और रस अल खैमा से आयेंगी।

निजी विमानसेवा कंपनी स्पाइसजेट भी आज 14 विशेष उड़ानों का परिचालन कर रही है। इनमें नौ उड़ानें फुजैरा से मुंबई के लिए, चार फुजैरा से दिल्ली के लिए और एक दुबई से पुणे के लिए उड़ान भरेगी।

टोल प्लाजा पर 5100 महिला कर्मियों की तैनाती

नयी दिल्ली। महिला सशक्तीकरण और समावेशन को बढ़ावा देने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने देशभर के 1,140 से अधिक टोल प्लाज़ा में दिन की पाली में टोल बूथ संचालित करने के लिए 5,100 से अधिक महिला कर्मचारियों को तैनात किया है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि अग्रिम पंक्ति की परिचालन भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर एनएचएआई का लक्ष्य देश भर के टोल प्लाजा पर सेवा वितरण में सुधार के साथ-साथ सामाजिक सशक्तीकरण को बढ़ावा देना है।

सुरक्षा | आरबीआई जारी किया डिजिटल लेनदेन में ग्राहकों के लिए सुरक्षा उपायों के प्रस्ताव का मसौदा

डिजिटल बैंकिंग धोखाधड़ी में मिलेगा मुआवजा

मुंबई, एजेंसी

- धोखाधड़ी में उपभोक्ता संरक्षण बढ़ाना और शिकायतों का त्वरित निपटान है मकसद

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डिजिटल लेनदेन में ग्राहकों की जवाबदेही से जुड़े ढांचे को मजबूत करने के लिए शुक्रवार को संशोधन दिशानिर्देशों का मसौदा जारी किया। इसका उद्देश्य डिजिटल बैंकिंग धोखाधड़ी से जुड़े मामलों में उपभोक्ता संरक्षण बढ़ाना और शिकायतों का त्वरित निपटान करना है।

आरबीआई ने कहा कि डिजिटल भुगतान और बैंकिंग व्यवस्था में आए व्यापक बदलावों को देखते हुए 2017 में लागू मौजूदा नियमों की समीक्षा की गई है। संशोधित प्रस्तावों का मकसद अनधिकृत इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन के दायरे को व्यापक बनाना और नई श्रेणियों के धोखाधड़ी मामलों को भी इसमें शामिल करना है।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि मसौदा दिशानिर्देशों पर हितधारक और आम जनता छह अप्रैल, 2026 तक अपनी प्रतिक्रिया या सुझाव दे सकते हैं। आरबीआई ने यह कदम फरवरी की मौद्रिक नीति में की गई घोषणा के अनुरूप उठाया है। मसौदे दिशानिर्देशों में बैंकों से कहा गया है कि वे ग्राहकों की शिकायतों के निपटारे में लगने वाले समय को कम करें। इसके अलावा छोटे मूल्य के धोखाधड़ी वाले लेनदेन के लिए मुआवजा व्यवस्था लाने का भी प्रस्ताव किया गया है, ताकि प्रभावित ग्राहकों को तेजी से राहत मिल सके। आरबीआई ने कहा कि यह मुआवजा व्यवस्था दिशानिर्देशों के प्रभावी होने की तारीख से एक वर्ष तक लागू रहेगी।

इसके अनुभव के आधार पर इसकी समीक्षा की जाएगी, जिसमें बैंकों की हिस्सेदारी बढ़ाने और केंद्रीय बैंक की भूमिका को धीरे-धीरे कम करने पर विचार किया जाएगा।

भारत में महंगाई का जोखिम बढ़ाः मूडीज

नयी दिल्ली, एजेंसी। रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष से ऊर्जा की कीमतों में और उछाल आया तो भारत को रुपये पर दबाव, उच्च मुद्रास्फीति और चालू खाता घाटे (सीएडी) में बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है। यह जोखिम इस क्षेत्र से कच्चे तेल और एलएनजी आयात पर भारत की भारी निर्भरता के कारण है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि बड़ी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में भारत उन देशों में प्रमुख है, जो कच्चे तेल और एलएनजी के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भर हैं। वहां बढ़ते संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो गया है, जो इस क्षेत्र से कच्चे तेल और एलएनजी निर्यात के लिए एक प्रमुख मार्ग है।

वर्ल्ड ब्रीफ

नाइजीरिया में इस्लामी आतंकवादियों ने 300 लोगों का अपहरण किया

अबूजा। इस्लामी आतंकवादियों ने शुक्रवार को पूर्वोत्तर नाइजीरिया के एक कस्बे पर हमला किया और महिलाओं तथा बच्चों सहित 300 से अधिक लोगों का अपहरण कर लिया। ग्वाज़ा क्षेत्र के अधिकारी बुलामा सावा के अनुसार, यह हमला बोर्नो राज्य के न्गोशे कस्बे में हुआ। उन्होंने बताया कि यह हमला संभवत: सेना के उस अभियान के प्रतिशोध में किया गया जिसमें बोको हराम आतंकवादी समूह के तीन कमांडरों को मार गिराया गया था। सेना के एक प्रवक्ता उबा सानी ने कहा कि बुधवार और शुक्रवार की सुबह के बीच कोंडुगा, मार्ते, जकाना और मैनोक क्षेत्रों में भी अलग-अलग हमले हुए। हमलों को विफल करने में सफलता मिली, लेकिन कई बहादुर सैनिकों ने जान गंवाई, जिनमें एक वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे।

अमेरिका में बेरोजगारी दर 4.4% पर पहुंची, 92 हजार नौकरी घटीं

वॉशिंगटन। अमेरिका में पिछले महीने नियोक्ताओं ने अप्रत्याशित रूप से 92,000 नौकरियों में कटौती की, जिससे संकेत मिलता है कि श्रम बाजार अभी भी दबाव में है। इस दौरान बेरोजगारी दर बढ़कर 4.4 प्रतिशत हो गई। श्रम विभाग ने शुक्रवार को बताया कि भर्ती की रफ्तार जनवरी की तुलना में कमजोर हुई है। जनवरी में कंपनियों, गैर-लाभकारी संस्थाओं और सरकारी एजेंसियों ने 1,26,000 नौकरियां जोड़ी थीं। अर्थशास्त्रियों ने फरवरी में 60,000 नई नौकरियों की उम्मीद की थी। उम्मीद की जा रही थी कि इस साल रोजगार बाज़ार में सुधार होगा, लेकिन ट्रंप की अनियमित टैरिफ नीतियों और ऊंची ब्याज दरों के लंबे असर से प्रभावित अर्थव्यवस्था में औसतन हर महीने केवल 15,000 नौकरियां ही पैदा हुई थीं।

दिल्ली में दवा कंपनियों से 20 लाख रुपये का इंसुलिन स्टॉक जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली औषधि नियंत्रण विभाग ने भंडारण और नियामक मानदंडों के उल्लंघन के लिए राजधानी में थोक दवा कंपनियों से 20 लाख रुपये से अधिक कीमत का इंसुलिन भंडारण जब्त किया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण दवाओं, विशेष रूप से इंसुलिन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री पंकज कुमार सिंह के निर्देशों पर एक थोक दवा बाजार में विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया था। इंसुलिन जैसी दवाओं के लिए 'कोल्ड चेन' (सही ठंडे तापमान में लगातार सुरक्षित) बनाए रखना अनिवार्य होता है।

खालिस्तानी चरमपंथियों ने नैन्सी ग्रेवाल की हत्या की जिम्मेदारी ली

ओटावा, एजेंसी

सिख चरमपंथी विचारों को बढ़ावा देने वाले एक सोशल मीडिया अकाउंट पर कनाडा के ओंटारियो प्रांत में भारतीय मूल की एक महिला की चाकू से गोद कर हत्या किए जाने की ज़िम्मेदारी ली गई है।

लसेल पुलिस सर्विस के अनुसार विंडसर की नैन्सी ग्रेवाल (45) की तीन मार्च को रात करीब 9:30 बजे एसेक्स काउंटी के लसेल शहर में चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। सीबीसी न्यूज़ ने बृहस्पतिवार देर रात बताया कि सोशल मीडिया पर एक अकाउंट है जिस पर पंजाबी में कहा गया है कि खालिस्तानी आंदोलन की आलोचना करने के कारण नैन्सी ग्रेवाल की हत्या कर दी गई। पोस्ट में नैन्सी की तस्वीर

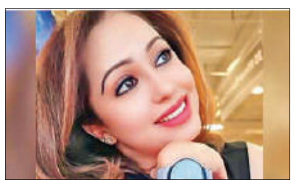

● कनाडा के लसेल शहर में चाकू से गोदकर कर दी गई थी हत्या

साझा की गई है और लिखा गया है, यह महिला धर्म और खालिस्तान के बारे में बुरी बातें कह रही थी और उसे इसका परिणाम मिल गया है। खबर में सोशल मीडिया के हवाले से कहा गया है, हमें किसी भी समुदाय या धर्म से कोई दुश्मनी नहीं है। अगर कोई हमारे समुदाय और खालिस्तान के खिलाफ इस तरह की कोई बात कहता है, तो उसका भी यही अंजाम होगा।

पश्चिम एशिया में बढ़ रहा है दायरा

यह लगभग तय माना जा रहा है कि ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच युद्ध जल्द समाप्त नहीं होने जा रहा। जिस तरह से यह युद्ध लगातार अपना दायरा बढ़ा रहा है, उससे साफ दिख रहा है कि वह कई हफ्ते या कई महीने लंबा खिंच सकता है। चूंकि इस युद्ध के दायरे में दुनिया भर को ऊर्जा की आपूर्ति करने वाला इलाका भी घिरा हुआ है, इसलिए उसके परिणाम अभी से तमाम देशों को प्रभावित करने लगे हैं। युद्ध में शामिल अमेरिका जैसे दुनिया के सबसे मजबूत देश पर भी इसके गहरे आर्थिक प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है। ईरान का पूरा आर्थिक ढांचा दांव पर लगा हुआ है। लंबा खिंचने की स्थिति में इजराइल के लिए यह युद्ध बड़ी मुसीबत साबित होने का अनुमान लगाया जा रहा है। युद्ध का दायरा यहीं तक सीमित नहीं है। जिन खाड़ी देशों तक इसकी चिंगारी पहुंची है, उनका सुकून भी नष्ट होने लगा है।

युद्ध: किस पर कितना भारी

आईएमएफ का मानना है कि यदि यह संघर्ष क्षेत्रीय युद्ध में बदला तो वैश्विक आर्थिक विकास दर में 1-2% गिरावट आ सकती है।

अमेरिका पर असर

- अमेरिकी विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि जंग लंबी चली तो अमेरिका का कुल खर्च 210 अरब डॉलर यानी लगभग 18.87 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।
- युद्ध के पहले 100 घंटों में ही 3.7 अरब डॉलर खर्च होने की रिपोर्ट है। पेंटागन का अनुमान है कि अमेरिका को यह युद्ध प्रतिदिन 1 अरब डॉलर का पड़ सकता है।
- भारी सैन्य खर्च के कारण बजट घाटा बढ़ सकता है। यह एपिक फ्यूरी जैसे महंगे सैन्य अभियानों के कारण घरेलू अर्थव्यवस्था और तेल की कीमतों पर दबाव डालेगा।

ईरान पर युद्ध का प्रभाव

- अनुमानों के अनुसार, ईरान को इस युद्ध के कारण प्रतिदिन 100 से 150 मिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा है, जिसमें मुख्य रूप से तेल राजस्व की हानि शामिल है। हालांकि ये इजराइल-अमेरिका से कम है।
- अमेरिका-इजराइल के हवाई हमलों के कारण देश में बुनियादी सुविधाओं के ढांचे तेजी से नष्ट हो रहे हैं, ऐसे में ईरान फिर खड़ा होने में भारी निवेश की जरूरत पड़ेगी। सरकारी तंत्र भी छिन्न-भिन्न हो गया है।
- तेल निर्यात राजस्व प्राप्ति का मुख्य स्रोत है, जिस पर प्रतिबंधों से अर्थ व्यवस्था पूरी तरह चरमरा सकती है। ईरान की मुद्रा पहले ही अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुकी है। गृहयुद्ध का खतरा भी जताया जा रहा है।

ये देश भी युद्ध की चपेट में

- पड़ोसी देश लेबनान, जॉर्डन, सीरिया, यमन में शरणार्थियों का प्रवाह बढ़ सकता है, जिससे उनके बजट और सामाजिक ढांचे पर भारी दबाव पड़ेगा।
- भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा बड़ा खतरा, तेल जरूरत पूरी करने के साथ खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा भी बड़ी चुनौती।
- लाल सागर और खाड़ी क्षेत्र में तनाव के कारण सप्लाई चेन बाधित हो गई है, इससे यूरोप में माल पहुंचने में देरी के साथ लागत में भी वृद्धि हो रही है।

इजराइल पर और भारी

- इजराइली वित्त मंत्रालय के अनुसार वर्तमान आर्थिक प्रतिबंधों और युद्ध के कारण इजराइल को हर हफ्ते 3 अरब डॉलर यानी 25,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है।
- ईरान के खिलाफ युद्ध में फिलहाल इजराइल का प्रतिदिन का सैन्य खर्च औसतन 725 मिलियन डॉलर है। युद्ध लंबा खिंचने के साथ इसके और बढ़ने की संभावना है।
- विकास दर धीमी हो सकती है, बेरोजगारी और गरीबी में वृद्धि की चेतावनी दी गई है। रिजर्व सैनिकों की तैनाती से हाईटेक और औद्योगिक क्षेत्रों में श्रम की कमी हो गई है।

बालेंद्र शाह बन सकते हैं नेपाल के प्रधानमंत्री, भारी जीत की ओर पार्टी

अब तक की मतगणना में 70% से ज्यादा सीटों पर बढ़त, विरोधी दलों की हालत पतली

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में छह महीने पहले हुए जेन जी के विरोध प्रदर्शन और फिर सितंबर में केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार के गिरने के बाद हुए पहले आम चुनाव में शुक्रवार को जारी मतगणना के रुझानों के अनुसार पूर्व रैपर बालेंद्र शाह के नेतृत्व वाली नवगठित राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) भारी जीत की ओर अग्रसर है। चुनाव आयोग के पास कुल 165 निर्वाचन क्षेत्रों में से 144 निर्वाचन क्षेत्रों के आंकड़ों के मुताबिक, आरएसपी ने तीन सीटें जीती हैं और 104 पर आगे चल रही है। नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-यूएमएल और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को सिर्फ छह सीटों पर बढ़त मिली है। बालेंद्र का प्रधानमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है।

ताजा आंकड़ों के मुताबिक काठमांडू के महापौर रहे बालेंद्र शाह झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र में चार बार के प्रधानमंत्री और सीपीएन-यूएमएल अध्यक्ष ओली के गढ़ में उनसे आगे चल रहे हैं। शाह को अब तक मतगणना में 6,551 वोट मिले, जबकि ओली को केवल 1,428 वोट मिले। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी, श्रम संस्कृति पार्टी और निर्दलीय उम्मीदवार एक-एक निर्वाचन क्षेत्र में आगे चल रहे थे। चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि अब तक आरएसपी और एनसी ने एक-एक सीट जीती है। आरएसपी के रंजू दर्शन ने काठमांडू-1 से 15,455 वोटों से जीत हासिल की, जबकि एनसी के योगेश गौचन ठकाली ने मुस्तांग से 3,307 वोटों से जीत दर्ज की। एक अधिकारी के अनुसार, पुष्प कमल दहाल प्रचंड को अब तक 5,924 वोट मिल चुके हैं और वह रुकुम पूर्व में अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे चल रहे हैं। रवि लामिछाने के नेतृत्व वाली आरएसपी काठमांडू के सभी 10 निर्वाचन क्षेत्रों में आगे चल रही है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, मतगणना बृहस्पतिवार देर रात शुरू हुई और इसके शुक्रवार रात तक पूरा होने की संभावना है।

काठमांडू में एक प्रत्याशी की जीत का जश्न मनाते आरएसपी के कार्यकर्ता।

आरएसपी ने तीन सीटें जीतीं, 103 पर आगे

नेपाल चुनाव आयोग की वेबसाइट के अनुसार जिन 165 सीटों पर चुनाव हुए हैं उनमें से अब तक 150 संसदीय क्षेत्र के नतीजे और रुझान सामने आए हैं। इनमें से आरएसपी 103 सीटों पर आगे चल रही है और तीन सीटें जीत चुकी है। नेपाली कांग्रेस पार्टी नौ सीटों पर आगे चल रही है और दो सीट जीत चुकी है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) 10 सीटों पर आगे चल रही है जबकि नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी 7 सीटों पर आगे चल रही है और एक सीट जीत चुकी है। वर्ष 2022 में गठित आरएसपी को चुनाव प्रचार के दौरान ही काफी समर्थन मिला था। बालेंद्र शाह का प्रधानमंत्री बनना तय माना जा रहा है।

भारत ने कहा- नेपाल की नई सरकार के साथ काम करने को उत्सुक

भारत नेपाल के आम चुनाव पर करीब से नजर रख रहा है, और इसके साथ ही राजनीतिक रूप से अस्थिर पड़ोसी हिमालयी देश में एक स्थिर सरकार की उम्मीद कर रहा है ताकि दोनों पक्षों के बीच विकासात्मक साझेदारी को आगे बढ़ाया जा सके। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में कहा, हम पारस्परिक लाभ के लिए अपने दोनों देशों और लोगों के बीच मजबूत बहुआयामी संबंधों को और आगे बढ़ाने के लिए नेपाल की नई सरकार के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि भारत की ओर से नेपाल में शांति, प्रगति और स्थिरता का लगातार समर्थन किया गया है और अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, इन चुनावों के लिए नेपाल सरकार के अनुरोध के अनुसार उसे साजोसामान संबंधी आपूर्ति भी प्रदान की है।

अमेरिका से 30 दिन की छूट प्रधानमंत्री की रणनीतिक कूटनीति की सफलता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय तेलशोधक कंपनियों को रूसी तेल खरीदने के लिए अमेरिका की ओर से 30 दिन की अस्थाई छूट की घोषणा किए जाने के बाद भाजपा ने शुक्रवार को इस घटनाक्रम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रणनीतिक तेल कूटनीति की सफलता बताया, साथ ही कहा कि यह भारत विरोधी राहुल गांधी और कांग्रेस के मुंह पर एक बड़ा तमाचा है।

भाजपा ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तेल की कमी को लेकर फर्जी खबरें फैलाकर दहशत पैदा करने का आरोप लगाया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राहुल गांधी और कांग्रेस को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को रणनीतिक संयम और रणनीतिक स्पष्टता के साथ काम करते देखना पसंद नहीं है। ईरान के साथ बढ़ते संघर्ष के बीच अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बृहस्पतिवार को कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऊर्जा एजेंडे के परिणामस्वरूप तेल और गैस उत्पादन अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति जारी रखने के लिए अमेरिकी वित्त विभाग भारतीय तेलशोधक कंपनियों को रूसी तेल खरीदने की अनुमति देने के लिए 30 दिन की अस्थाई छूट जारी कर रहा है।

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने इस घटनाक्रम पर कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की रणनीतिक तेल कूटनीति एक बार फिर सफल रही।

● भाजपा ने रूस से तेल खरीदने की अमेरिकी अनुमति को कांग्रेस के मुंह पर तमाचा बताया

संप्रभुता बेचने का कांग्रेस का रहा है पुराना इतिहास

भाजपा प्रवक्ता ने 'एक्स' पर एक अलग पोस्ट में कहा, आपका संप्रभुता बेचने का इतिहास रहा है। गांधी-वाद्रा और समझौतावादी कांग्रेस ने 70 वर्षों तक यही किया। भंडारी ने अमेरिकी छूट पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश की टिप्पणियों की पर कहा कि भारत को गलती करने के लिए उकसाने की साजिश सफल नहीं होगी।

भारत सरकार को ब्लैकमेल कर रहा अमेरिका खतरे में है देश की सामरिक स्वायत्तता: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अमेरिकी वित्त विभाग की भारतीय रिफाइनरियों को रूस से फौरी तौर पर तेल खरीदने की अस्थाई छूट दिए जाने की घोषणा को लेकर शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारत की सामरिक स्वायत्तता और संप्रभुता खतरे हैं क्योंकि अमेरिका भारत सरकार को खुलकर ब्लैकमेल कर रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, भारत की विदेश नीति हमारे लोगों की सामूहिक इच्छा से आकार लेती है। इसकी जड़ें हमारे इतिहास, हमारे भूगोल और सत्य और अहिंसा पर आधारित हमारे आध्यात्मिक लोकाचार में होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, आज हम जो देख रहे हैं वह नीति नहीं है। यह एक समझौतावादी व्यक्ति के शोषण का परिणाम है।

● राहुल ने कहा- यह एक समझौतावादी व्यक्ति के शोषण का परिणाम

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि भारत की सामरिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय संप्रभुता गंभीर खतरे में है क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी को एप्स्टीन फाइल और अदाणी मामले पर ब्लैकमेल किया जा रहा है। इसकी कीमत देश को चुकानी पड़ रही है।

फारूक अब्दुल्ला के खिलाफ आरोप तय करने के निर्देश

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू कश्मीर में श्रीनगर की एक अदालत ने कथित जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) घोटाले में नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का निर्देश दिया है। हालांकि अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से संबंधित मामले में अतिरिक्त आरोप जोड़ने के आवेदन को खारिज कर दिया है।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तबसुम ने अपने आदेश में कहा है कि रणबीर दंड संहिता की धारा 120बी (आपराधिक षड्यंत्र), 406 (आपराधिक विश्वासघात) और 409 (लोक सेवक द्वारा आपराधिक विश्वासघात) के तहत अपराध के आवश्यक तत्व सभी आरोपियों के खिलाफ सिद्ध होते हैं। अदालत ने कहा कि अब्दुल्ला समेत सभी आरोपियों पर उक्त अपराधों के लिए आरोप तय किए जाएंगे। अदालत ने आरोप तय करने के लिए मामले की अगली सुनवाई 12 मार्च निर्धारित की है। अदालत ने इसके साथ ही ईडी की ओर से मामले में अतिरिक्त अपराध जोड़ने की मांग संबंधी याचिका को भी खारिज कर दिया। ईडी ने अदालत से अनुरोध किया था कि मामले में धारा 411 और 414/424 को अतिरिक्त आरोपों के रूप में शामिल किया जाए।

● क्रिकेट घोटाले में अदालत का आदेश, अतिरिक्त आरोप जोड़ने की ईडी की अर्जी खारिज

अदालत ने याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि ईडी इस मामले में जांच एजेंसी नहीं है। जम्मू-कश्मीर के जेकेसीए घोटाले की जांच सीबीआई ने की थी जिसने पहले ही अपना आरोप पत्र दाखिल कर दिया था।

ब्रिटनी स्पीयर्स नशे में गाड़ी चलाने के आरोप में गिरफ्तार

लॉस एंजिलिस। मशहूर अमेरिकी गायिका ब्रिटनी स्पीयर्स को दक्षिणी कैलिफोर्निया स्थित उनके घर के पास शराब और नशीले पदार्थ के प्रभाव में गाड़ी चलाने के संदेह में गिरफ्तार किया गया। हालांकि, बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया। स्पीयर्स के प्रतिनिधि ने इस घटना पर खेद जताया है।

कैलिफोर्निया राजमार्ग गश्त दल (सीएचपी) के अनुसार, बुधवार रात करीब नौ बजे सूचना मिली कि कैलिफोर्निया के न्यूबरी पार्क में राजमार्ग पर काले रंग की एक बीएमडब्ल्यू 430आई कार तेज और अनियंत्रित तरीके से चलाई जा रही है। सीएचपी के अनुसार, कार में अकेले सवार 44 वर्षीय पॉप स्टार राजमार्ग पर बाहर निकलीं और वह नशे की हालत में लग रही थीं। उनकी मौके पर कई जांच की गईं। इसके बाद शराब और नशीले पदार्थ के प्रभाव में वाहन चलाने के संदेह में उन्हें गिरफ्तार कर वेंचुरा काउंटी जेल ले जाया गया। उनके रासायनिक परीक्षण के परिणाम अभी लंबित हैं और मामले की जांच की जा रही है। जेल रिकॉर्ड के अनुसार, स्पीयर्स को बृहस्पतिवार तड़के हिरासत में लिया गया और सुबह करीब छह बजे रिहा कर दिया गया।

दिल्ली में 6 साल के बच्चे की गला रेत कर हत्या

नई दिल्ली। रणहौला इलाके में एक निर्माणाधीन इमारत के अंदर छह वर्षीय बच्चे की गला रेतकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि परिवार ने इस हत्या के पीछे मां की भूमिका होने का आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार, बच्चे की मां मंगलवार से घर से लापता है और वह अपने साथ लड़के को भी ले गई थी। परिवार का दावा है कि महिला का एक शख्स के साथ विवाहेत्तर संबंध है। पुलिस ने बताया कि बच्चा रणहौला में एक किराए के मकान में अपने माता-पिता और भाई-बहनों के साथ रहता था।

कर्नाटक में अर्दली व्यवस्था खत्म पुलिसकर्मियों को मिलेगी राहत

बेंगलुरु। कर्नाटक पुलिस ने विभाग में लंबे समय से चली आ रही अर्दली व्यवस्था को समाप्त करने का आदेश जारी किया है। अर्दली व्यवस्था एक औपनिवेशिक विरासत है जिसमें पुलिस या सशस्त्र बलों के निचले स्तर के कर्मियों को वरिष्ठ अधिकारियों के निजी घरेलू कार्यों के लिए उनके आवास पर तैनात किया जाता है।

डीजीपी की ओर से यह आदेश सरकार के उस निर्देश के बाद जारी किया गया है जिसमें इस प्रणाली को संशोधित करने के लिए कहा गया था। अधिकारियों ने कहा कि इन गैर पुलिसिंग कार्यों में अक्सर खाना पकाना, सफाई करना, अन्य घरेलू काम और यहां तक कि अधिकारियों के बच्चों को घर छोड़ना भी शामिल होता था।

ईंधन आपूर्ति ठप होने से गुजरात के मोरबी में लगभग 100 सिरेमिक इकाइयां बंद

मोरबी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और इजराइल तथा ईरान के बीच युद्ध के कारण ईंधन आपूर्ति में आए व्यवधान के चलते गुजरात के मोरबी जिले में लगभग 100 सिरेमिक विनिर्माण इकाइयां बंद हो गई हैं। उद्योग प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि यदि आपूर्ति सामान्य नहीं हुई, तो अगले कुछ दिनों में 400 और कारखाने भी बंद हो सकते हैं।

● बाकी सभी कारखाने भी जल्द बंद होने के आसार

मोरबी सिरेमिक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (विट्रीफाइड टाइल्स खंड) के अध्यक्ष मनोज अरवड़िया ने कहा कि यदि प्रोपेन गैस की आपूर्ति बहाल नहीं होती है और आपूर्तिकर्ता स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करने में विफल रहते हैं, तो आने वाले दिनों में स्थिति और खराब हो सकती है। अरवड़िया ने कहा, युद्ध जैसी मौजूदा स्थिति के कारण पिछले दो दिनों से प्रोपेन गैस उपलब्ध नहीं है और ईंधन पर निर्भर लगभग 100 इकाइयां पहले ही बंद हो चुकी हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आपूर्ति की स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो प्रोपेन का उपयोग करने वाली लगभग 400 और इकाइयां एक सप्ताह के भीतर परिचालन बंद करने के लिए मजबूर हो सकती हैं।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज रिश्तेदारों से शुभ सूचना मिल सकती है। व्यवसाय में अपने लक्ष्यों को समय से निपटा लेंगे। आपको उच्चपद सौंपा जा सकता है।

तुला — आज कारोबार में आपका प्रदर्शन शानदार रहेगा। परिजनों के साथ बेहतरीन समय बिताएंगे। आपके काम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।

वृष — आज का दिन शुभ रहेगा। अपने लक्ष्य के प्रति एकाग्र रहेंगे। नौकरीपेशा लोगों को सहकर्मियों के व्यवहार से परेशानी होगी।

वृश्चिक — आज कारोबार से धन लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। अति उत्साह के कारण काम बिगड़ने की आशंका है। पुराने रोग पुन: उभर सकते हैं।

मिथुन — आज का दिन राजनीति से जुड़े लोगों के लिए अच्छा है। विवादित मामलों पर समझौता हो सकता है। लोगों के बीच लोकप्रिय रहेंगे।

धनु — आज आपके द्वारा बनाई हुई योजना सफल होगी। घर में किसी उत्सव का आयोजन कर सकते हैं। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी।

कर्क — आज अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। आपको ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। पुरानी उलझनों को लेकर आप थोड़े परेशान रहेंगे।

मकर — आज का दिन नई कार्य की योजना बनाने के लिए शुभ है। कानूनी पचड़ों से मुक्ति मिल सकती है। व्यापार में पार्टनरशिप करने के मौके मिलेंगे।

सिंह — आज का दिन कार्यक्षेत्र में आपका अच्छा रहेगा। परिजनों की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे। आपके सामाजिक दायरे में वृद्धि होगी।

कुंभ — आज आपकी सेहत अच्छी बनी रहेगी। नई तकनीक के प्रति रूझान बढ़ेगा। दूसरों की सहायता करने के कारण लोकप्रिय रहेंगे।

कन्या — आज बेवजह के मुद्दों पर आप घिर सकते हैं। फाइनेंस से जुड़े कार्यों में देरी हो सकती है। कब्ज के रोगियों को परेशानी होगी।

मीन — आज व्यवसाय में बड़ी साझेदारी हो सकती है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। प्रेम संबंधों को लेकर सावधान रहें।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

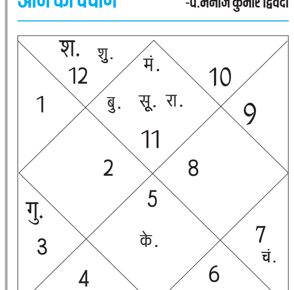

आज की ग्रह स्थिति : 7 मार्च, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्थी 19.17 तक तत्पश्चात पंचमी।

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-चित्रा 23.15 तक तत्पश्चात स्वाती।

सुडोकू - 80 का हल

6	8	1	4	9	2	5	7	3
9	4	5	7	3	6	8	1	2
7	3	2	5	1	8	9	6	4
5	7	9	2	4	3	1	8	6
8	2	6	9	5	1	4	3	7
3	1	4	8	6	7	2	5	9
1	5	3	6	2	9	7	4	8
4	9	7	3	8	5	6	2	1
2	6	8	1	7	4	3	9	5

सुडोकू -81

			8			4		5
		8		7			6	
	1		2			3		
3	9		1			6		
		1						8
		6			5		2	
	8				4		5	
	5			6		7		
7		9			3			

बड़ा कदम

दोनों यह प्रतिबंध लगाने वाले देश के पहले राज्य बने, कर्नाटक में आयुसीमा 16 साल और आंध्र में 13 साल तय की गई

कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध

बेंगलुरु/अमरावती, एजेंसी

कर्नाटक और आंध्र प्रदेश शुक्रवार को अलग-अलग आयु समूहों में बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने वाले देश के पहले दो राज्य बन गए। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने प्रतिबंध के दायरे में 16 साल की उम्र तक के बच्चों को लिया है तो आंध्र प्रदेश में तेलुगु देशम पार्टी के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए इस प्रतिबंध की घोषणा की है। हालांकि, इसे 16 साल तक की उम्र के लिए बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने 16 वर्ष से कम आयु के लोगों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। सिद्धरमैया ने 2026-27 के लिए राज्य का बजट पेश करते हुए कहा, बच्चों पर मोबाइल फोन के बढ़ते उपयोग के प्रतिकूल प्रभावों को रोकने के उद्देश्य से 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। बाद में एक संवाददाता सम्मलेन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चे मोबाइल फोन रख सकते हैं, लेकिन वे सोशल मीडिया का उपयोग नहीं कर सकते। स्कूलों, कॉलेजों या घरों में इसे कैसे नियंत्रित किया जाएगा, इस सवाल का जवाब देते हुए सिद्धरमैया ने कहा, हम इसके लिए एक कार्यक्रम तैयार करेंगे।

आंध्र प्रदेश विधानसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि वह इस बात पर विचार कर रहे हैं कि क्या इस प्रतिबंध को 13 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों तक बढ़ाया जाए। नायडू ने कहा, हम निश्चित रूप से यह सुनिश्चित करेंगे कि 90 दिनों के भीतर 13 वर्ष से कम के बच्चे सोशल मीडिया का उपयोग न कर सकें।

बच्चों में खत्म हो जाएगा खराब मानसिक स्थिति का खतरा

बेंगलुरु के मदरहुड हॉस्पिटल में मनोविज्ञान और बाल विकास सलाहकार डॉ. सरिता नागराज ने कहा कि इस प्रतिबंध से बच्चों और किशोरों में खराब मानसिक स्वास्थ्य का खतरा कम हो जाएगा जिसमें अवसाद, चिंता, नींद की कमी और अस्वस्थ तुलनाओं से उत्पन्न होने वाली शारीरिक छवि संबंधी समस्याएं शामिल हैं, जो आगे चलकर खाने संबंधी विकारों का कारण बन सकती हैं। उनकी संज्ञानात्मक क्षमता और भावनात्मक नियंत्रण में भी सुधार होने की संभावना है। खतरनाक सामग्री के संपर्क में आने की आशंका कम हो जाएगी, जिससे ध्यान केंद्रित करने की क्षमता के साथ-साथ शैक्षणिक प्रदर्शन में भी सुधार हो सकता है।

ऑस्ट्रेलिया बना था पहला देश, अब इंडोनेशिया में भी लगाया प्रतिबंध

- ऑस्ट्रेलिया 2025 में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए प्रतिबंध लगाने वाला पहला देश बना था जिसने टिकटॉक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक जैसे मंचों तक पहुंच बंद की।
- इंडोनेशिया ने भी शुक्रवार को 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया है।

भारत जैसी क्रिकेट महाशक्ति के साथ मुकाबला करना ही उनके देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उनके देश की आबादी 50 लाख से थोड़ी ज्यादा है जबकि भारत की जनसंख्या 1.4 अरब से अधिक है। भारत के पास प्रतिभा का विशाल भंडार है।
–ग्लेन फिलिप्स, न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर

स्टेडियम

बरेली, शनिवार, 7 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

इंग्लैंड के बर्मिंघम में ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के तीसरे दिन ताइवान की हसेह पेई-शान और हंग एन-त्जु के खिलाफ अपने महिला डबल्स मैच के दौरान खेलती जापान की रुई हिरोकामी (पीछे) और सयाका होबारा। एजेंसी

वीनस विलियम्स पहले ही दौर में बाहर

इंडियन वेल्स (अमेरिका)। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स का वापसी के बाद खराब प्रदर्शन जारी है और उन्हें यहां बीएनपी पारिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली 45 वर्षीय वीनस को पहले दौर में फ्रांस की डायने पैरी ने 6-3 6-7(4) 6-1 से हराया। इस तरह से वीनस अपने पिछले आठ डब्ल्यूटीए मैच हार चुकी हैं। वीनस ने दूसरे सेट में अच्छा खेल दिखाया लेकिन विश्व रैंकिंग में 111वें स्थान पर काबिज 23 वर्षीय पैरी ने तीसरे सेट में फिर से नियंत्रण बना दिया और आसानी से जीत दर्ज की। वीनस ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लिया था लेकिन एकल और युगल दोनों में पहले दौर में ही हार गईं थी।

पहले दिन महिला टीम 198 रनों पर सिमटी

पर्थ। जेमिमा रौड्रिग्स ने जुझारू अर्धशतक जमाया, लेकिन भारत की बाकी बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज अनाबेल सदरलैंड और लूसी हैमिल्टन की स्विंग का सामना नहीं कर सकीं और दिन रात के एकमात्र टेस्ट के पहले दिन भारतीय टीम 198 रन पर आउट हो गई। रौड्रिग्स ने 84 गेंद में 52 रन बनाए लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिला। ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन का खेल समाप्त होने पर तीन विकेट पर 96 रन बना लिए थे। मेजबान टीम अभी भी 102 रन पीछे है। आस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया जिसे उसके गेंदबाजों ने सही साबित कर दिखाया। सदरलैंड ने 46 रन देकर चार और हैमिल्टन ने 31 रन देकर तीन विकेट लिए।

गुकेश ने गुईजारो पर जीत से सूखा खत्म किया

प्राग (चेक गणराज्य)। विश्व चैम्पियन डी गुकेश ने प्राग इंटरनेशनल शतरंज महोत्सव के मास्टर्स वर्ग के नौवें और अंतिम दौर में स्पेन के डेविड एंटोन गुइजारो को हराकर जीत का सूखा खत्म किया। भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने चेक गणराज्य के डेविड नवारा को हराकर संयुक्त दूसरा स्थान हासिल कर समापन किया। टूर्नामेंट में पहले लगातार ड्रॉ और तीन हार के बाद गुकेश ने आखिरकार जीत दर्ज की। उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव (छह अंक) ने अमेरिका के हैंस मोके नीमन के खिलाफ सफेद मोहरों से आसान ड्रॉ के बाद टूर्नामेंट जीत लिया। इससे पहले फरवरी में टाटा स्टील मास्टर्स जीता था।

भारत की हुंकार के सामने क्या कीवी कर पाएंगे पलटवार

टी-20 विश्व कप की खिताबी टक्कर कल : दोनों टीमें धमाकेदार बल्लेबाजी से पहुंची हैं फाइनल में

मनीष श्रीवास्तव, खेल डेस्क

अमृत विचार। भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को टी-20 विश्व कप-2026 का महामुकाबला खेला जाएगा। भारत ने इंग्लैंड और न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। भारतीय टीम पर जहां खिताब का बचाव करने का दबाव है, वहीं कीवी टीम पहली बार टी-20 विश्व कप जीतने के लिए पूरा जोर लगाएगी।

ऐसे में जीत उसी की होगी जिसकी रणनीति अचूक होगी। दोनों टीमों के पास बल्लेबाजी और गेंदबाजी में 'ब्रह्मास्त्र' के साथ कुछ चुनौतियां भी हैं, लेकिन जहां तक मैच का पासा पलटने वाले जज्बे और प्रदर्शन की बात है, तो भारतीय टीम को फेवरेट माना जा रहा है।

सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने एकतरफा मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को धूल चटाई थी, जबकि भारत को इंग्लैंड पर जीत हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा था। इंग्लैंड को आखिरी तीन ओवर में जीत के लिए 45 रनों की जरूरत थी। जैकब बेथेल 42 गेंद में 94 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे और सैम करन उनका साथ दे रहे थे। तब ऐसा लग रहा था मानो बेथेल भारत को फाइनल में नहीं पहुंचने देंगे, लेकिन जसप्रीत बुमराह ने वह कर दिखाया जिसके लिए उन्हें जाना जाता है। उन्होंने 18वें ओवर में महज 6 रन दिए।

इससे इंग्लैंड के लिए आखिरी दो ओवर में 39 रन बनाना आसान नहीं रह गया, वह भी तब जब उसके पांच बल्लेबाज आउट हो चुके थे। इसके बाद रही सही कसर हार्दिक पंड्या ने अगले ओवर में महज 9 रन देकर पूरी कर दी। इस तरह भारत की जीत के असली हकदार बुमराह ही रहे, जिन्होंने चार ओवर में महज 33 रन देकर कप्तान हैरी ब्रूक का विकेट भी लिया।

बल्लेबाजी चमकी, गेदबाजी कमजोर कड़ी : भारतीय टीम की सबसे बड़ी मजबूती उसकी निडर बैटिंग अप्रोच है। अक्षर पटेल तक लंबी हिट लगा सकते हैं। लेकिन बुमराह को छोड़कर अन्य गेंदबाज घातक नहीं नजर आ रहे हैं। ऐसे में फाइनल में टीम इंडिया को कीवी टीम की सलामी जोड़ी फिन एलन, टिम सेफर्ट के अलावा मिचेल से सावधान रहने के साथ स्पिन चक्रव्यूह भी तोड़ना होगा, जो कप्तान सैंटनर, सचिन रवींद्र, फिलिप्स, ईश सोढ़ी की अगुवाई में बढ़िया प्रदर्शन कर रहा है।

इतिहास बदलने का मौका

भारत ने आखिरी बार किसी आईसीसी फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को साल 2000 में चैंपियंस ट्रॉफी में हराया था। इसके बाद से 2021 की वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल समेत हर बड़े खिताबी मौके पर कीवी टीम भारी पड़ी है। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत आज तक न्यूजीलैंड को एक बार भी नहीं हरा पाया है। 2007, 2016 और 2021 की हार के बाद इस बार भारत के पास इतिहास बदलने का सुनहरा मौका है।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल मुकाबले से पहले अभ्यास करते न्यूजीलैंड के खिलाड़ी कोल मकौंकी (दाएं से दूसरे), लॉकी फर्ग्यूसन (दाएं से दूसरे), जैकब डफी (बाएं से दूसरे)। एजेंसी

छठे गेंदबाज को लेकर चिंता

सेमीफाइनल में 20वें ओवर में जब इंग्लैंड को जीत के लिए 30 रन चाहिए थे तब कप्तान सूर्यकुमार के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी कि गेंद किससे कराई जाए। अर्शदीप, बुमराह और हार्दिक का कोटा पूरा हो चुका था। अक्षर पटेल या शिवम दुबे का ही विकल्प बचा था। शिवम दुबे ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर बेथेल को आउट तो किया, पर आर्चर ने आखिर तीन गेंदों पर तीन छक्के जड़कर जीत का अंतर महज 7 रन कर दिया। शिवम दुबे ने इस ओवर में 22 रन दिए। इससे पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने दो ओवर में 46 रन खर्च कर दिए थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके दो ओवर में 32 रन बने थे।

वरुण और अभिषेक पर रहेगा दबाव

फाइनल से पहले भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता वरुण चक्रवर्ती हैं, जिन्होंने इंग्लैंड के सामने चार ओवर में 64 रन दे दिए। बेथेल ने उनके पहले ओवर में ही तीन छक्के जड़ दिए थे। सेमीफाइनल से पहले पिछले दो मैचों में भी वरुण ने 8 ओवर में 87 रन खर्च किए हैं। उनके अलावा टीम इंडिया के लिए दूसरी बड़ी चिंता अभिषेक शर्मा का खराब फॉर्म है। सेमीफाइनल में उनके बल्ले से सिर्फ 9 रन ही निकले। उन्होंने अब तक 7 पारियों में 89 रन ही बनाए हैं, जिसमें जिम्बाब्वे के खिलाफ 55 रन की पारी शामिल है। अभिषेक के आउट ऑफ फॉर्म होने से एक बार भी भारत टूर्नामेंट में 50 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप नहीं कर पाया है।

कप्तान सूर्यकुमार यादव फाइनल मैच से पहले टीम के साथ शुक्रवार को अहमदाबाद में सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे। एजेंसी

फाइनल से पहले होगा रंगारंग समापन समारोह

अहमदाबाद। टी-20 विश्व कप 2026 अब अपने आखिरी पड़ाव पर जा पहुंचा है, जहां रविवार (8 मार्च) को भव्य नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सह मेजबान भारत व न्यूजीलैंड के बीच खिताबी टक्कर होगी। इस बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने फाइनल मुकाबले से पहले रंगारंग समापन समारोह की रूपरेखा तैयार की है, जिसमें इंटरनेशनल पॉप सुपरस्टार रिकी मार्टिन भी अपनी प्रस्तुति देंगे।

रिकी मार्टिन खास तौर पर तैयार किया गया लाइव परफॉर्मेंस देंगे : भारतीय समयानुसार शाम 5.30 बजे से शुरू होने वाले कार्यक्रम में रिकी मार्टिन खास तौर पर तैयार किया गया लाइव परफॉर्मेंस देने वाले हैं। अपनी दमदार आवाज, स्टेज पर जबर्दस्त मौजूदगी और दुनियाभर में लैटिन पॉप गानों के लिए लोकप्रिय इस गायक की प्रस्तुति की खबर सुन फैंस रोमांचित हैं। रिकी से उम्मीद है कि वह मैच देखने आए फैंस को एक रोमांचक और यादगार अनुभव देंगे। आईसीसी ने अपने आधिकारिक एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'टी20 विश्व कप की पार्टी अब और बड़ी हो गई है। हमें यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि वैश्विक आइकॉन और सुपरस्टार रिकी मार्टिन आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले क्लोजिंग सेरेमनी के मुख्य आकर्षण होंगे। आप कार्यक्रम को मिस नहीं करना चाहेंगे। बॉलीवुड प्लेबैक गायक सुखविंदर सिंह नरेंद्र मोदी स्टेडियम में करीब 100,000 दर्शकों का मनोरंजन करेंगे।

लाल मिट्टी वाली पिच पर हो सकता मैच

दो हफ्ते पहले दक्षिण अफ्रीका से काली मिट्टी की पिच पर हारने के बाद भारतीय टीम प्रबंधन फाइनल के लिए लाल मिट्टी वाली पिच चुन सकता है। मोटेरा स्टेडियम में तीनों लाल, काली तथा लाल और काले रंग का मिश्रण वाली पिच है। वानखेड़े स्टेडियम में सिर्फ लाल मिट्टी वाली पिच हैं और भारत की शानदार बल्लेबाजी को देखते हुए शायद उन्हें लाल मिट्टी वाली पिच चुननी पड़े। ट्रैक अभी तय नहीं किया गया है।

संजू की चमकी किस्मत और अभिषेक के सितारे गर्दिश में

अहमदाबाद, एजेंसी

अभिषेक शर्मा की खराब फार्म को लेकर जताई जा रही चिंता अब खुलकर आलोचना में बदल गई है, लेकिन इसके बावजूद पूरी संभावना है कि वह टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले फाइनल में अंतिम एकादश बने रहेंगे क्योंकि भारत जीत हासिल करने वाली अपनी टीम में बदलाव नहीं करना चाहता है। इस टूर्नामेंट में भारत के दो सलामी बल्लेबाजों की किस्मत एकदम से विपरीत रही।

जब प्रतियोगिता शुरू हुई तो अभिषेक को शीर्ष क्रम में मजबूत आधार माना जा रहा था जबकि संजू सैमसन के स्थान को लेकर सवाल बने हुए थे और कहा जा रहा था कि यह प्रतियोगिता उनके करियर के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर आठ के करो या मरो वाले मुकाबले ने परिस्थितियों में काफी बदलाव कर दिया है। सैमसन ने पिछले दो मैच में शानदार प्रदर्शन किया जिससे अब सभी का ध्यान अभिषेक की फॉर्म पर केंद्रित हो गया है। इस बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज को पूरे टूर्नामेंट में लय हासिल करने में काफी संघर्ष करना पड़ा है। अपने पिछले छह मैचों में उन्होंने क्रमशः 0, 0, 0, 15, 10 और 9 रन बनाए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ अर्धशतक को छोड़कर उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ मैच के बाद सैमसन ने कहा हम अपने सभी खिलाड़ियों का ध्यान रख रहे हैं। जीजी (मुख्य कोच गौतम गंभीर) भाई और सूर्या (कप्तान सूर्यकुमार) को अभिषेक पर पूरा भरोसा है।

- टूर्नामेंट शुरू होने से पहले अभिषेक की हो रही वाहवाही बदली आलोचना में
- संजू सैमसन के करियर पर उठ रहे थे सवाल, अब सभी कर रहे गुणगान

सैमसन 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' की दौड़ में

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शानदार फॉर्म में चल रहे भारतीय सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन का नाम उन आठ खिलाड़ियों में शामिल किया है जिन्हें टी20 विश्व कप के ''प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट'' के लिए नामित किया गया है। जिन अन्य खिलाड़ियों को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है उनमें इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स, पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान, दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी और कप्तान एडन मार्क्रम, न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रविंद्र और बल्लेबाज टिम सीफर्ट और अमेरिकी गेंदबाज शैडली वैन शाल्कविक शामिल हैं।

सैमसन को टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में खेलने का मौका नहीं मिला था लेकिन पिछले दो मैच में उन्होंने शानदार पारियां खेली हैं।

मानसिक रूप से मजबूत सैमसन अब हो चुका परिपक्व : शास्त्री

मुंबई, एजेंसी

भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने संजू सैमसन के मानसिक दृढ़ता की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस अनुभवी बल्लेबाज ने मौजूदा टी-20 विश्व कप में प्रदर्शन में निरंतरता और बेहतर शॉट चयन की जरूरत को समझते हुए अपनी परिपक्वता साबित कर दी है।

सलामी बल्लेबाज सैमसन ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 42 गेंदों में 89 रन बनाकर भारत को गुरुवार को सात रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 97 रन बनाकर भारत को जीत दिलाई थी।

शास्त्री ने 'द आईसीसी रिव्यू' में कहा मुझे लगता है कि आखिरकार उन्हें यह अहसास हो रहा है और वह इस बात को स्वीकार कर रहे हैं कि उन्हें अपने प्रदर्शन में अधिक निरंतरता की जरूरत है। उन्हें अपने शॉट चयन में अधिक समझदारी दिखानी होगी और अपने मजबूत पक्षों पर भरोसा करना होगा। संजू के साथ दिक्कत यह है कि उनके पास हर तरह के शॉट हैं, लेकिन एकाग्रता में कमी है। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि वह मानसिक रूप से मजबूत हो गया है। जब से वह टीम में आया है तब से किसी ने भी उसकी काबिलियत या प्रतिभा पर शक नहीं किया। लोग इस बात से निराश हैं कि उनके प्रदर्शन में अब तक जो निरंतरता दिखनी चाहिए थी वह नहीं दिख रही है। लेकिन अब वह परिपक्व हो गया है। फाइनल भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को अहमदाबाद में खेला जाएगा। सैमसन के सलामी जोड़ीदार अभिषेक शर्मा की फॉर्म फाइनल से पहले भारत के लिए चिंता का विषय है। अभिषेक टी20 विश्व कप में सात पारियों में केवल 89 रन ही बना पाए हैं, लेकिन शास्त्री का मानना है कि भारत को टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज को ही मौका देना चाहिए।

शास्त्री ने कहा मुझे लगता है कि उन्हें टीम में बनाए रखना चाहिए। टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है और उसमें किसी तरह के बदलाव की जरूरत नहीं है। टीम को अपनी क्षमता, अपने मजबूत पक्षों पर भरोसा करना चाहिए। उसे बेखौफ होकर खेलना चाहिए।

मेसी ने ट्रंप को भेंट की रत्नजड़ित फुटबॉल

वाशिंगटन, एजेंसी

दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने पिछले साल मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) कप जीतने पर इंटर मियामी को सम्मानित करने के लिए व्हाइट हाउस में आयोजित एक समारोह के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रत्नजड़ित गुलाबी फुटबॉल भेंट की।

इंटर मियामी ने दिसंबर में वैंकूवर व्हाइटकैप्स को हराकर मेजर लीग सॉकर का खिताब जीता था। अर्जेंटीना के सुपरस्टार मेसी को लगातार दूसरे सत्र में सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (एमवीपी) चुना गया था। ट्रंप ने कहा लियो (मेसी) आप टीम से जुड़े और आपकी टीम ने जीत हासिल की। आपके लिए अच्छा प्रदर्शन करना आसान नहीं था। सच कहूं तो आप पर जितना दबाव था, उतना किसी को पता भी नहीं होगा, क्योंकि उम्मीद की जा रही थी कि आप जीत दिलाने में सफल रहेंगे और आपने ऐसा किया। मेसी ने ट्रंप के साथ समारोह में प्रवेश किया। वर्ष 2023 में मियामी से जुड़ने वाले मेसी ने कार्यक्रम के दौरान भाषण नहीं दिया। ट्रंप ने मेसी को संबोधित करते हुए कहा आप दुनिया में कहीं भी जा सकते थे। आप दुनिया की कोई भी टीम चुन सकते थे, लेकिन आपने मियामी को चुना। मैं आपका आभार व्यक्त करना चाहता हूं कि आपने हम सभी को इस सफर में शामिल किया। आप प्रतिभाशाली और एक बेहतरीन इंसान हैं।

भारत के पास हर नंबर पर बेहतरीन बल्लेबाज : ब्रूक

मुंबई। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रुक ने जसप्रीत बुमराह की जमकर तारीफ करते हुए भारत के इस तेज गेंदबाज को वर्तमान समय का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज करार दिया। बुमराह ने टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल के आखिरी ओवरों में सटीक यॉर्करों की बौछार से इंग्लैंड के बल्लेबाजों को हतप्रभ कर दिया। ब्रूक ने कहा उनको हराना आसान नहीं है। उनके पास हर नंबर पर बहुत अच्छे बल्लेबाज हैं। उनके पास कुछ बेहद अच्छे बल्लेबाज हैं और वे सटीक शॉट लगाते हैं। अगर आप थोड़ा सा भी चूक जाते हैं, तो छक्का या चौका लग जाता है। दुर्भाग्य से हमने उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जितना हम कर सकते थे।

खुशी के पल

बोले- मुझे लगा कि पूरे मैच के दौरान गेंद कर रही थी मेरा पीछा

ब्रूक का कैच लेकर आनंद आया : अक्षर पटेल

मुंबई, एजेंसी

भारतीय उप कप्तान अक्षर पटेल ने टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड की सात रन की रोमांचक जीत में बेहतरीन क्षेत्ररक्षण का शानदार नमूना पेश किया और उन्होंने कहा कि इस पूरे मैच के दौरान ऐसा लग रहा था मानो गेंद उनका पीछा कर रही हो।

भारत में सेमीफाइनल में पहुंचने से पहले 13 कैच छोड़े थे लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ उसके क्षेत्ररक्षकों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

अक्षर पटेल ने खेल के दो अलग-अलग लेकिन महत्वपूर्ण चरणों में खतरनाक हैरी ब्रुक और विल जैक्स को आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अक्षर ने कवर पोजीशन से 24 मीटर पीछे दौड़कर शानदार कैच लेकर ब्रूक को पवेलियन भेजा। इसके बाद अर्शदीप सिंह की वाइड फुल टॉस गेंद को जैक्स ने डीप पॉइंट की ओर खेला। अक्षर ने अपनी बाईं ओर दौड़कर गेंद को लपका लेकिन सीमा रेखा पर संतुलन नहीं बना पाने के कारण उन्होंने उसे शिवम दुबे की तरफ उछाल दिया। अक्षर ने कहा, ''''जब मैंने हैरी ब्रूक का कैच लिया तो वह बहुत अच्छा कैच था। वह मुश्किल कैच था। लेकिन अगर आप मैच की स्थिति और इंग्लैंड के बल्लेबाजों की बल्लेबाजी को देखें तो विल जैक्स का कैच बहुत महत्वपूर्ण था जिससे उनकी साझेदारी टूट गई। उन्होंने कहा, अगर आप मुझसे फील्डिंग के लिहाज से पूछें तो हैरी ब्रूक का कैच ज्यादा मुश्किल था। (हंसते हुए) आज मुझे लगा कि गेंद मेरा पीछा कर रही है। अक्षर ने तब जैक्स को आउट करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया जब वह जैकब बेथेल के साथ मिलकर साझेदारी निभा रहे थे। अक्षर को बीच में दो मैच में बाहर रखा गया लेकिन इस ऑलराउंडर को पूरा भरोसा है कि वह फाइनल में खेलेंगे।

उन्होंने कहा मुझे लगता है इसीलिए मैंने वे दो मैच नहीं खेले (क्योंकि मुझे फाइनल खेलना था)। यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है, जिसका मैं इतने वर्षों से इंतजार कर रहा था कि आप अपने परिवार के सामने घरेलू मैदान पर मैच खेलें। यह बहुत गर्व का क्षण होता है। मेरा बेटा पहली बार मुझे मैदान पर खेलते हुए देखेगा और यह कुछ ऐसा है जिस पर मुझे बहुत गर्व है।

अक्षर भारत के महानतम खिलाड़ियों में शामिल होने की राह पर : गावस्कर

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि अक्षर पटेल क्रिकेट के हर विभाग में अपने शानदार कौशल और क्रिकेट की बहुत अच्छी समझ रखने के कारण भारत के महानतम खिलाड़ियों में से एक बनने की राह पर हैं जिसकी एक बानगी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में देखने को मिली जिसमें उन्होंने अपनी शानदार फील्डिंग से प्रभावित किया। अक्षर ने खेल के दो अलग-अलग पर महत्वपूर्ण चरणों में खतरनाक हैरी ब्रूक और विल जैक्स को आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अक्षर ने कवर पोजीशन से 24 मीटर पीछे दौड़कर शानदार कैच लेकर ब्रूक को पवेलियन भेजा। इसके बाद अर्शदीप सिंह की वाइड फुल टॉस गेंद को जैक्स ने डीप पॉइंट की ओर खेला। अक्षर ने अपनी बाईं ओर दौड़कर गेंद को लपका लेकिन सीमा रेखा पर संतुलन नहीं बना पाने के कारण उन्होंने उसे शिवम दुबे की तरफ उछाल दिया। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा अक्षर ने ब्रूक का जो कैच लिया वह अविश्वसनीय था। ब्रूक मैच का रुख बदल सकते हैं और उनका विकेट हासिल करने का हर मौका भुनाना चाहिए। अक्षर ने वही किया। वह 24 मीटर दौड़े, गेंद पर नजर रखी, खुद पर नियंत्रण बनाए रखा और कैच लपक लिया। अविश्वसनीय। उन्होंने कहा विल जैक्स को आउट करने में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई। बेथेल और जैक्स की साझेदारी मैच को इंग्लैंड के पक्ष में कर रही थी। पर अक्षर ने गेंद पकड़ी और चतुराई दिखाकर उसे शिवम दुबे के पास पहुंचा दिया। इससे उनकी क्रिकेट की समझ और अच्छी सूझबूझ का पता चलता है। आपकी सूझबूझ और जज्बा ही महान खिलाड़ियों को अन्य खिलाड़ियों से अलग करता है।